वार्षिक प्रतिवेदन
Annual Report
2018-2019

आरोग्यम् सुखसम्पदा

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान
The National Institute of Health and Family Welfare
Munirka, New Delhi - 110067

वार्षिक प्रतिवेदन

ANNUAL REPORT

2018–2019

आरोग्यम् सुखसम्पदा

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान

(स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्तशासी निकाय)

बाबा गंगनाथ मार्ग,मुनीरका, नई दिल्ली–110067

THE NATIONAL INSTITUTE OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(An autonomous organization under the Ministry of Health & Family Welfare, Govt. of India)

Baba Gangnath Marg, Munirka, New Delhi-110067

माननीय मंत्री (भारत सरकार)
Hon'ble Ministers (Government of India)

श्री जगत प्रकाश नड्डा
माननीय केन्द्रीय मंत्री,
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

प्रतिवेदित अवधि (वर्ष 2018–19) के दौरान

Shri Jagat Prakash Nadda
Hon'ble Union Minister for Health and Family Welfare,
Government of India
During the period in review (2018-19)

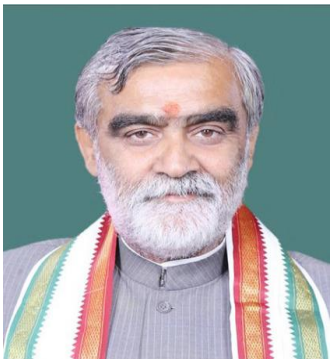

श्री अश्विनी कुमार चौबे
माननीय राज्यमंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार

प्रतिवेदित अवधि (वर्ष 2018–19) के दौरान

Shri Ashwini Kumar Choubey
Hon'ble Minister of State for Health
and Family Welfare,
Government of India
During the period in review (2018-19)

श्रीमती अनुप्रिया पटेल
माननीया राज्यमंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,
भारत सरकार

प्रतिवेदित अवधि (वर्ष 2018–19) के दौरान

Smt. Anupriya Patel
Hon'ble Minister of State for Health
and Family Welfare,
Government of India
During the period in review (2018-19)

डॉ हर्ष वर्धन
Dr. Harsh Vardhan
माननीय केन्द्रीय मंत्री
Hon'ble Union Minister
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
Ministry of Health and Family Welfare

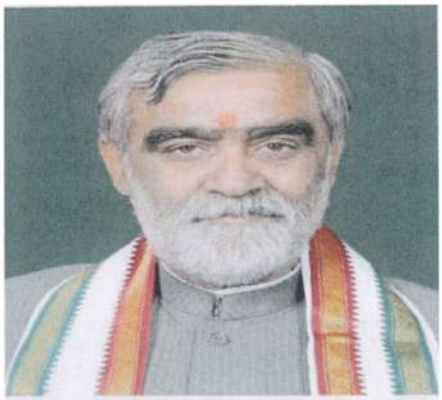

श्री अश्विनी कुमार चौबे
Shri Ashwini Kumar Choubey
माननीय राज्य मंत्री
Hon'ble Minister of State
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
Ministry of Health and Family Welfare

विषय सूची

क्र. स	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	निदेशक की कलम से	i
2.	सिंहावलोकन	iii-ix
3.	शिक्षा एवं प्रशिक्षण	1-11
4.	अनुसंधान एवं मूल्यांकन	12-32
5.	विशिष्ट सेवाएं	33-39
6.	विशिष्ट परियोजनाएं एवं कंसोर्टियम गतिविधियाँ	40-50
7.	परामर्श सेवाएं	51-61
8.	प्रशासनिक समाचार	62
9.	सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग	63-67
10.	घटनाक्रम	68-71
11.	संस्थान में आगंतुक	72-73
12.	प्रकाशन	74
13.	नियुक्तियाँ, पदोन्नति एवं सेवानिवृत्ति	75-76
14.	परिशिष्ट	77
I.	शासी निकाय के सदस्यों की सूची	78-80
II.	स्थायी वित्त समिति के सदस्यों की सूची	81
III.	कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्यों की सूची	82-84
IV.	संकाय सदस्यों की सूची	85-86
V.	संस्थान में 31 मार्च 2018 को श्रमशक्ति की स्थिति	87

निदेशक की कलम से

मुझे राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के वार्षिक प्रतिवेदन को प्रस्तुत करते हुए अपार हर्ष अनुभव हो रहा है । राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान अपने स्थापना समय अर्थात 9 मार्च, 1977 से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के क्षेत्र में एक अग्रणी एवं शीर्षस्थ तकनीकी संस्थान के रूप में कार्यरत है । इस संस्थान का एक मुख्य अधिदेश स्वास्थ्य के क्षेत्र में मानव संसाधनों का क्षमता निर्माण करना है। संस्थान द्वारा बहुत लम्बे समय से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के क्षेत्र में विविध कार्य क्षेत्रों से संबद्ध असाधारण व अति विशिष्ट विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। संस्थान द्वारा विभिन्न गतिविधियों जैसे- स्नातकोत्तर शिक्षा, सेवाकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों, अनुसंधान एवं मूल्यांकन, परामर्श सेवा तथा विशिष्ट सेवाएं संचालित करने के माध्यम से देश की उभरती आवश्यकताओं को पूरा किया जाता है। बहु-अनुशासनिक संस्थान के रूप में संस्थान द्वारा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार को स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्रियान्वयन तथा मूल्यांकन सहित विस्तृत गतिविधियों को संचालित करने में समर्थन प्रदान किया जाता है ।

संस्थान के मुख्य अधिदेश में से एक स्वास्थ्य क्षेत्र में मानव संसाधनों का क्षमता निर्माण करना भी है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान द्वारा मानव संसाधन के विभिन्न वर्गों जैसे- राष्ट्रीय शीत श्रृंखला एवं वैक्सीन प्रबंधन संसाधन केन्द्र, राष्ट्रीय कौशल प्रयोगशाला (दक्ष), स्वास्थ्य सूचना विज्ञान केन्द्र, सी.डी.सी. अटलांटा आदि के सहयोग से भारतीय परियोजनाओं में जन स्वास्थ्य प्रणाली क्षमता निर्माण इत्यादि में प्रशिक्षण संबंधी प्रयासों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया गया है। संस्थान के संकाय सदस्यों ने अपनी विशेषज्ञता से संबंधित क्षेत्रों में अपने कौशल को सिद्ध किया है। संस्थान के संकाय सदस्यों द्वारा देश के अनेक संगठनों को अपनी परामर्श सेवाएं प्रदान की जाती हैं। एक शीर्षस्थ तकनीकी संस्थान के रूप में, हम स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के क्षेत्र में प्रशिक्षण तथा अन्य तकनीकी गतिविधियों की गुणवत्ता में वृद्धि करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संस्थान को निरंतर सहयोग प्रदान किया जाता है तथा मैं स्वास्थ्य मंत्रालय के सभी अधिकारियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। मैं श्रीमती प्रीति सूदन, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण द्वारा हमें निरंतर दिए गए उत्साहवर्धन के लिए आभार व्यक्त करता हूँ। संस्थान की गतिविधियों में सहयोग प्रदान करने तथा गहन रूचि लेने के लिए में शासी निकाय, स्थाई वित्त समिति तथा कार्यक्रम सलाहकार समिति के माननीय सदस्यों के प्रति भी अपना आभार प्रकट करता हूं ।

मैं प्रतिवेदित अवधि में मार्गदर्शन एवं नेतृत्व प्रदान करने के लिए प्रोफेसर जयन्त दास, पूर्व निदेशक, रास्वापकसंस्थान के प्रति अपना आभार व्यक्त करता हूँ । इस अवसर पर, मैं पूरे वर्ष अपना सहयोग तथा समर्थन देने के लिए संस्थान के सभी संकाय सदस्यों एवं स्टाफ सदस्यों के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारा संस्थान अपने संकाय सदस्यों तथा कर्मचारियों के उत्कृष्ट तथा समर्पित प्रयासों से सफलता के शिखर पर पहुंचेगा ।

हम आपसे आशा करते हैं कि इस संस्थान को और भी अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए आप अपनी प्रतिक्रियाओं से हमें अवगत कराएंगे, ताकि हम अपने देश की उभरती आवश्यकताओं को पूरा कर सकें।

जय हिन्द !

(हर्षद पी. ठाकुर)
निदेशक

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान

सिंहावलोकन

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान ने अपने आरंभिक समय से विविध गतिविधियाँ जैसे शैक्षिक पाठ्यक्रमों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, अनुसंधान एवं मूल्यांकन संबंधी गतिविधियों के संचालन द्वारा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा जन स्वास्थ्य के क्षेत्र को अत्यंत समृद्ध किया है। संस्थान के प्रणोद क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य संबंधित नीतियाँ, जन स्वास्थ्य प्रबंधन, स्वास्थ्य क्षेत्र सुधार, स्वास्थ्य आर्थिकी एवं वित्तपोषण, जनसंख्या अनुकूलन, प्रजनन स्वास्थ्य, अस्पताल प्रबंधन, स्वास्थ्य हेतु संचार तथा स्वास्थ्य में प्रशिक्षण प्रौद्योगिकी आदि विषय शामिल हैं। संस्थान द्वारा बहु-अनुशासनिक स्वरूप के अपने ग्यारह विभागों के माध्यम से जन स्वास्थ्य के व्यापक मुद्दों पर गहन रूप से ध्यान दिया जाता है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान ने अपने आरंभिक समय से विविध गतिविधियाँ जैसे शैक्षिक पाठ्यक्रमों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, अनुसंधान एवं मूल्यांकन संबंधी गतिविधियों के संचालन द्वारा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा जन स्वास्थ्य के क्षेत्र को अत्यंत समृद्ध किया है। संस्थान के प्रणोद क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य संबंधित नीतियाँ, जन स्वास्थ्य प्रबंधन, स्वास्थ्य क्षेत्र सुधार, स्वास्थ्य आर्थिकी एवं वित्तपोषण, जनसंख्या अनुकूलन, प्रजनन स्वास्थ्य, अस्पताल प्रबंधन, स्वास्थ्य हेतु संचार तथा स्वास्थ्य में प्रशिक्षण प्रौद्योगिकी आदि विषय शामिल हैं। संस्थान द्वारा बहु-अनुशासनिक स्वरूप के अपने ग्यारह विभागों के माध्यम से जन स्वास्थ्य के व्यापक मुद्दों पर गहन रूप से ध्यान दिया जाता है।

दृष्टि

इस संस्थान को जन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के क्षेत्र में वैश्विक स्तर के एक उत्कृष्ट संस्थान के रूप में देखना।

मिशन

यह संस्थान गहन शिक्षा एवं प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं मूल्यांकन, परामर्श सेवाओं के साथ-साथ अंतर अनुशासनिक विशेषज्ञता सहित विशिष्ट सेवाओं द्वारा जन स्वास्थ्य तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रमों के प्रबंधन के लिए एक उत्प्रेरक और नवोन्मेषक के रूप में कार्यरत है।

प्रमुख समितियाँ

संस्थान की प्रमुख समितियों में शासी निकाय, स्थाई वित्त समिति तथा कार्यक्रम सलाहकार समिति शामिल हैं। शासी निकाय द्वारा माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जी की अध्यक्षता में संस्थान के समस्त शासकीय मामलों से कार्य व्यवहार किया जाता है। स्थाई वित्त समिति की अध्यक्षता केन्द्रीय सचिव द्वारा की जाती है तथा यह संस्थान के

वित्तीय पक्षों से कार्य व्यवहार करती है। कार्यक्रम सलाहकार समिति द्वारा संस्थान के शैक्षणिक मामलों से संबंधित कार्य व्यवहार किया जाता है। संस्थान के निदेशक इन सभी समितियों के सदस्य सचिव हैं।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

पोस्ट ग्रेजुएट शिक्षा

संस्थान द्वारा बुनियादी जन स्वास्थ्य शिक्षा संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने तथा देश में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रमों के क्षेत्र में शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित शैक्षणिक गतिविधियाँ संचालित की जाती हैं:

एम.डी. (सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन)

यह संस्थान सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन विषय में तीन वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट एम.डी. डिग्री पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए भारतीय चिकित्सा परिषद से मान्यता प्राप्त है तथा इसे दिल्ली विश्वविद्यालय की संबद्धता (एफीलिएशन) में संचालित किया जाता है। यह पाठ्यक्रम वर्ष 1969 से निरंतर रूप से संचालित किया जा रहा है। इसके लिए प्रति वर्ष दस सीटें निर्धारित की गईं हैं।

स्वास्थ्य प्रशासन में डिप्लोमा

दो वर्षीय स्वास्थ्य प्रशासन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा भारतीय चिकित्सा परिषद से मान्यता प्राप्त है तथा इसे भी दिल्ली विश्वविद्यालय की संबद्धता (एफीलिएशन) में संचालित किया जाता है। इस पाठ्यक्रम के लिए प्रत्येक वर्ष छह छात्रों की प्रवेश क्षमता निर्धारित है।

जन स्वास्थ्य प्रबंधन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा

संस्थान द्वारा यह पाठ्यक्रम भारतीय स्वास्थ्य फाउंडेशन की सहभागिता तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के समर्थन से वर्ष 2008 से प्रारंभ किया गया था। इस पाठ्यक्रम में राष्ट्रीय छात्रों के लिए 30 सीट तथा अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए 10 सीटें निर्धारित हैं। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य मध्य स्तर के सेवाकालीन स्वास्थ्य व्यावसायिकों की क्षमता में वृद्धि करना है।

इस पाठ्यक्रम में कुल बारह छात्रों को प्रवेश दिया गया है, जिसमें से नौ छात्र स्वयं प्रायोजित हैं तथा तीन छात्रों को राज्य सरकारों द्वारा नामित किया गया है। वर्ष 2018-19 के दौरान इस पाठ्यक्रम के लिए विदेशी देशों से चार छात्रों को नामित किया गया है। इस शैक्षणिक वर्ष में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों में जाम्बिया से (3) तथा जिम्बाब्वे से (1) छात्र अध्ययनरत हैं।

दूरस्थ शिक्षण प्रणाली के माध्यम से एक वर्षीय अवधि के छह डिप्लोमा पाठ्यक्रम

इसकें अंतर्गत प्रत्येक पाठ्यक्रम में पाठ्यक्रम के नाम एवं नामित छात्रों की संख्या निम्नानुसार दी गई है:

1. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण प्रबंधन पाठ्यक्रमः 73 छात्र
2. अस्पताल प्रबंधनः 222 छात्र
3. स्वास्थ्य संवर्धनः 56 छात्र
4. जन स्वास्थ्य पोषणः 34 छात्र; तथा
5. अनुप्रयुक्त महामारी विज्ञानः 29 छात्र
6. स्वास्थ्य संचार

ई–लर्निंग पाठ्यक्रम

प्रबंधन, जन स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य सेक्टर सुधारों में व्यावसायिक विकास पर इस सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम में भारत के विभिन्न राज्यों में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों की आवश्यकताओं पर बल दिया जाता है, जिनमे अपने संबंधित राज्यों में जिला स्तरीय पदों पर प्रोन्नत किया जाना हैं। वर्ष 2018-19 की अवधि में, इस पाठ्यक्रम में भाग लेने के लिए केरल राज्य ने 42 छात्रों को प्रायोजित किया है।

पी.एच.डी. कार्यक्रम

प्रतिवेदित अवधि में, छह छात्रों को विभिन्न विश्वविद्यालयों में पंजीकरण सहित पी.एच.डी. की डिग्री से सम्मानित किया गया।

प्रतिवेदित अवधि में, विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से संकाय सदस्यों तथा छात्रों ने इस संस्थान का दौरा किया।

ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण

तेरह छात्रों ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के विभिन्न विभागों में अपने अल्पकालिक ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरे किए।

प्रतिवेदित वर्ष के दौरान विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के संकाय सदस्यों और छात्रों ने संस्थान का दौरा किया।

प्रशिक्षण एवं कार्यशालाएं

संस्थान द्वारा पाठ्चर्या डिजाइन एवं मूल्यांकन, स्वास्थ्य संवर्धन, नर्सिंग प्रशासन, समाज एवं व्यवहार परिवर्तन संचार, व्यावसायिक एवं पर्यावरणीय स्वास्थ्य, अस्पताल प्रशासन, नेतृत्व एवं परामर्श विषय पर अनेक प्रशिक्षण आयोजित किए गए थे। समग्र रूप से, संस्थान द्वारा 52 प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा कार्यशालाएं (अंतः कक्षान्तर्गत एवं बाह्य कक्षान्तर्गत) संचालित की गईं।

अनुसंधान एवं मूल्यांकन

संस्थान द्वारा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के विभिन्न पक्षों में अनुसंधान कार्य को प्राथमिकता प्रदान की जाती है। प्रतिवेदित वर्ष की अवधि में, संस्थान द्वारा सत्रह शोध अध्ययन संचालित किए गए थे। इनमें से आठ अनुसंधान अध्ययन पूरे कर लिए गए हैं। इनमें एम.डी. (सी.एच.ए.) के छात्रों द्वारा संचालित किए गए पाँच अध्ययन शामिल हैं। शेष नौ शोध अध्ययन प्रगति चरण में हैं ।

विशिष्ट सेवाएं

संस्थान की विशिष्ट सेवाओं में क्लिनिकल, प्रलेखन, मुद्रण तथा प्रकाशन सेवाएं शामिल हैं। इनके विषय में विस्तृत विवरण निम्नानुसार दिया गया है:

क्लिनिक सेवाएं

संस्थान प्रजनन स्वास्थ्य परिचयार्र सेवा के क्षेत्र में एक श्रेष्ठ अग्रणी केन्द्र के रूप में मान्यता प्राप्त है । संस्थान के क्लिनिक में आने वाली गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व तथा प्रसवोत्तर सेवाएं प्रदान करने के साथ-साथ प्रतिरक्षण, आयरन-फॉलिक एसिड,विटामिन 'ए* की गोलियाँ भी उपलब्ध कराई जाती हैं ।

प्रयोगशाला सुविधाएं

संस्थान की प्रयोगशालीय सेवाओं के अंतर्गत प्रजनन विकार जैसे- अंतःस्रावि‍क विकार, संरचनात्मक/शल्य चिकित्सा, आनुवांशिक तथा अन्य विकारों की जाँच की जाती है। अंतःस्रावि‍क विकार, प्रजनन विकार तथा बांझपन समस्या उपचार में अपनाए गए वैज्ञानिक दृष्टिकोण से सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं।

प्रकाशन

संस्थान द्वारा निम्नलिखित प्रकाशन प्रकाशित किए जा रहे हैं:

- वर्ष 1978 से अंग्रेजी त्रैमासिक *एचपीपीआई* का प्रकाशन
- वर्ष 1999 से त्रैमासिक 'न्यूज़लैटर' का प्रकाशन
- वर्ष 1995 से हिन्दी पत्रिका 'जन स्वास्थ्य धारणा' का प्रकाशन ।

सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग

संस्थान में राजभाषा हिन्दी के क्रियान्वयन संबंधी प्रबोधन एक समिति द्वारा नियमित रूप से किया जाता है। प्रतिवेदित वर्ष की अवधि में, 95.90% पत्र व्यवहार (पत्र, ई-मेल, फैक्स संदेश सहित) हिन्दी में किया गया, जिसमें से 'क' तथा 'ख'

क्षेत्र के लिए शत-प्रतिशत तथा 'ग' क्षेत्र के लिए 65% के निर्धारित लक्ष्य के समक्ष, 'क' क्षेत्र को 97% पत्र, 'ख' क्षेत्र को 92.72% पत्र तथा 'ग' क्षेत्र को 88% पत्र भेजे गए। उपरोक्त प्रतिवेदित अवधि के दौरान, शत-प्रतिशत सामान्य आदेश द्विभाषिक रूप से जारी किए गए। इसी प्रकार, हिन्दी में प्राप्त सभी पत्रों का उत्तर हिन्दी में दिया गया।

राष्ट्रीय प्रलेखन केन्द्र

संस्थान का राष्ट्रीय प्रलेखन केन्द्र, डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क (डेलनेट) का एक सक्रिय सदस्य है तथा लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस, डेलनेट, वाशिंगटन सहित 5000 से अधिक सदस्य पुस्तकालयों के साथ अपने संसाधन साझा करता है। डेलनेट की कुल 2,45,45,450 पुस्तकें तथा 37,847 पत्रिकाओं का अधिक संग्रह है। राष्ट्रीय प्रलेखन केन्द्र 258 पत्रिकाओं को ऑनलाइन देखने की निःशुल्क सेवाएं प्रदान करने के लिए एनएमएल-ईआरएमईडी इंडिया कंसोर्टियम का भी सदस्य है। उपरोक्त के अतिरिक्त, ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपेक) के माध्यम से, सभी प्रकाशनों/प्रलेखनों की ग्रंथसूची विवरण लिंक- http:// 14.1393.63.242/ पर उपलब्ध है। महत्वपूर्ण प्रकाशनों जैसे- समिति/आयोग रिपोर्ट, तकनीकी रिपोर्ट, एचपीपीआई पत्रिकाएं संस्थान के महत्वपूर्ण प्रकाशन आदि को लिंक के माध्यम से डिजिटलीकृत और सुलभ किया गया है-लिंक निम्नानुसार है:http://www.nihfw.org/WNDC.aspx.

सलाहकार एवं परमर्श सेवाएं

संस्थान के निदेशक तथा संकाय सदस्यों द्वारा विभिन्न क्षमताओं में विभिन्न राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और स्वैच्छिक संगठनों को परामर्श सेवाएं प्रदान की जाती हैं। संस्थान के निदेशक तथा संकाय सदस्यों ने विभिन्न क्षमताओं में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न शैक्षधिक गतिविधियों में भाग लिया।

मातृ एवं शिशु ट्रेकिंग सुविधा केन्द्र

माता एवं शिशु से संबंधित आँकड़ों की गुणवत्ता में सुधार करने तथा समर्थन प्रदान करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में मातृ एवं शिशु ट्रैकिंग सुविधा केन्द्र स्थापित किया गया। वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान रिकार्डों की विधिमान्यता के लिए, सरकारी योजनाओं को बढ़ावा देने तथा क्षेत्र स्तर पर उपतब्ध कराई गई सेवाओं का मूल्यांकन करने और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रभावशीलता देखने के मातृ एवं शिशु ट्रैकिंग सुविधा केन्द्र के माध्यम से कुल 19,28,930 लाभार्थियों में से 25,101 ए.एन.एम. और 1,53,569 आशा कार्यकर्ताओं से संपर्क किया गया। एमसीएफटीसी–आईवीआरएस प्रणाली के माध्यम से गर्भवती महिलाओं तथा शिशुओं के माता-पिता को मातृ स्वास्थ्य, शिशु देखभाल, टीकाकरण और परिवार नियोजन से संबंधित वाक् संदेश भेजे गए। गर्भवती महिलाओं तथा शिशुओं के माता-पिता को कुल 18 विभिन्न प्रकार के संदेश भेजे गए थे।

स्वास्थ्य सूचना विज्ञान केन्द्र

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा भारत के नागरिकों को स्वास्थ्य सूचना तथा स्वास्थ्य देखभाल संबंधी सूचनाएं उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय ज्ञान आयोग से प्राप्त अनुदेशों के अनुपालन में राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल की स्थापना की गई। राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल बहुभाषी स्वास्थ्य सूचना अनुप्रयोग तथा संसाधनों तक पहुँच बनाने के लिए एक एकल बिन्दु (सिंगल प्वाइंट) के रूप में कार्य करेगा। इस पोर्टल से विस्तृत क्षेत्र का प्रयोक्ता वर्ग जैसे- शिक्षाविद्, सभ्रांत नागरिक, छात्र, स्वास्थ्य परिचर्या सेवा से जुड़े व्यावसायिक, शोधकर्ता आदि लाभान्वित हो रहे हैं। संस्थान में राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल संबंधी गतिविधियों का प्रबंधन करने के लिए एक सचिवालय के रूप में कार्य करने हेतु स्वास्थ्य सूचना विज्ञान केन्द्र की स्थापना की गई है।

राष्ट्रीय शीत श्रृंखला एवं टीका प्रबंधन केन्द्र

संस्थान में राष्ट्रीय शीत श्रृंखला एवं टीका प्रबंधन केन्द्र की स्थापना देश में लगभग 27000 शीत श्रृंखला स्थलों (कोल्ड चेन प्वाइंट्स) में लगभग 70000 कोल्ड चेन उपकरणों की मरम्मत तथा रख रखाव करने के लिए सार्वभैमिक प्रतिरक्षण कार्यक्रम में शामिल जिला स्तरीय शीत श्रृंखला तकनीशियनों की क्षमता निर्माण करने के उद्देश्य से की गई है। इसके अतिरिक्त, इस केन्द्र में लगभाग 300 शीत-श्रृंखला अधिकारियों तथा वैक्सीन तथा सभारतंत्र प्रबंधकों को वैक्सीन संभारतंत्र में प्रशिक्षित किया गया है। भारत के सभी राज्यों तथा संघ शासित प्रदेशों में बड़ी संख्या में चयनित वैक्सीन भण्डारों का प्रबोधन करने के लिए वास्तविक समय तापमान के साथ सभी शीत श्रृंखला उपकरणों के बारे मे वास्तविक समय संबंधी सूचनाएं उपलब्ध कराने के लिए एक राष्ट्रीय शीत श्रृंखला एवं टीका प्रबंधन सूचना प्रणाली संचालित है। इसके अतिरिक्त, इस केन्द्र द्वारा देश भर के 29 राज्यों में एनसीसीएमआईएस की समीक्षा तथा अद्यतन कार्य पूरा कर लिया गया है।

संस्थापन प्रशिक्षण कार्यक्रम

नव नियुक्त केंद्रीय स्वास्थ्य सेवा (सी.एच.एस.) चिकित्सा अधिकारियों के लिए आठ सप्ताह की अवधि का तृतीय संस्थापन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रतिवेदित वर्ष की अवधि में, इन पाठ्क्रमों में कुल 79 चिकित्सा अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया ।

राष्ट्रीय कौशल प्रयोगशाला (दक्ष)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत जन सवास्थ्य सुविधाओं में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य परिचर्या सेवाएं प्रदान करने संबंधी प्रावधान उपलब्ध कराना एक महत्वपूर्ण अधिदेश है। इसे प्राप्त करने के लिए यह महत्वपूर्ण है कि स्वास्थ्य सुविधाओं में कार्यरत स्वास्थ्य परिचर्या सेवा प्रदाताओं जैसे- चिकित्सा अधिकारियों, नर्सों तथा ए.एन.एम कार्मिकों को प्रजनन, मातृ, नवजात एवं शिशु स्वास्थ्य परिचर्या सेवा के क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाना अपेक्षित है। इसे ध्यान में रखते

हुए, भारत सरकार द्वारा कौशल प्रयोगशालाओं के माध्यम से क्रियान्वित किया जाने वाला दक्षता आधारित प्रशिक्षण तथा प्रमाणन कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है ।

कौशल प्रयोगशाला द्वारा स्वास्थ्य परिचर्या सेवा प्रदाताओं के लिए एक प्रोटोटाइप प्रदर्शन तथा शिक्षण अधिगम हेतु सुविधा-स्थल के रूप में कार्यरत है; तथा इसमें दक्षता आधारित प्रशिक्षण पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है। इसकी स्थापना से 31 मार्च, 2019 की अवधि तक कुल 706 स्वास्थ्य व्यावसायिकों को प्रशिक्षण दिया गया है। प्रतिवेदित अवधि के दौरान, 11 बैचों में कुल 96 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया ।

भारतीय परियोजना में जन स्वास्थ्य क्षमता निर्माण

संस्थान में भारतीय परियोजना में जन स्वास्थ्य क्षमता निर्माण (पीएचएससीबीआई) की स्थापना निगरानी गतिविधियों, आपदा प्रकोप जाँच को सुदृढ़ बनाने तथा देश में राज्य एवं जिला स्तर पर कार्यरत स्वास्थ्य कार्यबलों के प्रबंधकीय कौशल में सुधार लाने के उद्देश्य से पाँच वर्ष की अवधि के लिए की गई थी।

सुविधाएं

संस्थान में उच्च तकनीकयुक्त जन संबोधन प्रणालियों से सुसज्जित 280 लोगों के बैठने की क्षमता वाले प्रेक्षागृह के अतिरिक्त वीडियो कांफ्रेंसिंग सुविधा भी उपलब्ध है। प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए अत्याधुनिक शिक्षण सुविधाओं सहित कई बड़े कमरों वाला एक अलग विशिष्ट शिक्षण खण्ड भी है, जिसमें एक साथ कई प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा सकते हैं। संस्थान के छात्रावास में अनेक कमरे सुलभ हैं, जहाँ पर एक समय पर 100 अतिथियों के ठहरने की सुविधा भी उपलब्ध है। छात्रावास में आगंतुकों के लिए एक व्यायामशाला भी है। संस्थान में आउटडोर खेलों के लिए बैडमिंटन कोर्ट, क्रिकेट तथा फुटबाल मैदान के साथ-साथ इन्डोर खेलों जैसे- शतरंज, कैरम तथा टेबल टेनिस खेलने के लिए सुविधाएं भी हैं, जहाँ कर्मचारी स्वयं को तनावमुक्त व तरोताजा अनुभव कर सकते हैं।

संस्थान के परिसर में कर्मचारियों के लाभार्थ व सुविधा के लिए स्टाफ क्वार्टरों की सुविधा भी उपलब्ध है।

शिक्षा एवं प्रशिक्षण

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, जन स्वास्थ्य चिकित्सकों को ध्यान में रखते हुए, जन स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है। संस्थान ने वित्तीय वर्ष 2018-19 की रिपोर्ट के दौरान निम्नलिखित शिक्षण और प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए :

i. सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन में तीन वर्षीय स्नातकोत्तर उपाधि (एम.डी.) पाठ्यक्रम

ii. स्वास्थ्य प्रशासन में दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा

iii. जन स्वास्थ्य प्रबंधन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा

iv. दूरस्थ शिक्षण के माध्यम से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण प्रबंधन में डिप्लोमा

v. दूरस्थ शिक्षण के माध्यम से अस्पताल प्रबंधन में डिप्लोमा

vi. दूरस्थ शिक्षण के माध्यम से स्वास्थ्य संवर्धन में डिप्लोमा

vii. दूरस्थ शिक्षण के माध्यम से स्वास्थ्य संचार में डिप्लोमा

viii. दूरस्थ शिक्षण के माध्यम से एप्लाइड एपिडेमियोलॉजी में डिप्लोमा

ix. दूरस्थ शिक्षण के माध्यम से जन स्वास्थ्य पोषण में डिप्लोमा

x. ई-लर्निंग के माध्यम से प्रबंधन, सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यावसायिक विकास के लिए सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम, तथा

xi. एक से दस सप्ताह की अवधि तक के विभिन्न अल्पकालिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम ।

शिक्षण पाठ्यक्रम

सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन में तीन वर्षीय एम.डी.

देश की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, संस्थान 1969 से तीन वर्षीय स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रम सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन में एमडी को प्रदान कर रहा है। यह पाठ्यक्रम दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध है और भारतीय चिकित्सा परिषद (एमसीआई) द्वारा मान्यता प्राप्त है। वर्षों से, यह पाठ्यक्रम देश में स्वास्थ्य व्यावसायिकों में बहुत लोकप्रिय है। कुल मिलाकर 298 छात्रों ने इस कोर्स को उत्तीर्ण किया है।

2018-2019 के दौरान, कुल 18 छात्रों में से 5 ने तीसरे वर्ष में, 5 ने दूसरे वर्ष में और 8 ने पहले वर्ष में इस पाठ्यक्रम में भाग लिया।

स्वास्थ्य प्रशासन में दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा

इसे **1993** में शुरू किया गया। संस्थान द्वारा प्रदान किए जाने वाला स्वास्थ्य प्रशासन में दो वर्षीय यह स्नातकोत्तर डिप्लोमा भी दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध है और भारतीय चिकित्सा परिषद द्वारा (एमसीआई) द्वारा मान्यता प्राप्त है।

जन स्वास्थ्य प्रबंधन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और भारतीय जन स्वास्थ्य फाउंडेशन के सहयोग से राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान जन स्वास्थ्य प्रबंधन में पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा प्रदान करता है। भारत सरकार जनसंख्या और विकास (पीपीडी) में सुविधा प्राप्त दस अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए फेलोशिप देता है। वर्ष 2018-19 के लिए नौ (बारह) छात्रों (राष्ट्रीय) ने दाखिला लिया। पीपीडी द्वारा नामित चार अंतर्राष्ट्रीय छात्र (गाम्बिया से तीन और जिम्बाब्वे से एक) पाठ्यक्रम में शामिल हुए। इस पाठ्यक्रम की शुरुआत के बाद से अब तक 176 छात्रों ने इसे उत्तीर्ण किया है।

दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण प्रबंधन में डिप्लोमा

इस पाठ्यक्रम को विशेष रूप से स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली की मौजूदा संरचना और कार्यप्रणाली के बारे में प्रतिभागियों को ज्ञान प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें प्रबंधकीय समस्याएं भी शामिल हैं। इसके अलावा, इस में विभिन्न प्रबंधन अवधारणाओं, तकनीकों, उपकरणों और संसाधन प्रबंधन पर चर्चा की जाती है, जिसे मेडिकल, नर्सिंग, डेंटल और आयुष स्नातकों के लिए खोला जाता है। परीक्षा में 73 उम्मीदवार उपस्थित हुए, जिनमें से 68 ने सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है। 1991-92 में इस पाठ्यक्रम की शुरुआत के बाद से, 1635 छात्रों को यह डिप्लोमा प्रदान किया गया है।

दूरस्थ शिक्षण के माध्यम से अस्पताल प्रबंधन में डिप्लोमा

अस्पतालों में प्रबंधकीय समस्याओं सहित मौजूदा संरचना और स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के कामकाज के बारे में प्रतिभागियों को ज्ञान प्रदान करने के लिए अस्पताल प्रबंधन में डिप्लोमा को विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। इसके अलावा, इस पाठ्यक्रम में विभिन्न प्रबंधन अवधारणाओं, तकनीकों, उपकरणों और संसाधन प्रबंधन पर चर्चा की जाती है

तथा यह मेडिकल, नर्सिंग, दंत चिकित्सा और आयुष स्नातकों के लिए सुलभ है। यह पाठ्यक्रम 100 छात्रों के नामांकन के साथ अगस्त 1995 में शुरू किया गया था।

2017-18 में 222 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए, 187 छात्रों ने इस वर्ष के दौरान सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूरा किया है। अब तक 2794 छात्रों ने सफलतापूर्वक इस डिप्लोमा पाठ्यक्रम को पूरा किया है।

दूरस्थ शिक्षण के माध्यम से स्वास्थ्य संवर्धन में डिप्लोमा

यह पाठ्यक्रम शैक्षणिक वर्ष 2010-11 में शुरू किया गया था, प्रतिभागियों में जीवनशैली से संबंधित समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करने के लिए ज्ञान प्रदान करने हेतु इस पाठ्यक्रम को डिज़ाइन किया गया है और यह चिकित्सा, पैरामेडिकल और अन्य हितधारकों के लिए भी है। 2017-18 में 56 छात्र परीक्षा में शामिल हुए, 42 ने इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया है। अब तक, 366 छात्रों को इस डिप्लोमा से सम्मानित किया गया है।

दूरस्थ शिक्षण के माध्यम से स्वास्थ्य संचार में डिप्लोमा

शैक्षणिक वर्ष 2015-2016 से इस पाठ्यक्रम को विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों में संचार, संचार सिद्धांतों, स्वास्थ्य और रोगों की बुनियादी अवधारणाओं के बारे में प्रतिभागियों को ज्ञान प्रदान करने के लिए शुरू हुआ।

दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से अनुप्रयुक्त महामारी विज्ञान में डिप्लोमा

पाठ्यक्रम की रूपरेखा विशेष रूप से विभिन्न महामारी विज्ञान तकनीकों और प्रतिभागियों को महामारी विज्ञान के उपयोग के बारे में ज्ञान प्रदान करने के लिए तैयार की गई है। परीक्षा में 29 छात्र शामिल हुए और उनमें से सभी उत्तीर्ण हुए।

दूरस्थ शिक्षण के माध्यम से जन स्वास्थ्य पोषण में डिप्लोमा

पाठ्यक्रम विशेष रूप से प्रतिभागियों के बीच जन स्वास्थ्य पोषण से संबंधित पोषण विज्ञान के बारे में अधिक जागरूकता और समझ उत्पन्न करने के लिए बनाया गया है। परीक्षा में 34 छात्र शामिल हुए और उनमें से सभी उत्तीर्ण हुए।

ई-लर्निंग के माध्यम से प्रबंधन, जन स्वास्थ्य और स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यावसायिक विकास के लिए प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

प्रबंधन में व्यावसायिक विकास के लिए सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम, सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वास्थ्य क्षेत्र सुधार को यूरोपीय आयोग द्वारा समर्थित स्वास्थ्य क्षेत्र-सुधार गतिविधियों के तहत विकसित किया गया था। यह भारत के विभिन्न राज्य स्वास्थ्य प्रणालियों में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों की जरूरतों को संबोधित करता है, जो जिला स्तर पर काम कर रहे हैं अथवा अपने राज्य में जिला स्तर के पदों पर पदोन्नत होने को हैं। केरल सरकार ने 2018-19 के दौरान इस

पाठ्यक्रम, के लिए 42 छात्रों को प्रायोजित किया। छात्रों की सुविधा के लिए, राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, केरल में एक अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

सेवाकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम / कार्यशालाएं / बैठकें

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और कार्यशालाएं (इंट्रा-म्यूरल और एक्स्ट्रा-म्यूरल) हर साल संस्थान द्वारा आयोजित किए जाते हैं, जिसके उद्देश्य हैं, (i) प्रतिभागियों को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण कार्यक्रमों के लक्ष्यों और उद्देश्यों से अवगत कराना; (ii) कार्यान्वयन में परिचालन संबंधी कठिनाइयों के बारे में उनके ज्ञान और समझ को अद्यतन करना; और (iii) ऐसी बाधाओं को दूर करने के लिए सुधारात्मक उपाय सुझाना।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, स्वास्थ्य कर्मियों की विभिन्न श्रेणियों के लिए 52 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, कार्यशालाएं और बैठकें आयोजित की गईं।

ये प्रशिक्षण पाठ्यक्रम एनएचएम/आरसीएच, एचआईवी/एड्स, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम, प्रजनन जैव-चिकित्सा, बुजुर्गों की स्वास्थ्य देखभाल, टीकाकरण, स्वास्थ्य में सूचना प्रौद्योगिकी, पोषण और जीवन विकार, भौगोलिक सूचना प्रणाली, रसद और आपूर्ति प्रबंधन प्रणाली, स्वास्थ्य प्रबंधन, अस्पताल प्रबंधन, मानव संसाधन प्रबंधन,

स्वास्थ्य संचार, प्रशिक्षण प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य संवर्धन, स्वास्थ्य अर्थशास्त्र/वित्त पोषण, सांख्यिकी और जनसांख्यिकी, सामाजिक विज्ञान, किशोर, अनुसंधान पद्धति इत्यादि जैसे मुद्दों पर केंद्रित हैं। ।

संबंधित कार्य पत्रक, केस अध्ययन और भूमिका निर्वाह सामग्री विषय क्षेत्रों के समरूप थे। प्रशिक्षण के लिए अपेक्षित कौशल विकास, डमी, मॉडल और अन्य प्रशिक्षण सहायता का उपयोग करके अभ्यास के लिए 'हैंड्स ऑन ट्रेनिंग' प्रदान की गई। अधिगम अनुभवों का समर्थन करने के लिए आवश्यकतानुसार क्षेत्र दौरे (फील्ड विज़िट) आयोजित किए गए। अधिकांश प्रशिक्षणों में, प्रशिक्षण की जरूरतों और उद्देश्यों के अनुसार 'कार्य योजना' विकसित की गई थी। प्रतिभागियों ने संकाय से सहयोग लेकर 'कार्य योजना' विकसित की गई, जिन पर गहन चर्चा की गई थी और संशोधनों को इसमें शामिल किया गया ।

वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों, कार्यशालाओं, सम्मेलनों और बैठकों की सूची नीचे दी गई है:

क्रम	पाठ्यक्रम का शीर्षक	समन्वयक का नाम/ नोडल अधिकारी	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1.	वॉक-इन-कूलर (WICS) की मरम्मत और रखरखाव में शीत श्रृंखला तकनीशियनों के लिए प्रशिक्षण	प्रोफेसर संजय गुप्ता	23 से 27 अप्रैल, 2018	23

2.	जम्मू और कश्मीर के एएनएम नर्स और चिकित्सा अधिकारियों के लिए मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में कौशल लैब प्रशिक्षण	डॉ. नंदिनी सुब्बैया	7 से 12 मई, 2018 तक	4
3.	जम्मू और कश्मीर के एएनएम नर्स और चिकित्सा अधिकारियों के लिए मातृ और बाल स्वास्थ्य में कौशल लैब प्रशिक्षण	डॉ. नंदिनी सुब्बैया	18 से 23 जून, 2018	7
4.	आईएलआर-डीएफ और वोल्टेज स्टेबलाइजर की मरम्मत और रखरखाव के लिए कोल्ड चेन तकनीशियनों का प्रशिक्षण।	प्रोफेसर संजय गुप्ता	11 से 19 जुलाई, 2018	23
5.	पाठ्यक्रम डिजाइन और मूल्यांकन पर प्रशिक्षण	प्रोफेसर नीरा धर	23 से 27 जुलाई, 2018	25
6.	टीके और कोल्ड चेन प्रबंधन पर प्रशिक्षण का सातवां राष्ट्रीय बैच। (टी-वैक)	प्रोफेसर संजय गुप्ता	30 जुलाई से 3 अगस्त, 2018	14
7.	आईएलआर-डीएफ और वोल्टेज स्टेबलाइजर की मरम्मत और रखरखाव के लिए कोल्ड चेन तकनीशियनों का प्रशिक्षण।	प्रोफेसर संजय गुप्ता	1 से 9 अगस्त, 2018	21
8.	नव नियुक्त सीएचएस चिकित्सा अधिकारियों के लिए संस्थापन (फाउंडेशन) प्रशिक्षण कार्यक्रम	प्रोफेसर मिहिर कुमार मलिक	26 अगस्त, 2018 से 6 अक्टूबर, 2018	82
9.	सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकालीन प्रबंधन में क्षमता निर्माण के तहत वरिष्ठ अस्पताल प्रशासकों के लिए स्वास्थ्य आपातकाल के लिए अस्पताल की तैयारी पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर मनीष चतुर्वेदी	27 अगस्त से 1 सितंबर 2018 तक	26
10.	आईएलआर-डीएफ और वोल्टेज स्टेबलाइजर की मरम्मत और रखरखाव के लिए कोल्ड चेन तकनीशियनों का प्रशिक्षण।	प्रोफेसर संजय गुप्ता	23 से 31 अगस्त, 2018	18
11.	स्वास्थ्य और जनसांख्यिकीय अनुसंधान के लिए सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर का उपयोग करके आंकड़ा विश्लेषण पर प्रशिक्षण	प्रोफेसर पुष्पांजलि स्वैन	10 से 14 सितंबर, 2018	23
12.	त्वरित प्रतिक्रिया दल (आरआरटी) प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी)	डॉ. एन. के यादव	10 से 14 सितंबर, 2018	14

13.	आईएलआर-डीएफ और वोल्टेज स्टेबलाइजर की मरम्मत और रखरखाव के लिए कोल्ड चेन तकनीशियनों का प्रशिक्षण।	प्रोफेसर संजय गुप्ता	12 से 20 सितंबर, 2018	22
14.	स्वास्थ्य देखभाल संचार पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर मिहिर कुमार मलिक	24 से 28 सितंबर, 2018	18
15.	सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के लिए उपचारात्मक देखभाल के लिए एक मास्टर-प्रशिक्षकों को संवेदनशील बनाने हेतु निर्देशन	प्रोफेसर संजय गुप्ता	23 से 24 सितंबर, 2018	18
16.	बिहार के एएनएम नर्स और चिकित्सा अधिकारियों के लिए मातृ और बाल स्वास्थ्य में कौशल प्रयोगशाला प्रशिक्षण	डॉ. नंदिनी सुब्बैया	8 से 13 अक्टूबर, 2018	8
17.	आईएलआर-डीएफ और वोल्टेज स्टेबलाइजर की मरम्मत और रखरखाव के लिए कोल्ड चेन तकनीशियनों के बारे में प्रशिक्षण कार्यक्रम	प्रोफेसर संजय गुप्ता	10 से 18 अक्टूबर, 2018	18
18.	स्वास्थ्य विज्ञान पुस्तकालयों में सूचना प्रबंधन के लिए आईटी आवेदन पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	श्री सलेक चंद	22 से 26 अक्टूबर, 2018	20
19.	वरिष्ठ नर्सिंग प्रशासकों के लिए प्रबंधन में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	डॉ. नंदिनी सुब्बैया	29 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2018	24
20.	एनएचएम के तहत महिला स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए लैंगिक हिंसा और मानव अधिकारों पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफ़ेसर रजनी बग्गा	29 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2018	22
21.	राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत पीआईपी के संदर्भ में स्वास्थ्य नीति, योजना और वित्तपोषण पर अभिविन्यास प्रशिक्षण	प्रोफ़ेसर वी. के. तिवारी	12 से 16 नवंबर, 2018	41
22.	बिहार के एएनएम नर्स और चिकित्सा अधिकारियों के लिए मातृ और बाल स्वास्थ्य में कौशल प्रयोगशाला प्रशिक्षण	डॉ. नंदिनी सुब्बैया	26 दिसंबर से 1 दिसंबर, 2018 तक	14
23.	बुजुर्गों के स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफ़ेसर रजनी बग्गा	26 से 30 नवंबर, 2018	15
24.	व्यावसायिक और पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर चिकित्सा अधिकारियों के लिए "प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण"	प्रोफेसर संजय गुप्ता	3 से 8 दिसंबर, 2018	24

25.	एनएचएम के तहत स्वास्थ्य क्षेत्र में नेतृत्व विकास पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर रजनी बग्गा	10 से 14 दिसंबर, 2018	14
26.	केरल के एएनएम नर्स और चिकित्सा अधिकारियों के लिए मातृ और बाल स्वास्थ्य में कौशल प्रयोगशाला प्रशिक्षण	डॉ. नंदिनी सुब्बैया	10 से 15 दिसंबर, 2018	12
27.	आईएलआर/डीएफ और वोल्टेज स्टेबलाइजर की मरम्मत और रखरखाव के लिए कोल्ड चेन तकनीशियनों के बारे में प्रशिक्षण कार्यक्रम	प्रोफेसर संजय गुप्ता	12 से 20 दिसंबर, 2018	18
28.	वैक्सीन और कोल्ड चेन मैनेजमेंट (टी-वीसीसी) पर प्रशिक्षण का आठवां राष्ट्रीय बैच	प्रोफेसर संजय गुप्ता	17 से 21 दिसंबर, 2018	20
29.	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण में रसद और आपूर्ति प्रबंधन प्रणाली पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर मनीष चतुर्वेदी	17 से 21 दिसंबर, 2018	12
30.	भारत में सुरक्षित मातृत्व के लिए मिडवाइफ अभ्यासों का सुदृढ़ीकरण करने पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	डॉ. नंदिनी सुब्बैया	3 से 11 जनवरी, 2019	32
31.	जिला स्वास्थ्य अधिकारी के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल प्रबंधन पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर जयंत दास	7 से 19 जनवरी, 2019	21
32.	स्वास्थ्य संवर्धन पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर पूनम खट्टर	7 से 11 जनवरी, 2019	29
33.	बिहार से एएनएम नर्स और चिकित्सा अधिकारियों के लिए मातृ और बाल स्वास्थ्य में कौशल प्रयोगशाला प्रशिक्षण	डॉ. नंदिनी सुब्बैया	28 जनवरी से 2 फरवरी, 2019	17
34	भारत में जिला स्वास्थ्य देखभाल वितरण सेवाओं पर मजबूत करने के लिए स्वास्थ्य प्रणाली प्रबंधन पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर मिहिर कुमार मलिक	4 से 8 फरवरी, 2019	18
35.	बिहार से एएनएम नर्स और चिकित्सा अधिकारियों के लिए मातृ और बाल स्वास्थ्य में कौशल प्रयोगशाला प्रशिक्षण	डॉ. नंदिनी सुब्बैया	4 से 9 वीं फरवरी, 2019	12
36.	वरिष्ठ अस्पताल प्रशासकों के लिए अस्पताल प्रशासन पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर मनीष चतुर्वेदी	4 से 22 फरवरी, 2019	20

37.	स्वास्थ्य कार्मिक के लिए जनसांख्यिकी आंकड़ा विश्लेषण पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	डॉ. पुष्पांजलि स्वैन	11 से 15 फरवरी, 2019	27
38.	डब्ल्यूआईसी और डब्ल्यू आईएफ की मरम्मत एवं रखरखाव पर कोल्ड चेन तकनीशियनों का प्रशिक्षण	प्रोफेसर संजय गुप्ता	11 से 16 फरवरी, 2019	21
39.	व्यावसायिक और पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर संजय गुप्ता	18 से 22 फरवरी, 2019	8
40	राष्ट्रीय वैक्सीन अपव्यय मूल्यांकन और राष्ट्रीय 'ओपन वायल नीति' मूल्यांकन पर प्रशिक्षण	प्रोफेसर संजय गुप्ता	22 फरवरी, 2019	54
41.	आईएलआर, डीएफ और वोल्टेज स्टेबलाइजर की मरम्मत और रखरखाव पर कोल्ड चेन तकनीशियनों का प्रशिक्षण	प्रोफेसर संजय गुप्ता	20 से 28 फरवरी, 2019	22
42.	चिकित्सा अधिकारियों के लिए व्यावसायिक और पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर "प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण"	प्रोफेसर संजय गुप्ता	25 फरवरी से 2 मार्च 2019	4
43.	त्वरित प्रतिक्रिया दल (आरआरटी) पर प्रशिक्षकों (टीओटी) का प्रशिक्षण	डॉ. एन. के. यादव	11 से 15 मार्च, 2019	20
44.	राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत सूचना-शिक्षा-संचार अधिकारियों के लिए सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन संचार (SBCC) पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रोफेसर मिहिर कुमार मलिक	11 से 15 मार्च, 2019	20
45.	अनुसंधान पद्धति पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	डॉ. नंदिनी सुब्बैया	11 से 19 मार्च, 2019	19

अप्रैल से मार्च, 2018-2019 तक की अवधि के दौरान आयोजित कार्यशालाओं की सूची

क्रम	**कार्यशाला का शीर्षक**	**समन्वयक/ नोडल अधिकारी का नाम**	**अवधि**	**प्रतिभागियों की संख्या**
1.	राष्ट्रीय प्रभावी वैक्सीन प्रबंधन मूल्यांकन 2018 के लिए राष्ट्रीय मूल्यांकनकर्ताओं की अभिविन्यास पर कार्यशाला।	प्रोफेसर संजय गुप्ता	1 से 5 मई 2018 तक	74
2.	राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत उपशामक देखभाल पहल पर राष्ट्रीय परामर्श:	प्रोफेसर संजय गुप्ता प्रोफेसर यू. दत्ता	17 से 18 मई, 2018	20

	समीक्षा-सह-क्षमता निर्माण कार्यशाला।	प्रोफेसर मनीष चतुर्वेदी डॉ. जे.पी. शिवदासानी		
3.	अस्पताल में प्रशिक्षण सामग्री के मानकीकरण के लिए ''वरिष्ठ अस्पताल प्रशासकों के लिए स्वास्थ्य आपात स्थिति की तैयारी" पर विशेषज्ञों की दो दिवसीय कार्यशाला	प्रोफेसर मनीष चतुर्वेदी डॉ. बी.एस. दीवान	16 से 17 जुलाई, 2018	16
4.	सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थितियों के प्रबंधन पर प्रशिक्षण सामग्री के मानकीकरण के लिए विशेषज्ञ समूह की बैठक के लिए दो दिवसीय कार्यशाला	प्रोफेसर मनीष चतुर्वेदी	8 से 9 अक्टूबर, 2018	20
5.	वरिष्ठ अस्पताल प्रशासकों के प्रशिक्षण के लिए सहयोगी संस्थानों को उन्मुख करने के लिए तीन दिवसीय अभिविन्यास कार्यशाला	प्रोफेसर मनीष चतुर्वेदी	22 से 24 अक्टूबर, 2018	12
6.	राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत स्वास्थ्य कार्यक्रमों/योजनाओं के लिए डिजाइन और विकास मूल्यांकन अनुसंधान प्रस्ताव पर प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला	प्रोफ़ेसर वी.के. तिवारी	3 से 7 दिसंबर, 2018	12
7	जिला स्वास्थ्य अधिकारी के लिए भागीदार संस्थानों की अभिविन्यास कार्यशाला	प्रोफेसर जयंत दास	6 से 8 फरवरी, 2019	17

महामारी रोग विज्ञान (एपीडेमियोलॉजी) संबंधी प्रशिक्षण

कर्नाटक तथा मध्य प्रदेश राज्यों के महामारी रोग विज्ञान (एपीडेमियोलॉजी) संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु दो पक्ष-पोषण बैठकें आयोजित की गईं।

महामारी रोग विज्ञान प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के दो बैच (पाँचवां तथा छठा बैच) प्रारंभ किए जा चुके हैं, इनका कार्य प्रगति पर है।

बेंगलुरू, कर्नाटक में (28 जनवरी- 27 अप्रैल, 2019 तक 5वां बैच आयोजित किया गया), इसमें 34 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

भोपाल, मध्य प्रदेश (5 मार्च से 6 जून, 2019 तक छठा बैच आयोजित किया गया), इसमे 41 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

पीएच.डी. और ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम

विभिन्न शिक्षण पाठ्यक्रमों और सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा, संस्थान द्वारा विश्वविद्यालयों के छात्रों को उनकी पीएचडी पाठ्यक्रमों को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और विभिन्न क्षेत्रों, जैसे- जैव-प्रौद्योगिकी, जैव-रसायन, सार्वजनिक स्वास्थ्य, आदि, में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। संस्थान के संकाय सदस्य इन विद्वानों के लिए पर्यवेक्षक और सह-पर्यवेक्षक के रूप में कार्य करते हैं। 2 छात्रों को उनके पीएचडी डिग्री प्रदान की गई और 06 छात्र वर्तमान में विभिन्न विश्वविद्यालयों में पंजीकरण सहित पीएचडी में अध्ययनरत हैं।

13 छात्रों ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के विभिन्न विभागों में अपने अल्पकालिक ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरे किए।

अनुसंधान एवं मूल्यांकन

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण क्षेत्र के विभिन्न पहलुओं में अनुसंधान कार्य को संस्थान द्वारा उचित प्राथमिकता दी जाती है तथा समुचित ध्यान दिया जाता है। इस प्रयोजन के लिए संस्थान में अखिल भारतीय स्तर पर प्रमुख विशेषज्ञों को शामिल करके एक शैक्षणिक समिति तथा एक उच्च स्तरीय कार्यक्रम सलाहकार समिति गठित की गई है। इन समितियों द्वारा शैक्षणिक प्रयासों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए संस्थान की सभी शैक्षणिक तथा अनुसंधान गतिविधियों की गहन समीक्षा की जाती है तथा पूर्ण विचार-विमर्श किया जाता है। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक शोध प्रस्ताव को संस्थान की नीति समीक्षा बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है, जिसमें स्वास्थ्य, अनुसंधान एवं संबंधित तकनीकी पृष्ठभूमि के शिक्षाविद शामिल होते हैं तथा इन प्रस्तावों की नीति एवं अन्य तत्संबंधी मुद्दों पर विचार किया जाता है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा संस्थान को देश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन/प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रशिक्षण, आयोजन, समन्वय तथा निगरानी के लिए एक 'राष्ट्रीय नोडल एजेंसी' के रूप में चयनित किया गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा इस संस्थान को वर्ष 1998 से वार्षिक सुरक्षा संनिरीक्षण कार्यक्रम के प्रारंभ से देश में एचआईवी/एड्स संक्रमण हेतु पर्यवेक्षण तथा प्रबोधन के कार्य का दायित्व भी सौंपा गया है। संस्थान में भारत सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न गतिविधियों और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों का मूल्यांकन एवं अध्ययन किया जाता है।

प्रतिवेदित वर्ष की अवधि में संस्थान द्वारा 17 अनुसंधान अध्ययनों का संचालन किया गया था। इन अनुसंधान अध्ययनों में से 8 अध्ययन पूर्ण हो चुके हैं। इसमें एमडी (सीएचए) के छात्रों द्वारा 5 अध्ययन शामिल हैं। शेष 9 अध्ययन प्रगति चरण में है।

संपन्न शोध अध्ययन

1. ओडिशा (उडीशा) की चयनित स्वास्थ्य सुविधाओं में सेवा वितरण की निष्पादन क्षमता में सुधार लाने के लिए द्वितीय एएनएम की तैनाती का प्रभाव

(प्रोफेसर जयंत दास, डॉ. नंदिनी सुब्बैया और प्रोफेसर पुष्पांजलि स्वैन)

सामान्य उद्देश्य

ओडिशा राज्य के चयनित जिलों में उप-केंद्रों की निष्पादन क्षमता में सुधार लाने के लिए द्वितीय एएनएम की तैनाती का प्रभाव का आकलन करना।

विशिष्ट उद्देश्य

1. चयनित उप-केंद्रों में उपलब्ध अवसंरचनात्मक ढांचे तथा जनशक्ति सुविधाओं को समझना।
2. चयनित उप-केंद्रों में तैनात की गई एएनएम कर्मिकों में कार्य दायित्व तथा कार्य विभाजन का विश्लेषण करना।
3. एएनएम कर्मचारियों द्वारा उप-केंद्रों, बाहरी स्थानों, घरों में आने-जाने, साप्ताहिक तथा मासिक बैठकों में भाग लेने, रिकॉर्डिंग करने तथा रिपोर्टिंग करने आदि को दिन प्रतिदिन के अनुसार तथा प्रत्येक कार्य को करने के लिए व्यतीत किये गए समय का आकलन करना।
4. एक एएनएम और दो एएनएम रखने वाले उप-केंद्रों की कार्य निष्पादन क्षमता की तुलना करना।
5. द्वितीय एएनएम की तैनाती तथा उनके द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के बारे में चिकित्सा अधिकारी तथा लाभार्थियों की अनुभूति/अनुभवों का अध्ययन करना

अध्ययन निष्कर्ष

वर्तमान अध्ययन उडीशा राज्य के 4 जिलों (धनकनाल, कटक, खुर्दा और गंजम) में संचालित किया गया था। अध्ययन संचालित करने के लिए चयनित उप-केंद्रों की कुल संख्या 50 (गंजम जिले में 14 उप-केन्द्र तथा शेष 3 जिलों में प्रत्येक में 12 उप-केन्द्र) को चुना गया था। कुल 50 उप-केन्द्रों में से केवल 21 (42%) उप-केन्द्र सरकारी भवन में स्थित थे; लगभग 59% उप-केन्द्र स्कूलों तथा आंगनवाड़ी केन्द्रों में कार्यरत पाए गए थे। पाइप लाइन द्वारा जलापूर्ति केवल 38% उप-केन्द्रों में उपलब्ध थी। 14% उप-केन्द्रों में बिजली की आपूर्ति उपलब्ध नहीं थी और 38% उप-केन्द्र में शौचालय की कोई सुविधा मौजूद नहीं थी।

अध्ययन हेतु चुने गए जिलों में कुल 38% उप-केन्द्रों में से 25 ऐसे उप-केन्द्रों का चयन किया गया जिसमें दो एएनएम की तैनाती थी तथा 25 ऐसे उप-केन्द्रों का चयन किया गया जिसमें एक एएनएम की तैनाती थी। दो एएनएम की तैनाती वाले उप-केन्द्रों में दूसरी एएनएम की नियुक्ति अनुबंध के आधार पर की गई थी । जहां तक पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ता का संबंध है, केवल 20 उप-केन्द्रों (40%) में, ही वह उपलब्ध पाए गए थे। कुल एएनएम कर्मचारियों में से 68 प्रतिशत को एसबीए प्रशिक्षण तथा 64 प्रतिशत ने आईएमएनसीआई प्रशिक्षण प्राप्त किया था। इसी प्रकार 59 प्रतिशत एएनएम ने आईयूसीडी तथा 72 प्रतिशत एएनएम ने प्रतिरक्षण प्रशिक्षण में भाग लिया था। उनकी मासिक आय 5,200/- रुपये प्रतिमाह की न्यूनतम राशि से लेकर नियमित पद पर वरिष्ठ स्तरीय एएनएम की 52,000/- रुपये की राशि थी। एंट्री लेवल अनुबंधित एएनएम के लिए सबसे अधिक रू. 52,000/- रुपये की राशि की मासिक आय के बीच भारी अंतर व भिन्नता देखी गई। जहां तक एएनएम कर्मचारियों के रहने के लिए उपलब्ध आवासीय क्वार्टरों का संबंध है, 50 उप-केन्द्रों में से केवल 15 उप-केन्द्रों में ही समुचित व्यवस्था मौजूद पाई गई तथा 01 एएनएम ही उनमें रहती पाई गई। सभी

चयनित उप-केन्द्रों में केवल 4 उप-केन्द्रों में ही प्रसूति कक्ष की व्यवस्था उपलब्ध पाई गई। यह सूचित किया गया कि उप-केन्द्रों में कोई प्रसव नहीं कराया गया है। एक एएनएम की तैनाती वाले उप-केन्द्रों द्वारा औसतन 6781 जनसंख्या को कवर किया गया था। इसी प्रकार से दो एएनएम की तैनाती वाले उप-केन्द्रों के मामले में औसतन 8064 लोगों को कवर किया गया था। प्रत्येक उप-केन्द्र द्वारा औसत रूप से लगभग 8 गांवों/ 8000 की आबादी को कवर किया गया था।

एएनएम द्वारा संचालित की गई गतिविधियों के बारे में, यह सूचित किया गया कि एएनएम कर्मचारियों द्वारा गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व परिचर्या सेवाएं प्रदान की जाती हैं तथा उन्हें समीप के सरकारी स्वास्थ्य सुविधा केन्द्र में प्रसव कराने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अधिक जोखिम वाले मामलों में एएनएम द्वारा गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य सुविधा केन्द्र तक पहुंचाया जाता है। यह पाया गया कि एएनएम ज्यादातर मातृ और शिशु स्वास्थ्य, प्रतिरक्षण सेवाएं उपलब्ध कराने तथा परिवार नियोजन सेवाएं देने और गैर संचारी रोगों के उपचार मामलों में अधिकांश रूप से जुटी रहती हैं। वह ग्रामीण स्वास्थ्य पोषण दिवस संबंधी कार्यों में सक्रियता से कार्यरत रहती हैं।

जब दो उप-केंद्र में कार्यरत एएनएम कर्मचारियों से उनके कार्य-दायित्वों तथा कार्य आबंटन, एएनएम से प्राप्त दायित्वों के बारे में पूछा गया, तो यह पता चला कि उन्हें द्वितीय एएनएम की भूमिका तथा दायित्वों के बारे में स्पष्ट दिशा निर्देश प्राप्त नही हैं। अधिकांश उप-केंद्रों में एएनएम तथा द्वितीय एएनएम द्वारा मुख्य रूप से मुक्त निधि के रखरखाव कार्य के अतिरिक्त कार्य सहित सभी प्रकार के रजिस्टरों के रखरखाव कार्य सहित सभी प्रकार की गतिविधिओं से संबंद्ध पाई गई है। एएनएम के क्षेत्र की गतिविधियों के मामले में धनकनाल को छोड़कर, अन्य अध्ययन जिलों में, दोनों एएनएम एक साथ काम करती हैं। कार्य निष्पादन क्षमता संकेतकों से पता चला है कि चूंकि धनकनाल में जनसमुदाय को दोनों एएनएम कर्मचारियों के बीच विभाजित किया गया है, इसलिए वहां पर क्षेत्र में एएनएम की निष्पादन क्षमता बेहतर पाई गई है।

वर्तमान अध्ययन में, यह पाया गया कि एएनएम द्वारा औसतन 30 रजिस्टरों का रखरखाव किया गया। इन रजिस्टरों के रखरखाव के लिए लिया गया समय का प्रश्न है, वह दो एएनएम कर्मचारियों के बीच अनुभव, दक्षता, कार्य भार और कवर की जाने वाली जनसंख्या आदि पक्षों के अनुसार इसमें भिन्नता पाई गई है। इसलिए एक निश्चित कार्य को करने के लिए लिया गया औसत समय केवल सांकेतिक ही प्रतीत होता है। एक एएनएम की उपलब्धता वाले उप-केन्द्र की एएनएम द्वारा इन रजिस्टरों का रखरखाव करने में औसतन समय प्रति सप्ताह 638 मिनट का समय व्यतीत किया गया था। जबकि दो एएनएम की उपलब्धता वाले उप-केन्द्र की एएनएम कर्मचारियों ने इसी प्रकार के कार्य के लिए प्रति सप्ताह 493 मिनट का समय बिताया था। एक एएनएम की तैनाती वाले उप-केंद्रों में विभिन्न रजिस्टरों के रखरखाव करने में समय व्यतीत किया गया औसत समय, विशेष रूप से कुछ रजिस्टरों के रखरखाव के लिए पाया गया। जबकि दो एएनएम वाले उप-केन्द्रों में एएनएम कर्मचारियों के बीच कार्य बांटे जाने पर उनके द्वारा इसी प्रकार के कार्य करने के लिए कम समय व्यतीत किया गया है।

चूंकि, एएनएम समुदाय तथा स्वास्थ्य सेवाओं के बीच में एक प्रमुख एवं महत्वपूर्ण कड़ी होती है, तथा विभिन्न सामुदायिक गतिविधियों में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है, इसलिए ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित किए जाने वाले स्वास्थ्य कार्यक्रमों के परिणामों पर इनका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। एक एएनएम वाले उप-केन्द्र की एएनएम द्वारा सामुदायिक गतिविधियां संचालित करने लिए प्रति सप्ताह 548 मिनट का समय व्यतीत किया जाता था, जबकि दो एएनएम उप-केन्द्र की एएनएम द्वारा इन्हीं गतिविधियों को संचालित करने के लिए प्रति सप्ताह 516 मिनट का समय व्यतीत किया गया। दो एएनएम वाले उप-केन्द्र में एएनएम कर्मचारियों ने ग्रामीण स्वास्थ्य पोषण दिवस आयोजित करने के लिए एक एएनएम वाले उप-केन्द्र की एएनएम (220 मिनट) की तुलना में कम समय (160 मिनट) लिया।

विभिन्न क्लिनिकल गतिविधियों को संचालित करने के लिए, एक एएनएम उप-केन्द्र में एएनएम कर्मचारियों द्वारा प्रति सप्ताह औसतन 143 मिनट का समय व्यतीत किया जाता है, जबकि दो एएनएम वाले उप-केन्द्र में एएनएम द्वारा इसी प्रकार की गतिविधियों को संचालित करने के लिए औसतन 177 मिनट का समय प्रति सप्ताह व्यतीत किया गया था। एक एएनएम वाले उपकेन्द्र तथा दो एएनएम वाले उप-केन्द्र में गतिविधियों को संचालित करने के लिए व्यतीत किया गया समय कमोवेश समान ही पाया गया था।

एक एएनएम तथा दो एएनएम की तैनाती वाले उप-केन्द्र में कार्यरत एएनएम की पिछली छः माह (अप्रैल-अक्टूबर, 2018) के दौरान कार्य निष्पादन क्षमता पर दौरा किए गए उप-केंद्रों के साथ-साथ एचएमआईएस की रिपोर्ट से द्वितीय आंकड़े एकत्रित किए गए थे। इन आंकड़ों का एक एएनएम तथा दो एएनएम वाले उपकेन्द्रों के लिए अलग से प्रजनन शिशु स्वास्थ्य क्षेत्र हेतु विश्लेषण किया गया था। इस संबंध में प्राप्त निष्कर्षों से पता चला कि एक एएनएम वाले उप-केंद्र में पात्र दंपतियों को उपलब्ध की गई आईयूसीडी सेवाओं की कुल संख्या प्रति 1000 जनसंख्या पर 2 थी, जहां दो एएनएम उप केंद्र के मामले में यह प्रति 1000 जनसंख्या पर केवल एक थी। गर्भवती महिलाओं की संख्या टीएन की पहली खुराक एक एएनएम उप-केंद्र में 8 प्रति व्यक्ति जनसंख्या थी और दो एएनएम वाले उप-केंद्र में यह संख्या 9 प्रति 1000 आबादी में पाई गई थी। उपरोक्त निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि उपकेन्द्र में दो एएनएम तैनात होने के बावजूद, वहां की कार्य निषपादन क्षमता में कोई परिवर्तन नहीं नहीं आया था।

एएनएम पर्यवेक्षकों से एएनएम कर्मचारियों की कार्य निष्पदान क्षमता के बारे में उनकी अवधारणा के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने यह बताया कि एक एएनएम वाले उप केन्द्र में एएनएम कर्मचारी अधिक कार्यभार होने के कारण रोगियों/जनसमुदाय को पर्याप्त समय नहीं दे पाती हैं, जिससे समग्र रूप से सेवाओं की गुणवत्ता प्रभावित होती है। उपकेन्द्र में कार्य निष्पादन क्षमता को बेहतर बनाने के बारे में उन्होंने यह विचार व्यक्त किया कि सभी उपकेन्द्रों में स्वास्थ्य कार्यकर्ता (पुरूष) के पद भरे जाने चाहिए तथा 5000 से अधिक की जनसंख्या वाली कवरेज के सभी उप केन्द्रों में दूसरी एएनएम की नियुक्ति की जानी चाहिए। सभी उत्तरदाताओं ने यह विचार व्यक्त किया कि एएनएम द्वारा उपलब्ध

कराई जाने वाली सेवाओं के लिए उन्हें प्रोत्साहन राशि तथा पुरस्कार देकर अलग पहचान दी जानी चाहिए। अधिकांश उत्तरदाताओं ने यह भी कहा कि दो एएनएम के बीच कार्य को क्षेत्र/प्रदेश के आधार पर विभाजित किया जाना चाहिए।

समुदाय में एएनएम की कार्य निष्पादन क्षमता पर लाभानुभोगियों के साथ अंतिम सामूहिक चर्चा के दौरान, उनका विचार था कि एएनएम द्वारा जरूरत और अनुवर्ती उपचार कराने वाले लोगों की सेवाएं प्रदान करने के लिए गांवों तथा घरों का दौरा किया जाता है और वे जरूरतमंद लोगों के लिए घर का दौरा करती हैं। चूंकि अनेक ब्लाकों में कोई उप-केन्द्र भवन नहीं है, इसलिए एएनएम द्वारा आंगनवाड़ी केंद्र में ही गर्भवती महिलाओं के लिए प्रसवपूर्व परिचर्या सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। लाभार्थियों द्वारा प्रसवोत्तर परिचर्या सेवाओं के लिए एएनएम जब उनके घर जाती है, तब उनसे परामर्श ले लिया जाता है।

अध्ययन के निष्कर्षों के विश्लेषण से ज्ञात हुआ है कि एक तथा दो एएनएम की तैनाती वाले उप-केंद्रों में एएनएम द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं की मात्रा तथा गुणवत्ता दोनों में कोई परिवर्तन दिखाई नहीं दिया है। एक तथा दो एएनएम के बीच वेतन में असमानताए भी द्वितीय एएनएम के लिए हतोत्साहन के एक घटक के रूप में पाई गई थी। किन्तु यह नोट किया गया कि अध्ययन जिलों में उप-केंद्र द्वारा कवर किए गए गांवों की औसतन संख्या आठ है तथा इनके द्वारा लगभग 8000 की आबादी को कवर किया गया है। इसलिए प्रत्येक उप-केंद्र तथा व्यवस्था में एक और एएनएम को अनिवार्य रूप से तैनात किया जाना अपेक्षित है तथा दूसरी एएनएम के बाहर क्षेत्र मे दौरे पर जाने की स्थित में एक एएनएम उप केन्द्र में उपस्थित रहनी चाहिए ताकि समुदाय को पूरे समय सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

संस्तुतियां

- एएनएम के कार्य विवरण तथा कार्य भार के बारे में स्पष्टता होनी चाहिए।
- सभी एएनएम कर्मचारियों को आपातकालीन प्रसूति केसों को संभालने के लिए पर्याप्त ज्ञान और कौशल से दक्ष होना चाहिए। सुचारू रूप से कार्य करने की क्षमताओं में वृद्धि करने के लिए आवधिक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम संचालित किए जाने चाहिए।
- एसबीए और आईएमएनसीआई तकनीक में प्रशिक्षित एएनएम कर्मचारियों को वरीयतः प्रसूति प्वाइंटों पर तैनात किया जाना चाहिए, जिससे उन्हें अर्जित किए गए कौशल का उपयोग करने में सक्षम बनाया जा सके।
- उप-केंद्र की सेवाएं को वरीयता आधार पर हर समय उपलब्ध कराया जाना चाहिए। यदि ऐसा संभव न हो तो, गांव के उपकेन्द्र में कम से कम एक एएनएम को शेष आधे दिन तो उपस्थित रहना चाहिए, ताकि वह आपात स्थिति में समय बर्बाद किए बिना पहुंच सके।
- एएनएम की व्यवस्था संबंधी मामले में व्यवस्था इस तरह से की जाए जिससे एक एएनएम के क्षेत्र में रहने की स्थिति में दो एएनएम में से एक एएनएम उपकेन्द्र में उपलब्ध रहनी चाहिए।

2. प्रतिरक्षण संबंधी कवरेज मूल्यांकन सर्वेक्षण (2018) तृतीय पक्षीय स्वतंत्र अनुवीक्षण अध्ययन

(प्रोफेसर जयंत दास, प्रोफेसर पुष्पांजलि स्वैन, डॉ. नन्थिनी सुब्बैया और डॉ. रेणु सहरावत)

उद्देश्य:

कवरेज मूल्यांकन सर्वेक्षण का प्रबोधन करना

अनुवीक्षित मापदंड

1. मानचित्रण तथा सूचीकरण और मुख्य सर्वेक्षण के साथ स्तरीय प्रशिक्षण की गुणवत्ता।
2. भर्ती हुए पर्यवेक्षकों/अवेषणकर्ताओं की गुणवत्ता।
3. वर्णित सर्वेक्षण प्रोटोकाल (जैसे नीतिपरक मुद्दों, गोपनीयता का अनुपालन विभाजन संबंधी सर्वेक्षण मद्दों, सैंपल/एचएच/पीएसयू की कबरेज संबंधी सटीकता, घर/परिवारों की सूचीकरण प्रक्रिया, साक्षात्कार की पूर्णता, प्रश्नावली भरने के समय पक्ष प्रचार, प्रतिक्रियाओं में आंकड़ों का सामंजस्य आदि।

प्रोटोकाल अनुवीक्षण संबंधी कार्यविधि

यूनीसेफ के साथ सामंजस्य बनाते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान द्वारा देश के सभी राज्यों तथा संघ शासित प्रदेशों को कवर कर सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के पांच प्रतिशत का अनुवीक्षण किए जाने का प्रस्ताव किया गया।

इस प्रकार सीईएस के अंतर्गत कुल 3929 सार्वजनिक क्षेत्र कवर किए गए, मानचित्रण तथा सूचीकरण के साथ-साथ मुख्य सर्वेक्षण प्रचालनों के लिए अलग से 197 पीएसयू को कवर किया जाना था। प्रशिक्षण मानचित्रण एवं सूचीकरण तथा मुख्य सर्वेक्षण के अनुवीक्षण प्रबोधन कार्य के लिए जनसंख्या अनुसंधान केन्द्रों मेडिकल कालेजों तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान से अपेक्षित विशेषज्ञ वाले 43 मानीटरों की पहचान की गई तथा उन्हें 6-7 अगस्त, 2018 की अवधि में इस संस्थान में प्रशिक्षित किया गया। इन मानीटरों द्वारा प्रशिक्षणों, मानचित्रण एवं सूचीकरण तथा मुख्य सर्वेक्षणों, क्षेत्र प्रचालनों आदि का अनुवीक्षण करने के लिए विभिन्न राज्यों का दौरा किया गया। इसके अंतर्गत कुल 17 राज्य स्तरीय मानचित्रण एवं सूचीकरण क्षेत्र प्रचालन का अनुवीक्षण 32 राज्यों में 132 सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को कवर करके किया गया। इसी प्रकार, मुख्य सर्वेक्षण क्षेत्र प्रचालनों का अनुवीक्षण 30 राज्यों में 142 सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को कवर करके किया गया।

प्रबोधन रिपोर्ट

प्रभावी एवं समर्थनकारी अनुवीक्षण स्थापित करने तथा तत्काल हानि को नियंत्रित करने के लिए, जब भी मानीटरों ने फोन काल/संदेशों तथा ई-मेल के माध्यम से संस्थान द्वारा यूनीसेफ तथा कांप्ट (क्षेत्र एजेंसी) को रेड अलर्ट भेजा गया।

संबंधित प्राधिकारियों को इस बारे में निवारक उपाय करने के लिए वैसे ही संचार साधनों द्वारा तत्काल ही सूचित किया गया। विभिन्न राज्यों से मानचित्रण एवं सूचीकरण, क्षेत्र प्रचालनों के साथ-साथ मुख्य सर्वेक्षण क्षेत्र प्रचालनों के बारे में लगभग 11 रेड अलर्ट संदेश भेजे गए।

विभिन्न मानीटरों से प्राप्त हुई अनुवीक्षण दौरों की रिपोर्टों को संकलित कर लिया गया है तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, सी.ई.एस स्टाफ द्वारा इनका विश्लेषण कर लिया गया है और तैयार रिपोर्टों को साप्ताहिक आधार पर यूनीसेफ तथा क्षेत्र एजेंसी को भेजा गया था। इस प्रकार साप्ताहिक रिपोर्टें प्रस्तुत की गई हैं।

यूनीसेफ द्वारा परियोजना के सभी पणधारकों के साथ प्रत्येक सप्ताह संक्षिप्त जानकारी बैठकें आयोजित की गई। इन बैठकों में रास्वापक. संस्थान के सीईएस प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण पर मानीटरों के प्रेक्षण

अनेक राज्यों में संचालित किए गए समग्र प्रशिक्षण कार्यक्रम को प्रशिक्षण, प्रशिक्षणार्थी, स्रोत व्यक्ति, आयोजन स्थल संबंधी पक्षों से अच्छी गुणवत्तापूर्ण दर से आंका गया है तथा संभारतंत्र को पर्याप्त रूप से सूचित किया गया। प्रशिक्षकों को सुझावों के बारे में प्रतिक्रियाशील बनाया गया। नागालैंड, मुदुरई, भुवनेश्वर, इंदौर, जयपुर, गुवाहटी, लखनऊ आदि से प्राप्त मुख्य सर्वेक्षण प्रशिक्षण रिपोर्टें बहुत ही उत्साहवर्धक थीं। इस प्रकार, संचालित किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रमों को त्रुटिरहित तथा सफल कार्यक्रम के रूप में देखा गया था।

मानचित्रण एवं सूचीकरण क्षेत्र प्रचालन में अनुवीक्षण द्वारा प्रेक्षण

रेड अलर्ट किए गए राज्यों के अलावा लगभग सभी राज्यों ने मानचित्रण एवं सूचीकरण क्षेत्र प्रचालनों के बारे में रिपोर्टों को संतोषजनक बताया गया। अनुवीक्षण दौरों की अवधि में क्षेत्र समन्यवकर्ताओं को क्षेत्र प्रेक्षणों के बारे में सूचित किया गया तथा मानीटरों द्वारा छोटी-मोटी त्रुटियों को सुधार लिया गया। क्षेत्र टीम मानीटर द्वारा दिए गए सुझावों के प्रति बहुत सचेत व ग्रहणशील थे तथा उन्होंने सुधार करने के लिए निवारक उपाय किए। मानचित्रण तथा सूचीकरण क्षेत्र कार्य सुचार रूप से संचालित हुए तथा मानीटरों का यह विचार था कि क्षेत्र एजेंसी को मानचित्रण तथा सूचीकरण, पीएसयू क्षेत्र प्रचालन के बारे में अच्छी जानकारी थी।

मानीटरों द्वारा मुख्य क्षेत्र प्रचालन सर्वेक्षण संबंधी प्रेक्षण

मानीटरों द्वारा दौरा किए गए लगभग सभी राज्यों में, अंवेषणकर्ताओं द्वारा किए गए क्षेत्र कार्य की समग्र गुणवत्ता को क्षेत्र एजेंसी द्वारा 'उत्तम' कोटि की दर से आंका गया था, क्योंकि साक्षात्कार लेने के दौरान उनका अनुभव तथा बुद्धि कौशल अच्छा था तथा उन्होंने इन्हें प्रोटोकाल के सेटों के अनुसार संचालित किया था और इसके साथ-साथ उनके पर्यवेक्षक भी पूर्ण प्रशिक्षित तथा अनुभवी थे। उत्तर पूर्वी राज्यों में समग्र क्षेत्र कार्य की गुणवत्ता अच्छी होने के बारे में सूचित किया गया।

3. राष्ट्रीय प्रभावी वैक्सीन प्रबंधन आकलन

(प्रोफेसर संजय गुप्ता एवं एनसीसीवीएमआरसी के स्टाफ सदस्य)

उद्देश्य:

- प्रस्तुत प्रभावी वैक्सीन प्रबंधन आकलन में ईवीएम की प्रमुख क्षमताओं, कर्मियों तथा अवरोधों का पता लगाने के लिए ईवीएम आकलन सामग्री का प्रयोग करके प्रतिरक्षण आपूर्ति श्रृंखला की विद्यमान प्रस्तुतिकरण का मूल्यांकन करना है।
- इस अध्ययन से प्राप्त निष्कर्षों एवं संस्तुतियों को व्यापक कार्य-योजना में परिवर्तित करके वर्तमान एवं भावी चुनौतियों का सामना करने के लिए मध्यस्थताओं तथा गतिविधियों का पता लगाया जा सके
- व्यापक कार्य योजना को क्रियान्वित करना तथा वार्षिक आधार पर योजनाबद्ध गतिविधियों के समक्ष प्रगति की समीक्षा करने के लिए एक यंत्र विन्यास स्थापित करना और परिभाषित प्रक्रिया संकेतकों का प्रयोग करके तत्संबंधी कार्यान्वयन का प्रबोधन करना है।

गतिविधि–निष्कर्ष

प्रभावी वैक्सीन प्रबंधन (ईवीएम) आकलन के बारे में प्रमुख सिफारिशों तथा निष्कर्षों पर एक रिपोर्ट प्रारूप विकसित करके स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ साझा किया गया है। मास्टर प्रशिक्षकों का एक पूल विकसित किया गया है जो उप-राष्ट्रीय ईवीएम आकलनों में स्रोत व्यक्ति के रूप में कार्य करेंगे।

प्रमुख निष्कर्ष

- राष्ट्रीय ईवीएम आकलन 2018 अब तक संचालित किए गए विश्व के सबसे बड़े ईवीएम आकलनों में से एक अध्ययन है। पहला राष्ट्रीय ईवीएम आकलन 2013 में संचालित किया गया था और अनुवर्ती योजना के रूप में द्वितीय राष्ट्रीय ईवीएम की रूपरेखा तैयार की गई।
- कुल 9 वैश्विक ईवीएम मानदंडों में से, भारत हेतु ई-3 मानदंडों अर्थात भंडारण क्षमता के अंतर्गत 80% संस्तुतियां की गई थी। अनेक नए वैक्सीन अर्थात रोटा वायरस वैक्सीन (आरवीवी), न्यूमो कोकल कंजुगेट वैक्सीन (पीसीवी) आदि प्रारंभ होने के बावजूद भारत 80% ईवीएम का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए पर्याप्त भंडारण क्षमता का निर्माण करने में सक्षम हो सका है।
- इस संदर्भ में दूसरा उच्चतम स्कोर मापदंड ई-4 मानदंड अर्थात शीत श्रृंखला उपकरण निर्माण तथा परिवहन में 76% है। परिवहन में अभ्यास सुधार की गुंजाइश सहित तीनों क्षेत्र भवन, शीत श्रृंखला तथा उपकरण संतोषजनक पाये गए।

- ई-8 मानदंड अर्थात वैक्सीन प्रबंधन अभ्यास संबंधी स्कोर 75% है। भारत के अधिकांश राज्यों में, वैक्सीन एवं शीत श्रृंखला हैंडलर (वीसीसीएच) संबंधी संशोधित मॉड्यूल पर प्रशिक्षण पूरा कर लिया गया है, जिसका सभी स्तरों पर शीत श्रृंखला हैंडलर्स के ज्ञान तथा अभ्यासों पर अनुकूल प्रभाव पड़ा है।
- ई-2 मापदंड में अर्थात वैक्सीन भंडारण तापमान स्कोर 72% पाया गया है। ईवीआईएन (इलेक्ट्रॉनिक वैक्सीन एवं इंटेलिजेंट नेटवर्क) द्वारा वैक्सीन भंडारण तापमान में महत्वपूर्ण रूप से योगदान दिया गया है। ईवीआईएन की पूरे देश भर में बड़ी भूमिका है और यह आगे संकेतकों में और सुधार लाने में प्रमुख भूमिका निभा सकेगा।
- ई-5 मानदंड अर्थात् रखरखाव और मरम्मत स्कोर 64% है। इस मानदंड के अंतर्गत प्रमुख शक्ति उन उपकरणों के लिए पीपीएम चैकलिस्ट की उपलब्धता है, जो क्षेत्र में उपलब्ध पाई गई है। भवन तथा परिवहन के लिए पीपीएम को अधिकांश भंडारों में उपलब्ध नहीं पाया गया है।
- ई-6 मानदंड स्कोर अर्थात् स्टॉक प्रबंधन 65% पाया गया है। भारत सरकार द्वारा वैक्सीन एवं संभारतंत्र स्टॉक रजिस्टर, प्रेषण एवं प्राप्ति रजिस्टरों, तापमान लॉग पुस्तिका आदि के लिए मानकीकृत टेम्पलेट उपलब्ध कराए गए हैं जो वर्तमान में अधिकांश राज्यों में प्रयोग किए जा रहे हैं। वीसीसीएच एवं ईवीआईएन द्वारा भी अभ्यासों को सदृढ करने में महत्वपूर्ण रूप से योगदान दिया गया है। शेष अंतराल को पूरा करने के लिए बार-बार समर्थकारी पर्यवेक्षण/प्रेषण दौरे तथा ऑनलाइन उपकरण की उपयोगिता सुनिश्चित की जानी चाहिए।
- ई 7 का मानदंड स्कोर अर्थात् वितरण 62% पाया गया है। इस मानदंड के तहत संचारित वैक्सीन वितरण योजना एवं प्रशीतित वैक्सीन वैन मुख्य चुनौती के रूप में पाए गए हैं।
- वैक्सीन अराइवल प्रोसेस का स्कोर यानी मानदंड ई1 60% है। वैक्सीन आगमन रिपोर्ट की उपलब्धता क्षेत्र में अत्यंत बेहतरीन तरीके से उल्लिखित की गई थी लेकिन वी.ए.आर. प्रारूप की पूर्णता पर चुनौती दी गई थी।
- ई 9 अर्थात् निचले स्तर पर एमआईएस तथा सहयोगी कार्य का स्कोर 59% पाया गया है। इस शीर्ष में लक्ष्य के अनुसार भविष्य/पूर्वानुमानित कार्यों के लिए आवश्यक वैक्सीन तथा संभारतंत्र के लिए अभ्यास नही किये जा रहे थे। पिछले एक वर्ष की अवधि में सबसे बड़ी चुनौती थी कि वीसीएचसी के प्रशिक्षण आयोजित नहीं किए गए तथा लक्ष्य/स्रोत सेवाओं के लिए अनुबंध नहीं किए गए थे।

संस्तुतियां

- राष्ट्रीय ईवीएम आकलन 2018 से प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर, विस्तृत एवं व्यापक सुधार योजना तैयार की गई है तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ साझा किया गया है।

- प्राप्त संस्तुतियों को पांच विस्तृत वर्गों में अर्थात् "प्रबंधन एवं नीति, मानव संसाधन एवं क्षमता निर्माण, अवसंरचनात्मक ढांचा, नियोजन, प्रलेखन तथा एमआईएस, समर्थनकारी पर्यवेक्षण और अभ्यास में सुधार" में वर्गीकृत किया गया है।

एम.डी. थीसिस

तीन वर्षीय एम.एडी (सीएचए) पाठ्यक्रम के अंतर्गत छात्रों द्वारा निम्नलिखित 5 शोध अध्ययन संचालित किए गए हैं:

1. दिल्ली के एक जिले में सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में प्रभावी वैक्सीन प्रबंधन संबंधी आकलन।

(डॉ. गौरव कुमार और प्रोफेसर संजय गुप्ता)

सामान्य उद्देश्य

दिल्ली के एक जिले में चयनित सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में एक प्रभावी वैक्सीन प्रबंधन आकलन संचालित करना।

विशिष्ट उद्देश्य

1. दिल्ली के एक जिले में चयनित सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में वैक्सीन एवं शीत श्रृंखला प्रबंधन के लिए अवसंरचनात्मक ढांचे की विद्यमान स्थिति का पता लगाना।
2. इन सुविधाओं में वैक्सीन एवं शीत श्रृंखला प्रबंधन पर मानव स्वास्थ्य संसाधनों का ज्ञान व जानकारी सुनिश्चित करना।
3. वैक्सीन तथा शीत श्रृंखला के प्रबंधन में उनकी कार्य निष्पादन क्षमता का आकलन करना।
4. इन सुविधा केन्द्रों में वैक्सीन तथा शीत श्रृंखला के प्रभावी प्रबंधन में अवसंरचनात्मक ढांचे, ज्ञान तथा कार्य निष्पादन क्षमता के अंतर (यदि कोई हों) को सुनिश्चित करना ।

प्रमुख निष्कर्ष

- 56 शीत श्रृंखला विद्युत उपकरणों (सीसीई) में से 27 विश्व स्वास्थ्य संगठन के स्तर के अनुरूप नहीं पाए गए थे। 5 उपकरण ठीक से कार्य नहीं कर रहे थे, 3 सीएफसी उपकरण तथा 6 उपकरणों में स्टेबलाइजर नहीं लगा था।
- 121 गैर-विद्युत सीसीई में से 17 विश्व स्वास्थ्य संगठन के स्तर के अनुरूप नहीं थे।

- 29 स्वास्थ्य सुविधाओं में से, 19 स्वास्थ्य सुविधाओं में बेकार कंटेनरों को रखने, 7 स्वास्थ्य सुविधाओं में आइस पैक तैयार करने तथा वैक्सीन का भंडारण करने की अपर्याप्त सुविधा थी। डीवीएस में सभी के लिए पर्याप्त सुविधा मौजूद नहीं थी।
- 30 दिन हेतु जिले में लगातार तापमान रिकॉर्ड करने के लिए कोई रेफ्रिजरेटर उपकरण उपलब्ध नहीं था।
- 43 कार्यशील वैक्सीन भंडारण विद्युत सीसीई में से, 2 उपकरणों में तापमान निगरानी उपकरण नहीं था।
- वैक्सीन लाने-ले-जाने के लिए कोई फ्रीज संकेतक तथा रेफ्रिजरेटिड/इंसुलेटिड वैन उपलब्ध नहीं थी।
- 17 स्वास्थ्य सुविधाओं में पावर बैकअप उपलब्ध था, 3 स्वास्थ्य सुविधाओं में एयर कंडीशनिंग और 5 स्वास्थ्य सुविधाओं में अग्नि शमन सुविधाएं उपलब्ध थीं।
- सभी आकलित स्थलों में हब कटर्स, पारदर्शी पंचर प्रूफ बॉक्स तथा कूड़ेदान की सुविधा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध थी।
- शेक परीक्षण तथा इसके संकेतों (59.3%) वैक्सीन अपशिष्ट पदार्थों के प्रकार (10.2%); वैक्सीन अपशिष्ट पदार्थ दर का आकलन (0%); तथा अधिकतम स्टॉक संबंधी अवधारणा, सुरक्षित स्टॉक और रिकार्डर स्तर (15.3%) के बारे में अपर्याप्त ज्ञान पाया गया था।
- दिन में दो बार रिकॉर्डिंग पूरी नहीं की गई।
- आपातकालीन घटना के बारे में तैयारी के लिए जिला वैक्सीन भंडार तथा 28 स्वास्थ्य सुविधाओं में मानक प्रचालन प्रक्रियाएं उपलब्ध नहीं पाई गई थी।
- किसी भी आकलित स्थल पर संस्तुतित स्टॉक स्तर उपलब्ध नहीं पाए गए।
- 28 में से 17 स्वास्थ्य सुविधाओं में वैक्सीनों का ठीक प्रकार से भंडारण करने की कोई सुविधा मौजूद नहीं थी।
- 29 में से वैक्सीन प्रबंधन के लिए 6 स्वास्थ्य सुविधाएं वीवीएम स्थिति को प्रयोग में नहीं लिया जा रहा था।
- सभी स्थलों पर जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन, घुलनशील पदार्थ प्रबंधन (पुनःनिर्मित वैक्सीन का भंडारण एवं पृथक करना) उचित पाया गया था।
- सभी आकलित स्थलों पर वैक्सीन अपशिष्ट पदार्थों संबंधी रिकॉर्ड तथा गणना समुचित रूप से नहीं रखे गए।
- किसी भी आकलित स्थल पर भावी प्रयोग के लिए सुरक्षित इंजेक्शन उपकरणों के बारे में कोई मानक विधि मौजूद नहीं पाई गई।
- किसी भी स्वास्थ्य सुविधा पर भविष्य के लिए सुरक्षित इंजेक्शन उपकरण के लिए कोई मानक विधि नही अपनाई गई।

संस्तुतियां

- सभी सीसीई की संस्थापन, खराब उपकरणों की मरम्मत तथा सभी सीएफसी उपकरणों को नियत करना सुनिश्चित किया गया है।
- वीसीसीएच तथा समर्थनकारी पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए।
- रविवार तथा अवकाश के दिनों में भी तापमान का प्रबोधन किया जाए।
- वैक्सीनों के अपशिष्ट पदार्थों की मानक रिपोर्टिंग प्रपत्र में प्रलेखवद्ध की जाए।
- वैक्सीनों, घुलनशील द्रव्यों तथा उपभोज्य स्टाक रिकार्डों का मानक रखरखाव किया जाए।
- सीसीई की नियमित रूप से डिफ्रॉस्टिंग तथा रखरखाव किया जाए।
- संबंधित प्रशासनिक प्राधिकारी द्वारा महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे सतत् तापमान रिकॉर्डर, मानक सीसीई, इंसुलेटिड वैन तथा फ्रीज संकेतकों की खरीद की जाए।
- तीन वर्षों में एक बार भवन का नियोजित निवारक रखरखाव (पीपीएम) सुनिश्चित किया जाए।
- सूखे वस्तुओं के भंडारण के लिए लोहे के रैक प्रयोग में लाए जाएं।
- दूरसंचार तथा वातानुकूलित सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।
- आइस पैकों के रखरखाव तथा कंडीशनिंग के लिए अलग क्षेत्र निश्चित किया जाए।
- अग्नि सुरक्षा के उपायों को सुनिश्चित किया जाए।

2. दिल्ली में एक तृतीयक परिचर्या सेवा अस्पताल में, स्वास्थ्य परिचर्या व्यावसायिकों में इंजेक्शन सुरक्षा संबंधी ज्ञान एवं अभ्यासों पर एक अध्ययन।

(डॉ. रजनीश मोहन सीवान, प्रोफेसर जयंत दास तथा प्रोफेसर संजय गुप्ता)

सामान्य उद्देश्य

दिल्ली के एक तृतीयक श्रेणी के परिचर्या अस्पताल में स्वास्थ्य परिचर्या सेवा व्यावसायिकों के बीच इंजेक्शन सुरक्षा के ज्ञान और प्रथाओं का पता लगाने के लिए।

विशिष्ट उद्देश्य

- स्वास्थ्य परिचर्या सेवा व्यावसायिकों में इंजेक्शन सुरक्षा संबंधी ज्ञान का आकलन करना।
- स्वास्थ्य परिचर्या सेवा व्यावसायिकों के बीच इंजेक्शन सुरक्षा संबंधी अभ्यासों का प्रेषण करना।
- इंजेक्शन सुरक्षा को प्रभावित करने वाले घटकों का पता लगाना

प्रमुख निष्कर्ष

- विश्व स्वास्थ्य संगठन की परिभाषा के अनुसार सुरक्षित इंजेक्शन की परिभाषा संबंधी ज्ञान 16.8% अध्ययन-प्रतिभागियों को ही था।
- 52.8% अध्ययन-प्रतिभागियों को सार्वजनिक सावधानियों के बारे में ज्ञान प्राप्त था।
- 99.6% अध्ययन-प्रतिभागियों को असुरक्षित तरीके से इंजेक्शन लगाने से एचआईवी तथा एचबीवी रोग होने के बारे में जानकारी प्राप्त थी।
- अध्ययनगत प्रतिभागियों के अनुसार उनके कार्य स्थल पर इंजेक्शन सुरक्षा संबंधी दिशानिर्देश केवल 67.6% अध्ययन-प्रतिभागियों को ही उपलब्ध थे।
- अध्ययन-प्रतिभागियों के अनुसार जैव चिकित्सा अपशिष्ट निपटान संबंधी दिशानिर्देश उनके कार्य स्थल पर 96.8% अध्ययन-प्रतिभागियों को प्राप्त थे।
- अध्ययन-प्रतिभागियों के अनुसार, 6.8% व्यावसायिक इंजेक्शन लगाने से पहले रूई/अल्कोहल से सुई को साफ करते थे।
- अध्ययन प्रतिभागियों के अनुसार, 14.4% अंतःपेशीय इंजेक्शन लगाने के बाद इंजेक्शन लगे स्थान को रूई से रगडते थे।
- अध्ययन प्रतिभागियों के अनुसार, 4% डाक्टर इंजेक्शन लगाने के बाद सुई पर दुबारा कैप लगाते थे।
- स्वास्थ्य परिचर्या सेवा व्यावसायिकों के अभ्यासों का प्रेक्षण करने पर यह पाया गया कि 65% द्वारा एक स्वच्छ मेज या ट्रे पर कुल प्रेक्षण तैयार किया जाता था; हाथों की स्वच्छता संबंधी अभ्यास 67.1% व्यावसायिकों में देखा गया; अंतःपेशीय इंजेक्शन लगाने के बाद इंजेक्शन लगाए गए स्थान को रूई से रगड़ने का अभ्यास 12.5% व्यावसायिकों में ही देखा गया तथा कार्य स्थल पर ही जैव चिकित्सा अपशिष्ट पदार्थों का निपटान/पृथक्करण करने का अभ्यास 77.7% व्यावसायिकों में देखा गया था।
- इस अध्ययन में घटक, सुरक्षित इंजेक्शन अभ्यासों के साथ इंजेक्शन सुरक्षा के बारे में ज्ञान; इंजेक्शन सुरक्षा पर दिशानिर्देशों की उपलब्धता और इंजेक्शन सुरक्षा पर प्रशिक्षण से महत्वपूर्ण रूप से जुड़े पाए गए थे।

संस्तुतियां

निम्नलिखित घटकों के बारे में अलग से एसओपी विकसित किए जाने की आवश्यकता है:

i. इंजेक्शन सुरक्षा,
ii. इंजेक्शन का विवेकपूर्ण उपयोग,
iii. रोगरोधक (प्रोफिलैक्सिस), दिखने के पश्चात
iv. प्रतिकूल घटनाओं की रिपोर्टिंगः लगभग छूटी घटनाओं तथा एक खुले वातावरण में इस प्रकार की घटनाएं सृजित करने के बारे में रिपोर्ट करना।

- सुरक्षित इंजेक्शन के अभ्यासों पर प्रशिक्षण (अभिपुरण एवं कार्य स्थल पर) देकर अध्ययनगत प्रतिभागियों की अवधारणा को स्पष्ट करना।
- सुरक्षित इंजेक्शन लगाने पर सूचना, शिक्षा एवं संचार सामग्री को प्रमुख (सामुदायिक प्रतिभागिता) स्थानों पर प्रदर्शित किया जाना।
- 1400 बिस्तरों की क्षमता वाले अस्पताल में 4 संक्रमण नियंत्रण नर्सिंग अधिकारी (आईसीएन), 3 रिक्त पद भरे जाने हेतु (वार्ड के औचक दौरे तथा समर्थक पर्यवेक्षक) पाए गए थे।

3. दिल्ली में पोस्ट ग्रेजुएट चिकित्सा आवासियों में मनो–सामाजिक तनाव तथा उत्तेजना संबंधी अध्ययन।

(डॉ. कुमार धर्मेंद्र सिंह एवं प्रोफेसर रजनी बग्गा)

सामान्य उद्देश्य

दिल्ली में पोस्ट ग्रेजुएट चिकित्सा आवासियों में मनोसामाजिक तनाव तथा उत्तेजना संबंधी अध्ययन करना।

विशिष्ट उद्देश्य

- दिल्ली में पोस्ट ग्रेजुएट चिकित्सा आवासियों में मनो-सामाजिक तनाव की व्यापकता का पता लगाना।
- पोस्ट-ग्रेजुएट चिकित्सा आवासियों में मौजूद उत्तेजना स्तर निर्धारित करना।
- पोस्ट-ग्रेजुएट चिकित्सा आवासियों में तनाव तथा उत्तेजना से संबंधित घटकों से जुड़े कार्य का पता लगाना।
- पोस्ट-ग्रेजुएट चिकित्सा आवासियों में मनो-सामाजिक तनाव तथा उत्तेजना को कम करने के उपायों के बारे में सुझाव देना।

प्रमुख निष्कर्ष

- कुल 200 आवासियों के सैंम्पल में महिलाओं से अधिक पुरुष आवासी शामिल थे। अधिकांश पोस्ट-ग्रेजुएट चिकित्सा आवासी अविवाहित थे तथा उनमें से अधिकांश लोग 25-30 वर्ष की आयु सीमा में थे।
- उनमें से अधिकांश आवासियों द्वारा न केवल अपने वार्ड/विभाग में वरिष्ठ डॉक्टरों/परामर्शदाताओं की कमी अनुभव की गई, अपितु उनके वार्ड/विभाग में कनिष्ठ कर्मचारियों जैसे नर्सों, परिचरों की कमी होने के कारण वह अत्यधिक कार्य का बोझ भी महसूस महसूस करते थे।
- मनो-सामाजिक तनाव का जीएचक्यू 12 टूलः यह सामाजिक दुष्क्रिमा' का प्रयोग करके मापा गया था, यद्यपि आवासियों में एक सकारात्मक स्वास्थ्य स्थिति प्रदर्शित हुई थी तथा मनोसामाजिक तनाव जैसा कोई लक्षण

नही दिखाई दिया, अपितु लगभग आधे से अधिक आवासियों ने अपने वर्तमान कार्य पर पूर्ण रूप से ध्यान केन्द्रित न कर पाने से उत्पन्न अक्षमता के कारण उनमें उच्चतर शिथिलता की प्रवृत्ति मौजूद पाई ।

- उत्तेजना स्तर को मैस्लाच बर्नआउट इन्वेंटरी (एमबीआई) का प्रयोग करके मापा गया था। वर्तमान अध्ययन में स्पष्ट रूप से यह संकेत दिया गया है कि कुल 200 चिकित्सा आवासियों ने 'भावनात्मक क्षय' तथा 'अवसादन' आयामों के औसत से उच्च उत्तेजना स्कोर अंकित किया और 'पर्सनल एक्सीप्लिमेंट' की श्रेणी में कम स्कोर करके उच्च उत्तेजना स्तर की और संकेत किया।
- कापिंग प्रबंधन रणनीतियों को ब्रीफ काप इन्वेंटरी टूल का प्रयोग करके मापा गया था। इस अध्ययन के अंतर्गत यह पाया गया कि चिकित्सा आवासियों द्वारा सामाजिक शिथिलता कापिंग रणनीतियों के बजाय समस्या का समाधान करने वाली रणनीतियों का प्रयोग किया गया तथा इस प्रकार यह संकेत प्राप्त होता है कि अन्य प्रतिक्रियाओं की तुलना में कुछ सीमा तक कापिंग शैली की तुलना में सक्रिय समस्या समाधान दृष्टिकोण को ही वरीयता प्रदान की गई है।

संस्तुतियां

- नीति स्तर पर हस्तक्षेप, जिसमें स्वास्थ्य के लिए मानव संसाधन में वृद्धि करना, बजट में वृद्धि, विधि प्रकोष्ठ, सामान्य सहायता (हेल्पलाइन) की स्थापना करने में शामिल किया जाए।
- अस्पताल प्रशासन में हस्तक्षेप तथा डीन के स्तरों पर विद्यमान हस्तक्षेपों में आवासी छात्र समर्थित स्वास्थ्य केन्द्रों के लिए समुचित कर्मचारीवृंद, कार्य के घंटों हेतु दिशानिर्देश का अनुपालन, सुरक्षा और सुरक्षा के उपाय, दवाओं की पर्याप्त आपूर्ति तथा अन्य उपभोज्य सामग्रियों की आपूर्ति, आवासी छात्रों के लिए छात्र सहायता कल्याण केंद्र तथा स्वास्थ्य केन्द्र में पर्याप्त विश्राम-कक्ष की सुविधाओं को शामिल किया जाए।
- चिकित्सा आवासी (रेजिडेंट) के स्तर पर हस्तक्षेपों में वरिष्ठ आवासियों की प्रेरणा देने की भूमिका, भावनात्मक बुद्धिमता का निर्माण करने के लिए शुलभ कौशल (साफ्ट स्किल), मनो-विनोद कार्यक्रम, सर्वश्रेष्ठ अभ्यासों का आदान-प्रदान एवं सीखने की प्रवृत्ति को शामिल किया जाए।

4. दिल्ली में जिला स्वास्थ्य विभाग की आपदा स्थिति से निपटने संबंधी तैयारी पर एक अध्ययन।

(डॉ. संजय सिंह, प्रोफेसर उत्सुक दत्ता, प्रोफेसर अजय कुमार सूद)

सामान्य उद्देश्य

दिल्ली में जिला स्वास्थ्य विभाग की आपदा स्थिति से निपटने के लिए तैयारी का आकलन करना तथा इसके उपायों के बारे में सुझाव देना।

विशिष्ट उद्देश्य

(क) जिला स्वास्थ्य विभाग की आपदा तथा अभिजात में अस्पतालों में आपदा प्रबंधन के लिए

(ख) आपदाओं के प्रबंधन में जिला स्वास्थ्य विभाग तथा अभिचिन्हित अस्पतालों में की गई तैयारियों का पता लगाना।

प्रमुख निष्कर्ष

- दोनों जिलों में जिला स्वास्थ्य विभाग के स्तर पर आपदा प्रबंधन समूह नहीं बनाए गए थे। अस्पतालों में आपदा प्रबंधन समिति बनाई गई थी, किन्तु कुछ विभागों को इसमें शामिल नहीं किया गया था तथा एक अस्पताल में यह समिति सक्रिय नहीं थी।
- जिला स्वास्थ्य विभाग की 22.7% स्वास्थ्य सुविधाओं की भौतिक स्थिति अच्छी नहीं पाई गई थी तथा 13.6% स्वास्थ्य सुविधाओं में अग्निशामक यंत्र मौजूद नहीं था। दोनों अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा संबंधी उपाय अच्छे पाए गए थे, किन्तु दोनों अस्पतालों में रेट्रोफिटिड प्रणाली नहीं थी।
- कुछ मदें जैसे आपातकालीन लाइट, स्कूप स्ट्रेचर, बुनियादी जीवन रक्षक मास्क (पी) तथा स्ट्रैप सहित स्पाइन बोर्ड 50% से कम स्वास्थ्य सुविधाओं में उपलब्ध पाए गए। अधिकांश औषधियां तथा आपातकालीन स्थिति में प्रयोग किए जाने वाले इंजेक्टेबल्स 80% से अधिक स्वास्थ्य सुविधाओं में उपलब्ध पाए गए थे। एक अस्पताल के आपातकालीन औषधि विभाग में 87.5% उपकरण कार्य करने की स्थिति में थे तथा दूसरे अस्पताल में दुर्घटना तथा आपातकालीन विभाग में 68.2% उपकरण कार्य स्थिति में थे।
- एक 300 बिस्तर की क्षमता वाले अस्पताल में शल्य चिकित्सा सुविधा क्षमता 10% थी, किन्तु 1456 बिस्तरों की क्षमता वाले अस्पताल में यह प्रतिशतता 5.4% पाई गई थी। केवल एक अस्पताल में शल्य चिकित्सा की बेहतर क्षमता आकलित की गई थी।
- दोनों ही अस्पतालों में मानव संसाधन स्वीकृत पदों के अनुसार नहीं भरे गए थे।
- दोनों जिलों के जिला स्वास्थ्य विभाग ने अलग से कोई आपदा योजना नहीं बनाई थी। दोनों जिलों में आपदा प्रबंधन योजना उपलब्ध थी, किन्तु एक अस्पताल में इसका कोई अद्यतन नहीं किया गया था। एक अस्पताल में घटना नियंत्रण प्रणाली मौजूद नहीं थी।
- एक अस्पताल में अलग से गंभीर रोगियों को पहले वरीयता आधार पर चिकित्सा देने की प्रणाली उपलब्ध थी। दोनों ही अस्पतालों में आपदा चिकित्सा वार्ड पाए गए थे। दोनों अस्पतालों तथा दोनों जिला स्वास्थ्य विभागों में अन्य संगठनों के साथ नेटवर्किंग नहीं की गई थी।
- तीव्र प्रतिक्रिया टीम प्रभारियों, क्यू.आर.टी. के सदस्यों तथा जिला कार्यक्रम अधिकारियों की प्रशिक्षण स्थिति कम पाई गई थी, चूँकि बुनियादी जीवन रक्षक प्रणाली एवं गंभीर रोगियों को वरीयता पर चिकित्सा देने की प्रणाली में केवल 53.1% कार्मिक प्रशिक्षित थे, एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम में 38.8% लोग प्रशिक्षित थे,

रासायनिक जैवकीय विकिरण अणु एवं आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया में 8.2% कार्मिक प्रशिक्षित थे और मनो-सामाजिक परिचर्या सेवा में 4.1% कार्मिक प्रशिक्षित थे । दोनों अस्पतालों में वरिष्ठ आवासी (रेजीडेंट)/जे.आर./चिकित्सा अधिकारी तथा स्टाफ नर्स की प्रशिक्षण स्थिति बी.एल.एस. में 54.1%, ट्रीएज में 45.9%, ई.एम.आर. में 42.6%, सी.बी.आर.एन. में 14.8% तथा आई.डी.एस.पी. एवं मनो-सामाजिक परिचर्या में 11.5% पाई गई थी।

- किसी भी स्वास्थ्य सुविधा में दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का सहायता (हेल्पलाइन) नम्बर प्रदर्शित नहीं किया गया था। महिलाओं के लिए सहायता केन्द्र नंबर 13.5% अस्पतालों में, पुलिस तथा अग्नि नियंत्रण कक्ष नंबर 59.1% अस्पतालों में, कैट्स एम्बुलेंस सहायता नंबर 77.3% स्वास्थ्य सुविधाओं में प्रदर्शित किया गया था।
- अस्पतालों में किए गए मॉक ड्रिल अभ्यास के दौरान विभिन्न पणधारकों (स्टेकहोल्डरों) के बीच समन्वय की कमी होना भी एक बहुत बड़ी कमी थी।
- पीएमजीवी (PMGV) योजना केवल एक ही अस्पताल में ही उपलब्ध थी तथा अन्य अस्पताल में ऑक्सीजन की आपूर्ति केवल सिलिंडरों के माध्यम से ही की जाती थी। अलग ट्रांसफार्मर तथा बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था दोनों ही अस्पतालों में उपलब्ध थी।
- केवल एक ही जिले में टेट्रासेट मौजूद था, किन्तु यह कार्य स्थिति में नहीं था। दोनों अस्पतालों में टेट्रासेट पाया गया था, किन्तु एक अस्पताल में यह उपकरण कार्य स्थिति में नहीं था। केवल एक ही अस्पताल में पूरे अस्पताल के लिए पी.ए. प्रणाली उपलब्ध थी, किन्तु यह केवल दुर्घटना के मामलों के लिए मौजूद थी तथा दूसरे अस्पताल में अपातकालीन विभाग में उपलब्ध थी ।

संस्तुतियाँ

- दोनों अस्पतालों में यथानिर्धारित आपदा प्रबंधन समिति गठित की जानी चाहिए तथा इस समिति की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जानी चाहिए। जिला स्तर पर जिला स्वास्थ्य विभाग में आपदा प्रबंधन समूह बनाए जाने चाहिए। दोनों अस्पतालों तथा स्वास्थ्य सुविधाओं के पुराने ब्लॉकों, जहाँ स्थिति अच्छी नहीं है, वहाँ पर रेट्रोफिटिड फिटिंग कराई जानी चाहिए।
- एक अस्पताल में शल्य क्रिया की क्षमता तथा ज्वलन (बर्न केसों तथा सिर की चोट के रोगियों के उपचार की क्षमता बढ़ने का आकलन किया जाना चाहिए। स्वास्थ्य सुविधाओं में अभिज्ञात औषधियों तथा उपकरणों की उपलब्धता निश्चित की जाए। दोनों अस्पतालों में विशेष रूप से आपातकालीन विभाग में अभिज्ञात उपकरणों की कार्यशीलता सुनिश्चित किए जाने की आवश्यकता है।

- अस्पतालों तथा जिला स्वास्थ्य विभाग में रिक्त पदों को यथाशीघ्र भरने की आवश्यकता है। अस्पतालों तथा स्वास्थ्य सुविधाओं में प्रशिक्षण योजना बनाने की आवश्यकता है। दोनों जिलों के जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मार्गदर्शन में आपदा प्रबंधन योजना बनाई जानी अपेक्षित है।
- मॉक ड्रिल प्रदर्शन तथा इसके मूल्यांकन के बारे में एक मानक प्रचालन प्रक्रिया (एस.ओ.पी. बनाए जाने की भी आवश्यकता है। सभी प्राइवेट अस्पतालों को शामिल करके आई.डी.एस.पी. कार्यक्रम को सुदृढ़ किए जाने की भी आवश्यकता है। दिल्ली पुलिस तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के साथ टेट्रासेट की उपलब्धता तथा कार्यशीलता और इनका एकीकरण किए जाने की आवश्यकता है। जिला स्वास्थ्य विभाग के अस्पतालों तथा स्वाथ्य सुविधाओं में आपदा स्थितियों के दौरान महत्वपूर्ण आपातकालीन सहायता (हेल्पलाइन नंबर तथा विकट स्थिति में 'क्या करें', 'क्या न करें' संबंधी संदेशों को प्रदर्शित किए जाने की आवश्यकता है।
- दोनों अस्पतालों में घटना आदेश प्रणाली को कार्यशील बनाने की आवश्यकता है। अस्पतालों में कार्यरत सभी कर्मचारियों में अस्पताल आपदा प्रबंधन योजना के बारे में जागरूकता लाने तथा दोनों अस्पतालों में विभिन्न आपातकालीन व महत्वपूर्ण स्थलों पर अलग रंग और कोड़ रूप में इन्हें प्रदर्शित किए जाने की आवश्यकता है।

5. दिल्ली के नगरपालिका के सफाई कर्मचारियों में व्यावसायिक स्वास्थ्य जोखिमों के बारे में ज्ञान तथा निवारण संबंधी अभ्यासों पर आकलन अध्ययन ।

(डॉ. विजय शंकर पटेल, प्रोफेसर उत्सुक दत्ता एवं प्रोफेसर एस. विवेक अधीश)

सामान्य उद्देश्य

दिल्ली नगरपालिका में सफाई कर्मचारियों में उनके व्यावसायिक स्वास्थ्य जोखिमों तथा सुरक्षा उपायों के बारे में अपनाए गए अभ्यासों के संबंध में जागरूकता का पता लगाना ।

विशिष्ट उद्देश्य

1. सफाई कर्मचारियों में व्यावसायिक स्वास्थ्य जोखिमों से जुड़े उनके कार्य स्वरूप के बारे में उनके ज्ञान का आकलन करना ।
2. सफाई कर्मचारियों द्वारा उनकी ड्यूटी के दौरान व्यावसायिक स्वास्थ्य जोखिमों की रोकथाम करने के लिए अपनाए गए सुरक्षा उपायों का पता लगाना।
3. दिल्ली नगरपालिका द्वारा सफाई कर्मचारियों के व्यावसायिक स्वास्थ्य जोखिमों के बारे में चेतना सृजन संबंधी मौजूद यंत्र-विन्यास की समीक्षा करना।

4. सफाई कर्मचारियों द्वारा उनकी ड्यूटी के दौरान रोकथाम यंत्र विन्यास प्रयोग करने के लिए मौजूद मानक प्रचालन प्रक्रियाएं (एस.ओ.पी) सुनिश्चित करना ।
5. दिल्ली नगरपालिका में सफाई कर्मचारियों द्वारा अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों के बारे में सुझाव देना ।

प्रमुख निष्कर्ष

- 79.3% उत्तरदाताओं में गलियों में काम करते समय परिवहन यातायात आदि की संभावनाओं का पता लगाना ।
- 78.0% सफाई कर्मचारियों को फिसलन वाली जगह पर सफाई करते हुए दुर्घटना होने की संभावनाएं होने की जानकारी थी।
- 82.9% उत्तरदाताओं को सफाई संबंधी कामकाज करते हुए श्वसन रोग की समस्याओं/आंखों में एलर्जी होने की संभावनाओं के बारे में जानकारी थी।
- 87.2% उत्तरदाताओं को हाथ से कूड़ा उठाते समय त्वचा-एलर्जी/चोट लगने/संक्रमण होने की संभावनाओं के बारे में जानकारी थी।
- 63.2% उत्तरदाताओं को बड़े कूडेदानों में कूड़ा एकत्रित करने तथा लेटकर कार्य करते समय वात रोग की समस्याएं होने की जानकारी थी ।
- 78% सफाई कर्मचारियों को गलियों में काम करते समय परिवहन यातायात होने के कारण दुर्घटना से बचने के लिए परावर्ती दूरदर्शक (रिफ्क्लेक्टर) एप्रेन पहनने के बारे में जानकारी थी।
- 79.9% सफाई कर्मचारियों को सफाई करते समय मुँह पर मास्क लगाने के बारे में जानकारी थी तथा श्वसन रोग तथा बालों की समस्याओं की रोकथाम के लिए टोपी पहनने के बारे में भी जानकारी थी ।
- 78.7% सफाई कर्मचारियों को फिसलने पर गिरने से बचाव के लिए तथा पैरों में चोट लगने से सुरक्षा के लिए जूते पहनने के बारे में जानकारी थी ।
- 82.9% सफाई कर्मचारियों को हाथों की त्वचा को एलर्जी/चोट लगने/संक्रमण होने की संभावनाओं से बचाव के उपाय के रूप में हाथों में दस्ताने पहनने के बारे मे जानकारी थी।
- निजी सुरक्षा के लिए उपकरणों का प्रयोग करने वाले कर्मचारियों में, 86% उत्तरदाता काम के समय रिफ्क्लेक्टर एप्रेन पहनते थे तथा 80.5% सफाई कर्मचारी काम करते हुए जूते पहनते थे। जबकि, 56.1% सफाई कर्मचारी काम करतें समय टोपी पहनते थे तथा 53.7% कर्मचारी सफाई करते हुए मुख पर मास्क लगाते थे और केवल 19.5% सफाई कर्मचारी काम करते समय दस्ताने पहनते थे ।

संस्तुतियाँ

- सभी सफाई कर्मचारियों की भर्ती के समय तथा निश्चित अवधि के दौरान उनकी स्वास्थ्य की जाँच कराई जानी चाहिए ।
- सफाई कर्मचारियों के लिए विभिन्न गतिविधियों तथा रोकथाम उपाय संबंधी मानक प्रचालन प्रक्रिया (एस.ओ.पी.) विकसित किए जाने की आवश्यकता है ।
- कर्मचारियों में कौशल बढ़ाने के साथ-साथ व्यावसायिक स्वास्थ्य जोखिमों की रोकथाम के लिए संचालित किए गए प्रशिक्षण को आगे भी जारी रखा जाना चाहिए।
- सफाई निरीक्षकों में से मास्टर प्रशिक्षक तैयार करने के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया जाना चाहिए, ताकि वह उन्हें सुपरवाइज कर सकें तथा उनके कार्य स्थल पर ही उन्हें प्रशिक्षण प्रदान कर सके।
- जिन गलियों में अधिक ट्रैफिक/गाडियों का आवागमन हो, वहाँ पर यांत्रिक सफाई उपकरणों द्वारा सफाई कराई जानी चाहिए। यांत्रिक सफाई कराने के बारे में एस.ओ.पी. तैयार की जानी चाहिए।
- व्यावसायिक जोखिमों की रोकथाम करने के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा सफाई पर्यवेक्षकों के बीच में नियमित रूप से बैठकें आयोजित की जानी चाहिए।

संस्थान द्वारा संचालित किए गए सतत् शोध अध्ययन

1. जंतुओं के जैविक द्रव्यों तथा ऊतकों में मेड्रोक्सी प्रोजेस्ट्रॉन एसीटेट, प्रेडनीसोलोन, 17_{α} मेथीलटेस्ट्स्ट्रॉन तथा नांदरोलोन घटकों का पता लगाने के लिए ब्रिज एवं एंटीजन हेट्रोलॉजी का प्रयोग करके इंजाइम एवं कोलायडल स्वर्ण आधृत इम्युनोएस्से (एलीसा एवं एल.एफआई.ए.) को विकसित करना। (प्रोफेसर तुलसीदास जी. श्रीवास्तव एवं डॉ. राजेश कुमार)

2. लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल, नई दिल्ली के प्रसव पूर्व परिचर्या क्लिनिक में आने वाली विवाहित एवं तिरस्कृत गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य स्थिति पर व्यवहारात्मक हस्तक्षेप पैकेज का प्रभाव- एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (डॉ. मीराम्बिका महापात्रो, प्रोफेसर नीरा धर, प्रोफेसर सुधा प्रसाद)

3. राष्ट्रीय वैक्सीन अपशिष्ट पदार्थ (वेस्टेज) संबंधी आकलन- 2019 (प्रोफेसर संजय गुप्ता एवं एन.सी.सी.वी.एम.आर.सी स्टाफ)

4. राष्ट्रीय रिक्त वॉयल नीति आकलन (प्रोफेसर संजय गुप्ता एवं एन.सी.सी.वी.एम.आर.सी स्टाफ)

एम.डी. (सीएचए) छात्रों द्वारा संचालित सतत् थीसिस कार्य का अध्ययन

1. मधुमेह रोग से ग्रस्त लोगों के जीवन शैली व्यवहार एवं सामाजिक जनांककीय विशेषताओं पर एक अध्ययन (डॉ. प्रकाश रंजन, प्राफेसर जयन्त दास एवं प्रोफेसर मिहिर कुमार मलिक)

2. दिल्ली के स्लम क्षेत्रों में चयनित प्रजनन शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता एवं उपयोगिता पर अध्ययन (डॉ. आनंद कुमार वर्मा एवं प्रोफेसर वी. के. तिवारी)

3. दिल्ली की कालेज जाने वाली युवा छात्राओं में मानव पापीलोमा विषाणु टीकाकरण (एच.पी.वी.) के बारे में ज्ञान, दृष्टिकोण एवं अभ्यासों पर अध्ययन (डॉ. मुकेश जैन, प्रोफेसर संजय गुप्ता एवं प्रोफेसर मनीष चतुर्वेदी)

4. दिल्ली के स्लम क्षेत्रों में शिशुओं को स्तनपान कराने संबंधी अभ्यासों/तरीकों तथा उनका शिशुओं की रूग्णता दर से संबद्धता पर अध्ययन (डॉ. रवि भूषण एवं डॉ. रेणु सेहरावत)

5. दिल्ली के एक सरकारी अप्रजननशीलता उपचार क्लिनिक में आने वाले अप्रजननशील दंपत्तियों के मनो-सामाजिक प्रोफाइल पर एक अध्ययन (डॉ. अनूप कुमार गुप्ता एवं प्रोफेसर रजनी बग्गा)

विशिष्ट सेवाएं

संस्थान विशिष्ट सेवाएं प्रदान करता है जिसमें क्लिनिक, प्रलेखन केंद्र, मुद्रण और प्रकाशन प्रभाग शामिल हैं।

विशिष्ट सेवाओं का विवरण नीचे वर्णित है:

क्लिनिकल सेवाएं

अप्रजननशीलता–प्रबंधन

संस्थान को प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल में उत्कृष्टता केंद्रों में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त है। प्रयोगशाला की सुविधाओं का उपयोग प्रजनन संबंधी विकारों जैसे कि अंतःस्रावी, एनाटोमिकल/सर्जिकल विकार आदि के रोगियों की गहन जांच के लिए किया जाता है। अंतःस्रावी और प्रजनन विकार और बांझपन मामलों के प्रबंधन में अपनाए गए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अति सफल सिद्ध हुए हैं।

क्लिनिक जाने वाले रोगियों को प्रसव पूर्व और प्रसवोत्तर देखभाल, टीकाकरण, आयरन और फोलिक एसिड की आपूर्ति, विटामिन, ए 'अनुपूरक आदि की सेवाएं प्रदान की गईं।

क्लिनिकल प्रयोगशाला सेवाएं

प्रयोगशाला सेवाएं स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के निवारक और उपचारात्मक पहलुओं का आधार बनाती हैं। क्लिनिक द्वारा निम्नलिखित प्रयोगशालीय सेवाएं प्रदान की जाती हैं:

- नियमित परीक्षण (रक्तविज्ञान और मूत्र)
- नृविज्ञान
- वीर्यधातु विज्ञान
- जैव रसायन शास्त्र
- सीरम विज्ञान

कुछ प्रयोगशाला परीक्षण सेवाएं न्यूनतम/साधारण शुल्क पर प्रदान की जाती हैं।

प्रतिवेदित अवधि के दौरान, रोगियों को नियमित प्रयोगशालीय सेवाएं (जैव-रासायनिक, प्रतिरक्षाविज्ञानी, हिस्टोलॉजिकल और रेडियोइम्यूनोएस्से) प्रदान की गईं। इसके अलावा, एबीओ, आरएच, एमएन रक्त समूह और मलेरिया परजीवी के लिए भी सेवाएं प्रदान की गईं। इन सेवाओं का एक विवरण नीचे दिया गया है:

परीक्षण	कुल
एचबी अनुमान	1158
ईएसआर	664
टीएलसी	33
डीएलसी	33
मूत्र आर / ई	1246
मूत्र एम / ई	1246
मलेरिया	0
मल परीक्षण	0
बिलसाल्ट/ वर्णक	5
गर्भावस्था परीक्षण	648
ग्रीवा बलगम	1018
सहवासोतर जाँच	558
ईबी	21
पीएपी स्मियर	2
एफएनएसी	0
परिधीय स्मियर	0
वीर्य परीक्षण	2782
एंटीबॉडी टेस्ट	29
जीसीएम	75
जीपीसी	72
फ्रुक्टोज	72
एसिड फॉस्फेटस	72
शुक्राणु आकृति विज्ञान	17
आईयूएल नमूना तैयारी	62
वीडीआरएल	1398
रक्त समूह	1169
रक्त शर्करा	1547
एलएफटी	35
केएफटी	45
जीटीटी	16
लिपिड प्रोफाइल	25
जीसीटी	17
प्रोलैक्टिन	629
इंसुलिन	632

एलएच	431
एफएसएच	443
टीएचएस	621
टेस्टोस्टेरोन	205
टी-3	28
टी -4	51
ई-2	1
बांझपन कुल	Total
नया (दंपत्ति)	766
महिला अनुवर्ती जाँच	4768
पुरुष अनुवर्ती जाँच	2325
प्रजनन संबंधी अंत:स्रावी (स्त्री रोग)	
नए केस	652
अनुवर्ती जाँच	780
एएनसी	
नए	141
अनुवर्ती जाँच	345
किशोर (महिला)	
नए	16
अनुवर्ती जाँच	11
किशोर (पुरुष)	
नए	1
अनुवर्ती जाँच	1
स्वस्थ् महिला क्लिनिक	
नए	9
	1
स्टाफ महिला	
नए	11
अनुवर्ती जाँच	18
कर्मचारी पुरुष	
नए	26
अनुवर्ती जाँच	14
पुरुष सामान्य	
नए	250
अनुवर्ती	287
महिला सामान्य	

नए	114
	60
शिशु	
नए	178
अनुवर्ती जाँच	413
एंडोमेट्रियल बायोप्सी	124
कंडोम वितरण	4500
इमेजिंग सेवाएं	244

किशोर और युवा क्लिनिक

किशोर भारतीय जनसंख्या का लगभग 22% हिस्सा हैं। किशोरों और युवाओं को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए विशेष ध्यान, शिक्षा और मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। उन्हें विभिन्न स्वास्थ्य मुद्दों पर उन्मुख और निर्देशित होने की आवश्यकता है। किशोरों और युवाओं के विभिन्न स्वास्थ्य मुद्दों पर उचित परामर्श और स्वास्थ्य शिक्षा अवांछित गर्भधारण, प्रजनन पथ संक्रमण और यौन संचारित संक्रमण रोगों को रोक सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए, संस्थान के किशोर और युवा क्लिनिक एक दोस्ताना माहौल में किशोरों को स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों की जानकारी/परामर्श प्रदान करते हैं। रिपोर्ट के तहत वर्ष के दौरान, 10-24 वर्ष की आयु वाली 27 महिलाओं को सेवाएं प्रदान की गईं।

प्रेस यूनिट

संस्थान के अनुसंधान, प्रशिक्षण, परामर्श और प्रशासनिक गतिविधियों की रेप्रोग्राफी और प्रिंटिंग, प्रेस यूनिट द्वारा की जाती है। दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण प्रबंधन, अस्पताल प्रबंधन, स्वास्थ्य संवर्धन, स्वास्थ्य संचार, एप्लाइड महामारी विज्ञान और सार्वजनिक स्वास्थ्य पोषण में डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए पृष्ठभूमि दस्तावेज (मॉड्यूल और ब्लॉक) समीक्षाधीन वर्ष के दौरान पुनः प्रस्तुत किए गए थे। विभिन्न प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों, सर्वेक्षण कार्यक्रम और प्रशासनिक उद्देश्य के लिए अन्य रूपों की पृष्ठभूमि और परिचयात्मक दस्तावेज भी पुनः प्रस्तुत किए गए।

मुद्रण और प्रकाशन सेवाएँ

संस्थान अपने सतत शिक्षा कार्यक्रम के एक भाग के रूप में हर साल विभिन्न प्रकाशनों को मुद्रित और प्रकाशित करता है। कुछ महत्वपूर्ण प्रकाशन थे:

- विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए बहुरंगी ब्रोशर

- डीएलसी के मॉड्यूल/ब्लॉक
- 2016-2017 की वार्षिक रिपोर्ट
- वार्षिक लेखा 2016-2017
- 2017-18 के लिए कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी) के दस्तावेज़
- संस्थान के सभी विभागों की स्टॉक सत्यापन रिपोर्ट।
- जेएसके की प्रेरणा रणनीति का मूल्यांकन
- जर्नल जन स्वास्थ्य धारणा
- नए भर्ती किए गए सीएचएस चिकित्सा अधिकारियों के लिए एक हस्त-पुस्तिका
- एनआईएचएफडब्ल्यू समाचार पत्र
- जर्नलः स्वास्थ्य और जनसंख्या-परिप्रेक्ष्य और मुद्दे 2017

स्वास्थ्य एवं जनसंख्याः परिप्रेक्ष्य और मुद्दे

संस्थान 1978 से नियमित रूप से अपने आईएसएसएन-संख्या धारक-बहु-विषयक त्रैमासिक जर्नल, 'स्वास्थ्य और जनसंख्याः परिप्रेक्ष्य एवं मुद्दे' को प्रकाशित कर रहा है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक प्रसार के साथ, इसमें स्वास्थ्य सेवाओं, परिवार कल्याण, जनसंख्या, अस्पताल प्रशासन, स्वास्थ्य-अर्थशास्त्र, स्वास्थ्य-संचार, जनसंख्या, सामाजिक विज्ञान के क्षेत्रों में वैज्ञानिक और शैक्षिक रुचि के अन्य संबद्ध विषयों के लेख शामिल हैं। जर्नल इंडेडेड, एनआईसी, नई दिल्ली और गूगल स्कॉलर में अनुक्रमित है।

जर्नल में प्रकाशित पत्रों के सार संस्थान की वेबसाइट www.nihfw.org पर भी उपलब्ध हैंः जबकि पूर्ण दस्तावेज मेडइंड, NIC, नई दिल्ली (http://medind.nic.in/index.html) पर उपलब्ध हैं।

रास्वापकसंस्थान न्यूज़लैटर

1999 में शुरू किया गया, संस्थान का यह समाचार पत्र अकादमिक अनुसंधान, शिक्षा, प्रशिक्षण, परियोजनाओं और सहयोग, आगंतुकों, अतिथि-व्याख्यान, आदि के क्षेत्रों में हुई घटनाओं को एक विशिष्ट तिमाही में साझा करता है। इसमें पूरे देश में प्रगति को समाहित किया गया है। न्यूज़लैटर संस्थान की वेबसाइट www.nihfw.org पर भी उपलब्ध है।

दृश्य-श्रव्य सेवाएं

प्रतिवेदित अवधि में विभिन्न गतिविधियों के लिए संस्थान द्वारा कला, फोटोग्राफिक और प्रक्षेपण सेवाएं प्रदान की गईं।

राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र

राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र (एनडीसी) में उपलब्ध पुस्तकालय सुविधाएं सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में भारत में सर्वश्रेष्ठ में से एक हैं। दो दशकों की अवधि में, राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र ने 48444 पुस्तकों सहित 60.842 से अधिक दस्तावेजों का एक संतुलित और अद्यतन संग्रह विकसित किया है। इसमें 12400 जर्नल, तकनीकी रिपोर्ट, वार्षिक रिपोर्ट, सांख्यिकीय रिपोर्ट, सम्मेलन रिपोर्ट, मॉडल, थीसिस, शोध अध्ययन, स्वास्थ्य, जनसंख्या तथा परिवार कल्याण के क्षेत्र में गैर-पुस्तक सामग्री आदि शामिल हैं।

राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र निम्नलिखित ऑनलाइन सेवाओं का सदस्य है;

- राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र विकासशील पुस्तकालय नेटवर्क (DELNET) का एक सक्रिय सदस्य है और अपने संसाधनों को 5000 से अधिक सदस्य पुस्तकालयों के साथ साझा करता है जिसमें कांग्रेस लाइब्रेरी, वाशिंगटन शामिल है। डेलनेट (DELNET) के पास कुल 2,45,45,450 पुस्तकों और 37,847 पत्रिकाओं का संग्रह है।
- राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र http://www.nihfw.org/ERMEDConsorsiumJournals.html पर 258 पत्रिकाओं की मुफ्त पहुँच प्रदान करने के लिए NML-ERMED इंडिया कंसोर्टियम का सदस्य भी है।

राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र द्वारा निम्नलिखित प्रलेखन सेवाएं दी गईं:

- सूचना का चयनात्मक प्रसार (एसडीआई)
- वर्तमान जागरूकता सेवाएँ
- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण सार (तिमाही)
- स्वास्थ्य समाचार रिपोजिटरी (अंग्रेजी और हिंदी दोनों)
- दैनिक स्वास्थ्य समाचार बुलेटिन
- अतिरिक्त पुस्तक (Additions) सूची।

उपरोक्त के अलावा, ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) के माध्यम से, सभी प्रकाशनों / दस्तावेजों के ग्रंथ सूची विवरण लिंक-प्रवेश पत्रः //14.1393.63.242/ पर उपलब्ध हैं। महत्वपूर्ण प्रकाशन जैसे समिति / आयोग की रिपोर्ट, तकनीकी रिपोर्ट, एचपीपीआई जर्नल, महत्वपूर्ण सांस्थानिक प्रकाशन, आदि लिंक - http: //wwww.nihfw.org/WNDC.aspx के माध्यम से डिजिटल और उपलब्ध हैं।

जनसांख्यिकी आंकड़ा केंद्र

सांख्यिकी और जनसांख्यिकी विभाग में जनसांख्यिकी आंकड़ा केंद्र वर्ष 2003 से कार्य कर रहा है। केंद्र का उद्देश्य राष्ट्रीय और विभिन्न स्रोतों से उपलब्ध सामाजिक-जनसांख्यिकीय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, आदि पर जानकारी का एक आंकड़ा बैंक विकसित करना है जो व्यावसायिकों और शोधकर्ताओं को तैयार संदर्भ सामग्री प्रदान करता है।

जनसांख्यिकी आंकड़ा केंद्र ने एनएफएचएस-1, एनएफएचएस-2, एनएफएचएस-3, डीएलएचएस-1, डीएलएचएस -2, डीएलएचएस -3, एनएसएसओ के विभिन्न दौर के आंकड़े, जनगणना-1991, 2001 और 2011 के डेटा और नौ राज्यों का वार्षिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण प्राप्त किया। समय-समय पर आंकड़ों का विश्लेषण और प्रकाशन किया जाता है। केंद्र ने जनगणना, 2011 संबंधी आंकड़ों का उपयोग करके एक जनसंख्या प्रोफ़ाइल तैयार की है और संस्थान की वेबसाइट पर अपलोड की है और 2001-2011 के साथ-साथ जनसांख्यिकीय आँकड़ा केंद्र के लिए राज्य-वार जनगणना 2001-2011 पिरामिड भी तैयार किए हैं।

कंप्यूटर सेवाएं

संस्थान द्वारा कैंपस विस्तृत क्षेत्र नेटवर्क के माध्यम से अपने सभी संकायों, छात्रों, अनुसंधान और प्रशासनिक कर्मचारियों को कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा प्रदान करता है। पूरा नेटवर्क कंप्यूटर केंद्र से संचालित किए गए छह सर्वरों के साथ जुड़ा हुआ है, जो 1 जीबी फाइबर ऑप्टिक एनकेएन कनेक्शन के माध्यम से संस्थान में 400 नोड्स को जोड़ता है।

कंप्यूटर केंद्र सक्रिय रूप से सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) में बड़े डेटा सेटों के विश्लेषण के अलावा शिक्षण और प्रशिक्षण में संलग्न है। कंप्यूटर सेंटर में शिक्षण/प्रशिक्षण के उद्देश्य और छात्रों के उपयोग के लिए दो अच्छी तरह से सुसज्जित कंप्यूटर प्रयोगशालाएं हैं। संस्थान में विकसित इंट्रानेट सॉफ्टवेयर्स का उपयोग वेतन, पेंशन और बिलों की जानकारी देने के लिए किया जाता है। बायोमेट्रिक अटेंडेंस मॉनिटरिंग सिस्टम संस्थान में स्थापित किया गया है और सभी कर्मचारियों और छात्रों के लिए उपलब्ध है। अधिकारियों के लिए संस्थान की अपनी वेबसाइट www.nihfw.org और ई-मेल सुविधाएं हैं।

कंप्यूटर सेंटर में अत्याधुनिक वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा है जो ई-लर्निंग और बैठकों के लिए उपयोग की जाती है। इसे एक विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया साउंड प्रूफ रूम, एंटरप्राइज क्लास पॉलीकॉम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपकरण और उच्च बैंडविड्थ इंटरनेट लाइन मिली है। कॉन्फ्रेंसिंग रूम में 20 प्रतिभागियों को रखा जा सकता है। ट्विन स्क्रीन प्रोजेक्टर देश या दुनिया भर में टीमों/भागीदारों/किसी भी उद्यम के साथ एक अथवा एक अधिक मल्टी-प्वाइंट सम्मेलन आयोजित करने के लिए सबसे अच्छा विकल्प प्रदान करते हैं।

विशिष्ट परियोजनाएं एवं कंसोर्टियम गतिविधियां

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन/प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य परियोजना –2

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान एक नोडल संस्थान के रूप में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन/ प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य परियोजना- 2 के अंतर्गत प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु देश के विभिन्न भागों से 22 सहभागी प्रशिक्षण संस्थानों के सहयोग से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समन्वय तथा प्रबोधन कर रहा है।

मानव संसाधन

संस्थान में निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के नेतृत्व में तथा संकाय सदस्यों के सहयोग से देश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत शिक्षण गतिविधियों के समन्वयन एवं प्रबोधन के लिए प्रजनन शिशु स्वास्थ्य-2 यूनिट कार्यरत है, जिसमें दो परामर्शदाता तथा एक तकनीकी सहायक शामिल हैं।

आर.ओ.पी 2018–2019 के अनुसार संचालित प्रमुख गतिविधियां

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन/प्रजनन शिशु स्वास्थ्य परियोजना-2 के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों के अनुसार निम्नलिखित गतिविधियां संचालित की गई है

राज्यों के पी.आई.पी. घटक की समीक्षा

संस्थान की प्रजनन शिशु स्वास्थ्य यूनिट ने वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए सभी राज्यों/संघ शासित प्रदेशों के पी.आई.पी.के प्रशिक्षण घटक की समीक्षा करके तथा संबंधित टिप्पणियाँ तैयार करके स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार को भेज दिया है।

वित्तीय वर्ष 2018–19 हेतु राज्यों के पी.आई.पी. को अंतिम रूप देने के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम समन्वयन समिति की बैठक

संस्थान की ओर से प्रजनन शिशु स्वास्थ्य यूनिट के परामर्शदाताओं ने वित्तीय वर्ष 2018-19 हेतु राज्यों/संघ शासित प्रदेशों के पी.आई.पी तथा बजट के बारे में उनके अनुमोदन को अंतिम रूप प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम समन्वयन समिति की बैठक में भाग लिया।

राज्यों/संघ शासित प्रदेशों के साथ निगरानी दौरे एवं अनुवर्ती कार्रवाई

देश के विभिन्न भागों में सतत् संचालित किए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता का आकलन करने के उद्देश्य से संस्थान के परामर्शदाताओं द्वारा 22 निगरानी दौरे किए गए ।

- विभिन्न राज्यों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों जैसे- कौशल प्रयोगशाला, एनएसएसके, आर.टी.आई/एस.टी.आई., आई.यू.सी.डी.,आरबीएसके, प्रथम जीवनरक्षक हेतु टी.ओ.टी., एम.ए.ए., आई.एम.ई.पी., एस.बी.ए., पी.पी.आई.यू.सी.डी. तथा विभिन्न वर्गों के स्वास्थ्य कार्मिकों के लिए गर्भनिरोधक अपडेट आदि का प्रेक्षण किया गया।

- राज्यों/संघ शासित प्रदेशों में सतत् संचालित किए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की निगरानी/प्रेक्षण करने के लिए चैकलिस्टों का प्रयोग किया गया।

- परामर्शदाताओं द्वारा प्रशिक्षण संबंधी अवसंरचनात्मक ढ़ाँचे (इंफ्रास्ट्रक्चर), प्रशिक्षण डाटा बेस संबंधी स्थिति, प्रशिक्षकों की उपलब्धता, प्रशिक्षण पश्चात कार्य निष्पादन क्षमता, प्रशिक्षणार्थियों के समुचित चयन तथा प्रशिक्षित जनशक्ति की तैनाती का भी आकलन किया गया ।

- प्रजनन शिशु स्वास्थ्य यूनिट के परामर्शदाताओं ने वित्तीय वर्ष 2018-19 की अवधि में महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल तथा उड़ीसा राज्यों में सतत् संचालित किए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता संबंधी निगरानी तथा आकलन करने के उद्देश्य से कुल 22 निगरानी दौरे किए गए। सतत् प्रशिक्षण कार्यक्रमों के निगरानी दौरों की अवधि में अवसंरचनात्मक ढ़ाँचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) तथा अंतरालों के विश्लेषण संबंधी आकलन करने के लिए 46 स्वास्थ्य सुविधाओं (जिला अस्पताल/उप-जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, ब्लॉक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा उप केन्द्र) का भी दौरा किया ।
- परामर्शदाताओं ने अप्रैल-जून, 2018 के दौरान प्रजनन शिशु स्वास्थ्य परियोजना-1 संबंधी वित्तीय मामलों के समाधान के लिए दो राज्यों महाराष्ट्र तथा राजस्थान का भी दौरा किया ।

निगरानी दौरों संबंधी रिपोर्टें

- प्रशिक्षण प्रभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के आग्रहानुसार, निगरानी दौरों की रिपोर्टें तैयार की गईं तथा इन्हें स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को भेज दिया गया। इन निगरानी दौरों की रिपोर्टों में कुछ विशिष्ट बिन्दुओं जैसे- सामान्य प्रेक्षण, मुख्य बिन्दुओं, अच्छे/प्रोत्साहक अभ्यास, सभी स्तरों पर कमियों/रूकावटें, संभावित सुझाव/संस्तुतियों के साथ-साथ विभिन्न सुविधाओं पर आकलन संबंधी प्रेक्षणात्मक बिन्दुओं और प्रशिक्षण स्थलों के अंतराल विश्लेषण को भी शामिल किया गया ।

- अरूणाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात, राजस्थान, मेघालय, मणिपुर, महाराष्ट्र, सीआईएनआई कोलकाता, आईएचएफडब्ल्यू कोलकाता तथा उड़ीसा राज्यों/संघ शासित प्रदेशों के राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान/सहभागी प्रशिक्षण संस्थानों के परामर्शदाताओं द्वारा किए गए 55 निगरानी दौरों की रिपोर्टों पर प्राप्त फीड़बैक तथा संस्तुतियों सहित टिप्पणियों को भी प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रशिक्षण प्रभाग को भेज दिया गया।

प्रशिक्षण संबंधी प्रगति रिपोर्ट

- प्रत्येक राज्य से प्राप्त हुई प्रशिक्षण उपलब्धियों को संस्थान में संकलन तथा इनका विश्लेषण करने के पश्चात त्रैमासिक तथा वार्षिक आधार पर मूल्यांकित की गईं मासिक/त्रैमासिक प्रगति रिपोर्टों के माध्यम से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को भेज दिया गया है। विश्लेषण में सभी योजनाबद्ध प्रशिक्षण में राज्यवार प्राप्त उपलब्धियों, विभिन्न स्वास्थ्य कार्मिकों हेतु वर्गवार प्राप्त उपलब्धि तथा आर.ओ.पी. 2018-19 के अनुसार योजनाबद्ध वार्षिक लक्ष्य के समक्ष प्रत्येक राज्य और पूरे देश भर में विषय-वस्तुवार (थीमेटिक) उपलब्धियों को शामिल किया गया है।

मातृ एवं शिशु ट्रैकिंग सुविधा केंद्र (एमसीटीएफसी)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में मातृ एवं शिशु ट्रैकिंग सुविधा केन्द्र की स्थापना 29 अप्रैल 2014 को हुई। यह भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं में सुधार लाने की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है।

मातृ एवं शिशु ट्रैकिंग सुविधा केन्द्र की परिकल्पना आंकड़ों की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में एमसीटीएस को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। मातृ एवं शिशु ट्रैकिंग सुविधा केन्द्र द्वारा एमसीटीएस में पंजीकृत किए गए लाभानुभोगियों (गर्भवती महिलाओं तथा शिशुओं) को फोन कॉल किए जाते हैं तथा उनके रिकार्डों की पुष्टि की जाती है। एमसीटीसी वर्तमान में निम्न क्षेत्रों में कार्य कर रही है:-

1. एमसीटीएस को एक सहायक ढांचा प्रदान करना तथा गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के माता-पिता तथा स्वास्थ्य कर्मियों को फोन कॉल करके एमसीटीएस में दर्ज किए गए आंकड़ो को सत्यापित करने संबंधी सहायता करना।
2. गर्भवती महिलाओं, बच्चों के माता-पिता और सामुदायिक स्वास्थ्य कर्मियों को सीधे संबंधित सूचनाएं और मार्गदर्शन प्रदान करने में एक शक्तिशाली उपकरण बनना, इस प्रकार स्वास्थ्य सेवाओं और सही स्वास्थ्य अभ्यासों तथा व्यवहार के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना।
3. सेवा प्रदाताओं तथा मातृ एवं शिशु परिचर्या सेवा प्राप्त करने वाले लोगों को विभिन्न मातृ एवं शिशु परिचर्या सेवाओं, कार्यक्रमों तथा की गई अनेक पहलों जैसे-जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, जननी सुरक्षा योजना, आरबीएस की राष्ट्रीय

आयरन प्लस पहल, निपी, आशा कार्यकर्ताओं द्वारा गर्भनिरोधकों का वितरण आदि के बारे में प्रतिपुष्टि प्राप्त करने के लिए संपर्क करना। इस प्रतिपुष्टि से भारत सरकार/राज्य सरकारों को कार्यक्रम में आने वाली रूकावटों तथा स्वास्थ्य सेवाओं के वितरण में सुधार लाने के लिए समुचित निवारक उपायों की योजना का मूल्यांकन सरलता एवं तीव्रता से करने में सहायता मिलती है।

4. आशा और एएनएम से आवश्यक दवाओं तथा अन्य आपूर्तियों जैसे- ओआरएस पैकेट और गर्भनिरोधक की उपलब्धता की जानकारी प्राप्त करना।
5. सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों का प्रचार।
6. प्रदान की गई स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं का आकलन।
7. स्वास्थ्य श्रमिकों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं का आकलन ।
8. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं, क्षेत्रीय स्तर पर सरकारी योजनाओं तथा कार्यक्रमों का मूल्यांकन करने में सहायता प्रदान करना ।

मातृ एवं शिशु ट्रैकिंग सुविधा केन्द्र का अवसंरचनात्मक ढांचा

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के परिसर में 86 हेल्पडेस्क एजेंटों तथा अन्य प्रबंधकीय कर्मचारियों के बैठने की क्षमता सहित स्टेट ऑफ आर्ट कॉल सेंटर की स्थापना की गई है। इस केन्द्र में होस्टिंग सर्वरों, नेटवर्क तथा दूरसंचार उपकरणों एवं अनुप्रयोग के लिए एक केंद्रीय सर्वर कक्ष भी है। हेल्पडेस्क एजेंटों को कंप्यूटर तथा लाभानुभोगियों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से फोन कॉल करने के लिए सॉफ्टफोन उपलब्ध कराए गए हैं।

मातृ एवं शिशु ट्रैकिंग सुविधा केन्द्र अनुप्रयोग

एमसीटीएफसी अनुप्रयोग (एप्लीकेशन) में गर्भवती महिलाओं के लिए 3-6 माह या द्वितीय तिमाही प्रसवपूर्व, 8-9 माह या चतुर्थ तिमाही प्रसवपूर्व तथा प्रसव के पश्चात डेढ़ माह के शिशु एवं प्रसव के पश्चात 6-9 माह के शिशु के लिए तथा एएनएम एवं आशा कार्यकर्ताओं हेतु विभिन्न मॉड्यूल उपलब्ध हैं।

लाभार्थियों तथा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के साथ हुए वार्तालाप के आधार पर एमसीटीएफसी की रिपोर्टिंग प्रणाली द्वारा निष्पादन रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाती हैं, जिसकी समीक्षा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा की जाती है। कुछ प्रमुख निष्पादन संकेतकों (परफारमेंस इंडिकेटर) का इन रिपोर्टों से पता लगाया गया है तथा इन प्रमुख निष्पादन संकेतकों के आधार पर राज्यों के कार्य निष्पादन का आकलन किया गया है। तदनुसार राज्यों द्वारा अपने निष्पादन संकेतकों (परफारमेंस इंडिकेटर) में सुधार लाने के लिए आवश्यक निवारक कार्यवाही की जाती है।

मातृ एवं शिशु ट्रैकिंग सुविधा केन्द्र का संचालन

वर्तमान में मातृ एवं शिशु ट्रैकिंग सुविधा केन्द्र 86 हेल्पडेस्क एजेंटों द्वारा संचालित की जाती है। एजेंट राष्ट्रीय अवकाश के दिनों के अतिरिक्त प्रत्येक दिन आउटबाण्ड कॉल करते हैं तथा लाभानुभोगियों तथा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को कॉल के माध्यम से प्रश्नों का उत्तर देते हैं। इसके अतिरिक्त 2 चिकित्सकों को भी नियुक्त किया गया हैं जो लाभार्थियों और स्वास्थ्य कर्मियों के विशिष्ट प्रश्नों का उत्तर देते हैं और उन्हें गैर-नैदानिक सलाह भी प्रदान करते हैं।

वर्तमान में 20 राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों अर्थात आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, झारखंड, मध्य प्रदेश, उड़ीसा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल ,तेलंगाना तथा नागालैंड में एमसीटीएफ़सी संचालित किया गया । इस केन्द्र द्वारा वर्तमान में हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला, तेलुगु, असमी, उड़िया और गुजराती भाषी राज्यों को कॉल की जा रही है। देश में 'आय से अधिक व्यय' (ओओपीई) के प्रभावी कार्यान्वयन का आकलन करने के लिए एक अभियान शुरू किया गया है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल (एनएचपी) के लिए स्वास्थ्य सूचना प्रणाली केन्द्र (सीएचआई)

स्वास्थ्य सूचना प्रणाली (सीएचआई) ने स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की दक्षता और प्रभावशीलता में सुधार के लिए ई-गवर्नेंस/ई-स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न गतिविधियां प्रारंभ की हैं।

मॉनिटरिंग डैशबोर्ड/पोर्टल/वेबसाइट का विकास:

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल : देश के नागरिकों को प्रामाणिक स्वास्थ्य सूचनाएं प्रदान करने हेतु एनएचपी निरंतर नई पहल कर रहा है।
- हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स (एचडब्ल्यूसी): सीएचआई, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स (एचडब्ल्यूसी) की निगरानी के लिए परियोजना लागू की है। वर्तमान में एचडब्ल्यूसी स्वास्थ्य सुविधाओं को उन्नत करके या अवसंरचना विकास का निर्माण करके व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करता है।
- सीपीएचसी-एनसीडी कार्यक्रम :- अनुप्रयोग जनसंख्या आधारित रोकथाम, नियंत्रण और स्क्रीनिंग, गैर संक्रामक रोग कार्यक्रम हेतु संचालित है। इस परियोजना में, सभी आवश्यक बुनियादी ढांचे, सॉफ्टवेयर, कॉल सेंटर स्थापना तथा अन्य सहायता स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा सीएचआई के माध्यम से प्रदान की जाती है।
- लाक्ष्या : लाक्ष्या हेतु विकसित पोर्टल/ डैशबोर्ड एक पहल है जिसका उद्देश्य प्रसूति कक्ष तथा प्रसूति ऑपरेशन थिएटरों में देखभाल की गुणवत्ता में सुधार लाना है। डैशबोर्ड और आंकड़े राज्यों द्वारा भरे जा रहे हैं।
- बुजुर्गों की स्वास्थ्य देखभाल के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीएचसीई): एनपीएचसीई पोर्टल/डैशबोर्ड कार्यक्रम की निगरानी के लिए विकसित किया गया।

- अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रभाग पोर्टल (आईएच/आईसी): विभिन्न घटनाओं, कार्यशालाओं, सम्मेलनों, निमंत्रणों, जेडब्ल्यूजी, द्विपक्षीय बैठकों, आदि के लिए प्रतिनिधि मंडलों के विदेशी देशों के दौरे के प्रबंधन हेतु ई-निगरानी (मॉनीटरिंग) प्रणाली।
- बजट डैशबोर्ड: बजट प्रावधान, आवंटन और व्यय पर ध्यान रखने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा विकसित बजट डैशबोर्ड।
- डिजिटल लेनदेन: कुल लेनदेन की संख्या पर निगरानी हेतु एक ऑनलाइन रिपोर्टिंग तंत्र (एमआईएस) विकसित किया गया।
- स्वच्छ पोर्टल: स्वच्छता कार्यक्रम के अंतर्गत होने वाली गतिविधियों की निगरानी करने हेतु।
- पीएमएसएमए: सभी गर्भवती महिलाओं को सार्वभौमिक रूप से निःशुल्क, व्यापक और गुणवत्ता वाली प्रसवपूर्व देखभाल, सेवाएं प्रदान करने हेतु।
- भारत की स्वास्थ्य सुविधाओं हेतु राष्ट्रीय पहचान संख्या (एनआईएन टु एचएफ़आई): 2,23,191 जन स्वास्थ्य सुविधाओं को एनआईएन द्वारा पंजीकृत किया गया है और 99 प्रतिशत से अधिक स्वास्थ्य सुविधाओं को राज्यों द्वारा सत्यापित किया गया है।
- मेरा अस्पताल: सीएचआई ने 'मेरा अस्पताल' परियोजना लागू की है, जिसमें सीएचआई आवेदनों का प्रबंधन कर रहा है तथा 'मेरा अस्पताल' परियोजना द्वारा अगस्त 2019 से आईटी संबंधी सहायता प्रदान की जाती हैं।

मोबाइल अनुप्रयोग (एप्लीकेशन)

- निर्देशिका सेवाएं
- स्वस्थ भारत
- एनएचपी इन्द्रधनुष
- नो मोर टेंशन
- पीएमएसएमए
- मेरा अस्पताल
- इंडिया फाइट्स डेंगू
- नाको (एनएसीओ)
- जनसंख्या स्थिरता कोष
- आयुष्मान भारत

नई पहल:

- राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) में सीएचआई लाभार्थियों को आउटबाउंड कॉल करके और सुरक्षित मातृत्व और नवजात स्वास्थ्य के बारे में सूचित करके आरबीएसके कार्यक्रम में सहायता प्रदान की जाती है।
- मानसिक स्वास्थ्य वेबसाइट और डैशबोर्ड का विकास प्रक्रिया में है।
- आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया (ईएमआर)- ईएमआर वेबसाइट और डैशबोर्ड का विकास प्रक्रिया में है।
- वीएईआईएमएस (वैक्सीन एडवर्से इवेंट इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम) इससे स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली की परिधि से भारत के वैक्सीन सुरक्षित आंकड़ों (एएफ़आईडेटा) के संग्रहण, संचरण, विश्लेषण और प्रतिक्रिया की सुविधा मिलती है। एप्लिकेशन का संचालन सीएचआई द्वारा किया जाता है।
- साइबर सुरक्षा- सीएचआई स्वास्थ्य, प्रभावी प्रतिक्रिया, संकल्प और साइबर संकट प्रबंधन में प्रभावी साइबर सुरक्षा प्रदान करने में सहायता प्रदान करती है।

स्वास्थ्य सूचना कियोस्क:

सभी नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान करने के लिए विभिन्न केंद्रीय और राज्य सरकार के अस्पताल परिसरों में कियोस्क स्थापित किए गए हैं।

सोशल मीडिया

ट्विटर/फेसबुक: एनएचपी सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों के साथ स्वास्थ्य, रोगों, स्वास्थ्य सेवाओं और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान करता है। एनएचपी सोशल मीडिया को विश्व स्तर पर काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।

जीडीएचपी शिखर सम्मेलन और संगोष्ठी में सहभागिता

सीएचआई ने 25-27 फरवरी, 2019 को दिल्ली के होटल अशोक में आयोजित एक वैश्विक कार्यक्रम- ग्लोबल डिजिटल हेल्थ पार्टनरशिप (जीडीएचपी) शिखर सम्मेलन और संगोष्ठी में सक्रिय रूप से भाग लिया । जीडीएचपी शिखर सम्मेलन की मेजबानी विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा की गई।

राष्ट्रीय शीत श्रृंखला एव् टीका प्रबंधन संसाधन केन्द्र (एनसीसीवीएमआरसी)

संस्थान के राष्ट्रीय शीत श्रृंखला एव् टीका प्रबंधन संसाधन केन्द्र की स्थापना देश भर में 28000 शीत श्रृंखला प्वाइंटों में लगभग 90,000 शीत श्रृंखला उपकरणों की मरम्मत तथा रखरखाव करने के कार्य में जुटे हुए स्तरीय शीत श्रृंखला तकनीशियनों की क्षमता निर्माण करने के उद्देश्य से की गई है। इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

द्वारा राष्ट्रीय शीत श्रृंखला एवं टीका प्रबंधन संसाधन केन्द्र में शीत श्रृंखला उपकरणों तथा प्रभावी टीका प्रबंधन के लिए तकनीकी विशिष्टता बनाए रखने के लिए यहां सचिवालय भी स्थापित किया गया है ।

इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय शीत श्रृंखला एवं टीका प्रबंधन संसाधन केन्द्र पर प्रतिरक्षण आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के राज्य स्तरीय प्रबंधकों के लिए टीका एवं शीत श्रृंखला (टी-वीएसीसी) विषय पर प्रशिक्षण के राष्ट्रीय बैच संचालित किए गए हैं, जिनमें 57 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया था। भारत के सभी राज्यों तथा संघ शासित राज्यों में चयनित बड़ी संस्था में वैक्सीन भण्डारों का तापमान संबंधी प्रबोधन करने के साथ-साथ सभी शीत श्रृंखला उपकरणों के बारे में वास्तविक समय पर सूचनाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राष्ट्रीय शीत श्रृंखला प्रबंधन सूचना प्रणाली प्रचालन में है। एनसीसीवीएमआरसी द्वारा आईएलआर, डी.एफ. उपकरणों की मरम्मत तथा रखरखाव करने में 158 से अधिक शीत श्रृंखला तकनीशियनों और डब्ल्यू.आईसी.एण्ड डब्ल्यूएफ उपकरणों की मरम्मत तथा रखरखाव करने में 21 शीत श्रृंखला तकनीशियनों को प्रशिक्षित किया गया है।

एनसीसीवीएमआरसी ने सितम्बर, 2018 माह में नेपाल में टीका एवं शीत श्रृंखला पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें आठ देशों से आए प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एनसीसीवीएमआरसी द्वारा जुलाई, 2018 माह के दौरान कोलकाता, करनाल, मुम्बई तथा चेन्नई से सरकारी मेडिकल भण्डार डिपो के अधिकारियों के लिए प्रथम क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई ।

एनसीसीवीएमआरसी द्वारा जनवरी, 2019 माह में राज्य स्तरीय शीत श्रृंखला अधिकारियों की राष्ट्र स्तरीय तकनीकी बैठक आयोजित कराई गई ।

एनसीसीवीएमआरसी द्वारा देश भर के राज्यों तथा संघ शासित प्रदेशों को शीत श्रृंखला उपकरणों के अतिरिक्त कल-पुर्जों का निर्विघ्न वितरण उपलब्ध कराने के लिए जुलाई, 2018 माह में ऑनलाइन स्पेयर पार्ट्स माड्यूल विकसित किया गया है ।

नव-नियुक्त केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा (सी.एच.एस.) के चिकित्सा अधिकारियों हेतु संस्थापन प्रशिक्षण कार्यक्रम

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान द्वारा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की सहभागिता में 27 अगस्त, 2018 से 6 अक्टूबर, 2018 की अवधि में केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत नव-नियुक्त सामान्य सेवा चिकित्सा अधिकारियों के लिए तीसरा संस्थापन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस संस्थापन प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य नव-नियुक्त सामन्य सेवा चिकित्सा अधिकारियों में व्यावसायिक क्षमता तथा प्रशासनिक कुशाग्रता में वृद्धि करने के साथ-साथ उन्हें स्वास्थ्य परिचर्या सेवा वितरण प्रणाली तथा स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण उपागम और आयुष प्रणाली से

भी अवगत कराना था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 79 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें से 52 (65.8%) पुरूष तथा अन्य 27 (34.2%) महिलाएं थीं। इसके अतिरिक्त, 67 (84.8%) प्रतिभागी सीजीएचएस से आए थे तथा शेष अन्य प्रतिभागी हवाईअड्डा स्वास्थ्य संगठन, श्रम विभाग, डाक विभाग तथा अखिल भारतीय जन स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संस्थान से थे ।

केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा एक केन्द्रीकृत संवर्ग है, जिसे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा शासित किया जाता है। केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवओं के अंतर्गत डॉक्टरों को पूरे भारत में कार्य करना होता है तथा उनकी तैनाती विभिन्न मंत्रालयों, विभागों, दिल्ली सरकार तथा सीजीएचएस में की जाती है । प्रशिक्षण अवधि के दौरान, चिकित्सा अधिकारियों को प्रशासन एवं प्रबंधन, पर्यवेक्षण, नेतृत्व एवं शासन संचालन, टीम निर्माण, तनाव प्रबंधन, संचार उपागम, कार्यालय संचालन संबंधी प्रक्रियाओ, आचार संहिता, भारत सरकार नियमावली, विभिन्न राष्ट्र स्तरीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए योजना तथा रणनीति निर्माण से संबद्ध पक्षों में प्रशिक्षित किया गया था ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के एक अभिन्न अंग के रूप में प्रतिभागियों ने हमारे देश की स्वास्थ्य परिचर्या वितरण सेवाओं के बारे में पूर्ण अनुभव प्राप्त करने के उद्देश्य से समूहों में देश भर के राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित विभिन्न स्वास्थ्य संगठनों का दौरा किया। चिकित्सा अधिकारियों को 19 सितम्बर, 2018 को राष्ट्रपति भवन जाने का अवसर प्राप्त हुआ। माननीय राष्ट्रपति जी ने अपने स्वागत भाषण में हमें स्वस्थ रखने में डॉक्टरों तथा मेडिकल प्रेक्टिशनरों द्वारा निभाई जा रही भूमिका की मुक्त कंठ से प्रशंसा की । माननीय राष्ट्रपति जी ने अपने भाषण में, प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान को इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बधाई दी तथा डॉक्टरों को गहरी भावना एवं प्रतिबद्धता के साथ देश की सेवा करने के लिए प्रेरित किया और उनको आगामी कैरियर में आगे बढ़ते रहने के लिए शुभकामनाएं दीं ।

राष्ट्रीय कौशल प्रयोगशाला (दक्ष)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में राष्ट्रीय कौशल प्रयोगशाला (दक्ष) की स्थापना 9 मार्च, 2015 को एलएसटीएम, यू.के तथा मातृत्व स्वास्थ्य प्रभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से भारत सरकार द्वारा स्वास्थ्य प्रदाताओं जैसे- ए.एन.एम./एलएचवी/स्टाफ नर्स/चिकित्सा अधिकारियों/नर्सिंग सुपरवाइज़रों तथा संकाय सदस्यों/प्रसूति केन्द्रों पर गुणवत्तापूर्ण आरएमएनसीएच+ए सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए कार्यरत प्रसूति विशेषज्ञों और शिशु रोग चिकित्सकों के कौशल को उन्नत बनाने के उद्देश्य से की गई थी।

इस प्रयोगशाला में 4 कौशल स्टेशन तथा 1 मॉडल प्रसूति कक्ष है, जहाँ प्रशिक्षणार्थी पुतलों पर अभ्यास, अनुकरणात्मक अभ्यास, प्रदर्शन, भूमिका प्रदर्शन, विडियो और प्रस्तुतिकरणों के माध्यम से 35 मूलभूत कौशल सीखते हैं। बड़े वहनीय विकास लक्ष्य प्राप्त करने के लिए हमें विशेषतः विकासशील एवं अल्प विकसित राज्यों में अपने स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के कौशल को सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य कुशल जन्म परिचारिकाओं (एस.बी.ए.) तथा आपातकालीन प्रसूति एवं नवजात शिशु परिचर्या विशेषज्ञों की उपलब्धता तथा सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाकर मातृ तथा नवजात शिशुओं की मृत्यु एवं रूग्णता दर में कमी लाना है। कौशल प्रयोगशाला स्वास्थ्य परिचर्या सेवा प्रदाताओं के प्रोटोटाइप प्रदर्शन केन्द के रूप में कार्यरत है तथा इसके द्वारा प्रशिक्षण आधारित दक्षता पर अत्यंत ध्यान दिया जाता है। कौशल प्रयोगशाला द्वारा सुयोग्य प्रशिक्षकों के पर्यवेक्षण में पुनरावृत्ति कौशल अभ्यासों, क्लिनिकल परिदृश्य में अनुकरणीय प्रशिक्षण के अवसर भी प्रदान किए जाते हैं।

छह दिवसीय प्रशिक्षण को ओएससीई प्रशासन, वस्तुनिष्ठ निर्मित प्रश्नावली तथा प्रदर्शन और सैद्धांतिक सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों के कौशल एवं ज्ञान का आकलन करने के लिए प्रशिक्षण पूर्व तथा प्रशिक्षणोत्तर आकलन सत्रों में विभाजित किया गया है। सैद्धांतिक सत्र विडियो तथा पावर प्वाइंट प्रस्तुतिकरण का प्रयोग करके आयोजित किए जाते हैं। कौशल सत्रों मे प्रशिक्षकों द्वारा मानक चैकलिस्टों के अनुसार कौशल स्टेशनों में पुतलों/उपकरणों पर कौशल प्रशिक्षण का प्रदर्शन किया जाता है। इसके तत्पश्चात्, प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रशिक्षकों के पर्यवेक्षण में इनका अभ्यास किया जाता है। प्रत्येक दिन की समाप्ति पर, सुपरवाइज किए गए किसी कौशल का अभ्यास करके सीखने का समय होता है। प्रशिक्षण के छठे दिन, प्रशिक्षण के पश्चात आकलन कर प्रमाणीकरण किया जाता है।

कौशल प्रयोगशाला के शुरू होने (मार्च, 2015) से 7 मार्च, 2019 के दौरान कुल 706 स्वास्थ्य परिचर्या व्यावसायिक प्रशिक्षित किए गए, जिसमें से 96 प्रतिभागी वर्तमान वित्तीय वर्ष (अप्रैल, 2018 से 07 मार्च, 2015) में 11 बैचों में प्रशिक्षित किए गए ।

सीडीसी अटलांटा के साथ सहयोग से सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली सहित भारत में क्षमता निर्माण परियोजना

संस्थान में सी.डी.सी. अटलांटा के सहयोग से भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली क्षमता निर्माण परियोजना की स्थापना 20 नवंबर, 2014 को पाँच वर्ष की अवधि के लिए निगरानी गतिविधियों को सुदृढ़ करने, तत्संबंधी अंवेषण प्रारंभ करने तथा देश में राज्य एवं जिला स्तरों पर कार्यरत स्वास्थ्य जनशक्ति के प्रबंधन कौशल में सुधार करने के उद्देश्य से की गई थी।

यह परियोजना जन स्वास्थ्य कार्यबल के तकनीकी एवं प्रबंधकीय कौशल को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई थी।

इस परियोजना की प्रमुख गतिविधियों में निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करना शामिल किया गया हैः

- जिला महामारी रोग विज्ञान विशेषज्ञों (एपीडेमियोलॉजिस्ट) तथा जिला निगरानी अधिकारियों के लिए 3 माह की अवधि का फ्रंटलाइन महामारी रोग विज्ञान प्रशिक्षण।
- राज्य तथा जिला स्तरीय त्वरित प्रतिक्रिया टीम (आर.आर.टी.) के लिए एक त्वरित प्रतिक्रिया टीम प्रशिक्षण।
- राज्य तथा जिला स्तरीय कार्यक्रम प्रबंधकों के लिए जन-स्वास्थ्य प्रबंधन प्रशिक्षण।

परामर्श सेवाएं

संस्थान के निदेशक तथा संकाय सदस्यों द्वारा विभिन्न क्षमताओं में विभिन्न राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय तथा स्वैच्छिक संगठनों को परामर्श सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

निदेशक की गतिविधियाँ

संस्थान में अपनी नियमित गतिविधियों के अतिरिक्त संस्थान के निदेशक प्रोफेसर जयन्त दास द्वारा जन स्वास्थ्य, स्वास्थ्य प्रबंधन तथा अस्पताल प्रशासन के क्षेत्र में एक विशेषज्ञ के रूप में विभिन्न संगठनों में आयोजित निम्नलिखित बैठकों, कार्यशालाओं आदि में भाग लिया गया। इनमें से कुछ महत्वपूर्ण गतिविधियों संबंधी विवरण निम्नानुसार दिया गया है:

अंतर्राष्ट्रीय

- 7-9 नवम्बर, 2018 की अवधि में कोपेनहेगन, डेनमार्क (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा नामित) में "परफार्मेंस क्वालिटी एण्ड सेफ्टी वर्किंग ग्रुप ऑन कोल्ड चेन" विषय पर बैठक में भाग लिया।

राष्ट्रीय

- 07 अप्रैल, 2018 को नई दिल्ली में केन्द्रीय सूचना आयोग द्वारा स्वास्थ्य एवं सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 विषय पर आयोजित संगोष्ठी में 'सूचना का अधिकार, क्लिनिकल स्थापना अधिनियम एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में सुशासन' विषय पर एक प्रस्तुतिकरण दिया।
- 13 अप्रैल, 2018 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में 'एंपैनलमेण्ट ऑफ इंडिपेंडेंट नेशनल मॉनीटरिंग' के लिए गठित समिति की बैठक में एक सदस्य के रूप में भाग लिया।
- 20 अप्रैल, 2018 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केन्द्र द्वारा आयोजित जन स्वास्थ्य पर द्वितीय गुणवत्ता सम्मेलन में 'रोगी सुरक्षा' पर एक सत्र में सह-अध्यक्षता की गई ।
- 16 मई, 2018 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर 'डेंगू वेक्टर बिहेवियर एण्ड कंट्रोल' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
- 25 मई, 2018 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में आयोजित राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केन्द्र की कार्यपालक समिति की 16वीं बैठक में एक सदस्य के रूप में भाग लिया।
- 25 मई, 2018 नई दिल्ली में एवेनीर हेल्थ (ट्रेक 20 प्रोजेक्ट) की सहभागिता में परिवार कल्याण प्रभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित 'प्रोग्रेस ऑफ फेमिली प्लानिंग' विषय पर प्रसार बैठक में भाग लिया ।

- 28 मई एवं 20 जून 2018 को नई दिल्ली में एक विशेषज्ञ के रूप में, डब्ल्यूएचओ-राष्ट्र कार्यालय (राष्ट्रीय पोलियो निगरानी परियोजना) में 'अपर्याप्त और वैक्सीन वायरस पॉजिटिव स्टूल सैम्पल' के साथ एएफपी के मामलों के वर्गीकरण के लिए विशेषज्ञ समीक्षा समिति की बैठक में भाग लिया।
- 6 जून, 2018 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में आयोजित स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान पुरस्कार समिति की बैठक में अध्यक्षता की।
- 18 जून, 2018 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा, नई दिल्ली में आयोजित सभी पणधारकों (स्टेकहोल्डर्स) के साथ 11वीं सी.आर.एम. रिपोर्टों को परस्पर साझा करने हेतु प्रसार कार्यशाला में भाग लिया।
- 19 जून, 2018 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा, नई दिल्ली में आयोजित भारतीय जन स्वास्थ्य मानकों के अंतर्गत नियमों में संशोधन के लिए समिति की पहली बैठक में एक सदस्य के रूप में भाग लिया।
- 19 जून, 2018 को नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य ब्यूरो, डीजीएसएच, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रोफ़ाइल 2018 के रिलीज़ और राष्ट्रीय स्वास्थ्य संसाधन रिपोजिटरी परियोजना की शुरुआत में भाग लिया।
- 22 जून, 2018 को माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री जी की अध्यक्षता में आयोजित स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की हिन्दी सलाहकार समिति की बैठक में एक सदस्य के रूप में भाग लिया।
- 25 जून, 2018 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के बारे में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया।
- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड, आवास एवं शहरी मामले मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रदत्त सेक्टरों/चेप्टरों के संबंध में क्षेत्रीय आयोजन 2021 संबंधी नीतियों एवं प्रस्तावों के क्रियान्वयन की स्थिति का अध्ययन तथा समीक्षा करने के लिए गठित अध्ययन ग्रुप के अध्यक्ष के रूप में नामित किया ।
- 6 जुलाई, 2018 को लोक सभा टेलीविज़न पर विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर आयोजित एक पैनल चर्चा में एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में भाग लिया ।
- 7 जुलाई, 2018 को नई दिल्ली में सामुदायिक औषधि विभाग, वर्धमान महावीर अस्पताल तथा सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंशन एण्ड कंट्रोल ऑफ रेबीज इन इण्डिया के 20वें राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'रेबीज फ्री इण्डिया बाई 2030: एक्शन बिगिन्स नाऊ' विषय पर एक प्रस्तुतिकरण दिया।
- 8 जुलाई, 2018 को नई दिल्ली में इण्डियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट, वेनेरोलॉजिस्ट एंड लेप्रोलॉजिस्ट द्वारा आयोजित मिड़ ईयर क्यूटीकॉन 2018 का मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन किया।
- 11 जुलाई, 2018 को इंद्रप्रस्थ चैनल के लिए ऑल इण्डिया रेडियो द्वारा आयोजित जनसंख्या नियंत्रण : मुख्य विकास बिन्दु' विषय पर लाइव चर्चा में भाग लिया।

- 11 जुलाई, 2018 को विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यशाला में 'इनीशिएटिव्स टू रीच आउट टू अंडरसर्वड पापुलेशन्स' विषय पर विशेषज्ञ के रूप में एक वार्ता में भाग लिया।
- 13 जुलाई, 2018; 9 अगस्त, 2018 तथा 28 सितम्बर, 2018 की अवधि में विश्व स्वास्थ्य संगठन देशीय कार्यालय (राष्ट्रीय पोलियो निगरानी परियोजना), नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'केस क्लासीफिकेशन ऑफ ए.एफ.पी. केसेस विद इनएडीक्वेट एण्ड वैक्सीन वायरस पोजीटिव स्टूल सैम्पल्स' हेतु विशेषज्ञ समीक्षा समिति की बैठक में एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में भाग लिया ।
- 16 जुलाई 2018 को नई दिल्ली में सेना अस्पताल (रिसर्च एंड रेफरल)) में आयोजित पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा इन हॉस्पिटल एंड हेल्थ मैनेजमेंट के द्वितीय संपर्क कार्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए अनुसंधान और रेफरल (आरआर) अस्पताल में उपकरण योजना, अधिप्राप्ति, लेखा परीक्षा रखरखाव, मरम्मत, निपटान' पर एक सत्र लिया।
- 17 जुलाई, 2018 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केन्द्र के शासी निकाय की बैठक में एक सदस्य के रूप में भाग लिया।
- 18-19 जुलाई, 2018 की अवधि में एनसीसीवीएमआरसी द्वारा 'वैक्सीन एण्ड कोल्ड चेन मेनेजमैंट' (यूनीसेफ द्वारा वित्तपोषित) पर जी.एम.एस.डी. के क्षमता निर्माण पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का उदघाटन तथा निरीक्षण करने के लिए कोलकाता का दौरा किया ।
- 27 जुलाई, 2018 को नई दिल्ली में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वायरल हेपटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम के उदघाटन समारोह में भाग लिया।
- 30 जुलाई, 2018 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केन्द्र के वार्षिक दिवस समारोह में भाग लिया।
- 31 जुलाई, 2018 को युनीर्वसिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन तथा गुरू गोबिन्द सिंह परा चिकित्सा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, दिल्ली के अध्ययन बोर्ड की बैठक में सदस्य के रूप मे भाग लिया ।
- 14 अगस्त, 2018 को नई दिल्ली में नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा आयोजित जन स्वास्थ्य परिचर्या पर परामर्शी बैठक में भाग लिया।
- 31 अगस्त, 2018 को मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, गुजरात द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन पी.आई.पी. 2018-19 पर कार्य सेमीनार में भाग लिया।
- 30-31 अगस्त, 2018 की अवधि में राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान की सहभागिता में राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान की ओर से प्रमुख सचिव, गुजरात सरकार से चर्चा करने के लिए एक बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 04 अक्टूबर, 2018 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड, आवास एवं शहरी मंत्रालय द्वारा एन.सी.आर. में क्षेत्रीय योजना-2021 के सामाजिक इंफ्रास्ट्रक्चर (शिक्षा एवं स्वास्थ्य) की समीक्षा करने के लिए

गठित अध्ययन ग्रुप की प्रथम बैठक आयोजित की गई। प्रोफेसर जयंत दास, निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान को इस अध्ययन ग्रुप के अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया है।

- 8-9 अक्टूबर, 2018 की अवधि में गुरूग्राम, हरियाणा में आयोजित एच.एस.एस 2019 – राज्य एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा की गई कार्रवाई की समीक्षा की तथा एच आई.वी.सुरक्षा निगरानी 2019 – क्षेत्रीय संस्थानों की राष्ट्रीय निगरानी पूर्व बैठक में नए स्थलों की समीक्षा संबंधी एक सत्र की अध्यक्षता की ।
- 12 अक्टूबर, 2018 को नई दिल्ली में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित 'हेल्थ केयर फाइनेंशिंग इन इण्डिया' विषय पर नीति सेमीनार में भाग लिया ।
- 29 अक्टूबर, 2018 को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली में जर्मनी के चिकित्सा/स्वास्थ्य परिचर्या सेवा प्रणाली से एक प्रतिनिधि सहित प्रतिनिधिमण्डल के समक्ष हेल्थ केयर डिलीवरी सिस्टम ऑफ जर्मनी' विषय पर एक प्रस्तुतिकरण प्रस्तुत किया।
- 30 अक्टूबर, 2018 को स्कूल ऑफ नर्सिंग साइंसेस एण्ड एलायड हेल्थ, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कांक्लेव - 2018 के दौरान 'ट्रेड्स एण्ड इनोवेटिव्स कम्युनिटी हेल्थ नर्सिंग, ऑब्सटेट्रिक्स एण्ड गाइनकालोजिकल नर्सिंग, पेडियाट्रिक नर्सिंग' विषय पर एक सत्र की अध्यक्षता की।
- 14 नवम्बर, 2018 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में एम्स कैंसर अस्पताल परिसर, झज्जर, हरियाणा हेतु सहायक प्रोफेसर (अस्पताल प्रशासन) के पद के लिए चयन समिति की बैठक में विशेषज्ञ के रूप मे भाग लिया।
- 15-16 नवंबर, 2018 को ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली में एशिया पैसिफिक जेरिएट्रिक मेडिसिन नेटवर्क कॉन्फ्रेंस नई दिल्ली के साथ जरा विज्ञान और जराचिकित्सा चिकित्सा पर चौथी अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में भाग लिया।
- 16 नवम्बर, 2018 को 'भारत में जन स्वास्थ्य प्रणाली क्षमता निर्माण' परियोजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश राज्य के लिए 3 माह की अवधि हेतु 'फ्रंटलाइन एपीडेमियोलॉजी' पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए प्रमुख सचिव (स्वास्थ्य एवं प.क.), मध्य प्रदेश शासन के साथ पक्ष-पोषण बैठक में भाग लिया ।
- 19 नवम्बर, 2018 को, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली में आयोजित वरिष्ठ परामर्शदाता (स्वास्थ्य एवं प.क.मंत्रालय) के पद हेतु चयन समिति की बैठक में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया ।
- 20 नवम्बर, 2018 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 'एक्सेलीरेशन दि क्वालिटी एजेंडा इन इण्डिया' विषय पर राष्ट्रीय परामर्शी बैठक में भाग लिया ।
- 27 नवम्बर, 2018 को राष्ट्रीय अंग ऊतक प्रत्यारोपण संघ (एन.ओ.टी.टी.ओ.) द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 9वें भारतीय अंगदान दिवस में भाग लिया ।
- 27 नवम्बर, 2018 को राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, बेंगलुरु में दूरस्थ शिक्षण, 2017-18 के अंतर्गत 18 बैचों के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया; तथा 'भारत में जन स्वास्थ्य प्रणाली क्षमता

निर्माण' परियोजना के अंतर्गत कर्नाटक राज्य के लिए 3 माह की अवधि हेतु फ्रंटलाइन एपीडेमियोलॉजी पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए पक्ष-पोषण बैठक में भाग लिया।

- 30 नवम्बर, 2018 को नई दिल्ली में नीति आयोग द्वारा आयोजित 'ए डॉयलॉग ऑन बिल्डिंग ब्लॉक्स फॉर न्यू एज हेल्थ सिस्टम' पर कार्यक्रम में भाग लिया।
- 30 नवम्बर, 2018 तथा 28 दिसम्बर, 2018 को विश्व स्वास्थ्य संगठन देशीय कार्यालय (राष्ट्रीय पोलियो निगरानी परियोजना), नई दिल्ली द्वारा 'केस क्लासीफिकेशन ऑफ ए.एफ.पी. केसेस विद इनएडीक्वेट एण्ड वैक्सीन वायरस पोजीटिव स्टूल सैम्पल्स' पर आयोजित विशेषज्ञ समीक्षा समिति की बैठक में एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में भाग लिया।
- 4 दिसम्बर, 2018 को नई दिल्ली में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के प्रथम वर्ष के स्नातकोत्तर छात्रों के अभिप्रेरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तथा प्रेरक वक्ता के रूप में भाग लिया।
- 10 दिसम्बर, 2018 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार तथा युनीसेफ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित भारत सरकार के प्रजनन मातृत्व नवजात शिशु + किशोर (आरएमएनसीएच + ए) कार्यक्रम से प्राप्त उपलब्धियों को साझा करने, शिक्षण तथा नवोन्मेष पर आयोजित 'भारत दिवस' में भाग लिया।
- 11 दिसम्बर, 2018 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में एम.डी. (अस्पताल प्रशासन) हेतु आयोजित परीक्षा में परीक्षक के रूप में भाग लिया।
- 12-13 दिसम्बर, 2018 को नई दिल्ली में भारत सरकार द्वारा आयोजित तथा माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा उदघाटन किए 'पार्टनर्स फोरम फॉर मेटरनल न्यूबोर्न एण्ड चाइल्ड हेल्थ-2018' कार्यक्रम में भाग लिया।
- 14 दिसम्बर, 2018 को नई दिल्ली में समाज विकास केन्द्र के शासी निकाय की बैठक में सदस्य के रूप में भाग लिया।
- 26 दिसम्बर, 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय में जन स्वास्थ्य स्कूल की स्थापना करने के बारे में आयोजित बैठक में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- 25 जनवरी, 2019 को नई दिल्ली में जनसंख्या स्थिरता कोष की सामान्य निकाय की 5वीं बैठक में एक सदस्य के रूप में भाग लिया।
- 31 जनवरी, 2019 और 19 मार्च, 2019 को नई दिल्ली में एक विशेषज्ञ के रूप में, डब्ल्यूएचओ-राष्ट्रीय कार्यालय (राष्ट्रीय पोलियो निगरानी परियोजना) में 'इनएडीक्वेट एंड वैक्सीन वायरस पॉजिटिव स्टूल सैम्पल' के साथ एएफपी के मामलों के वर्गीकरण के लिए विशेषज्ञ समीक्षा समिति की बैठक में भाग लिया।
- 2 फरवरी, 2019 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली में माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार की अध्यक्षता में आयोजित राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन संचालन ग्रुप की छठी बैठक में भाग लिया।

- 15 फरवरी, 2019 को नई दिल्ली में व्यावसायिक और पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान 'यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज- कार्यक्षेत्र के विस्तार-सीमा' विषय पर एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की।
- 19-20 फरवरी, 2019 को नई दिल्ली में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण द्वारा आयोजित मीज़ल्स एंड रूबेला पर भारत विशेषज्ञ सलाहकार समूह की तीसरी बैठक में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में भाग लिया।
- 20 फरवरी, 2019 को आयोजित भारतीय जन स्वास्थ्य एसोसिएशन की बैठक की अध्यक्षता की।
- 21 फरवरी, 2019 को प्रतिरक्षण प्रभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में भारतीय विशेषज्ञ सलाहकार समूह की पोलियो रोग पर आयोजित बैठक में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- 25 फरवरी, 2019 को नई दिल्ली में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा चौथे ग्लोबल डिजीटल हेल्थ पार्टनरशिप समिट के दौरान 'इंटीग्रेटिड प्लेटफोर्मस फॉर ई-लर्निंग ऐन्ड एट केपेसिटी बिल्डिंग फॉर दि ग्लोबन हेल्थ वर्कफोर्स' विषय पर सत्र में एक पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।
- 28 फरवरी, 2019 को नई दिल्ली में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा सभी छात्रों हेतु मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य से संबद्ध मुद्दों का पता लगाने तथा उनमें स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने संबंधी अभ्यासों के बारे में नीति तैयार करने के बारे में आयोजित गोल मेज राष्ट्रीय परामर्शी बैठक में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- 12 मार्च, 2019 को नई दिल्ली में फॉर्मेको–इकोनॉमिक्स पर कार्यशाला में भाग लिया तथा 'प्रोक्योरमेंटः फार्मेको-इकोनॉमिक्स प्रिंसिपल्स एण्ड बेस्ट प्रेक्टिसिस' विषय पर पैनल चर्चा में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। यह कार्यशाला जैव प्रोद्यौगिकी विभाग, जैव प्रोद्यौगिकी विभाग, विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी मंत्रालय के अंतर्गत ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, स्वायत्तशासी संस्थान द्वारा आयोजित की गई थी।
- 27 मार्च, 2019 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान की 41वीं सामान्य परिषद बैठक में एक सदस्य के रूप में भाग लिया।

संकाय एवं स्टाफ सदस्यों की गतिविधियाँ

डॉ. तुलसीदास जी. श्रीवास्तव, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, प्रजनन एवं जैव-चिकित्सा विभाग

- 22-24 फरवरी, 2019 की अवधि में जेएनयू कन्वेंशन सेंटर, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली-110067 में आयोजित भारतीय समाज में प्रजनन एवं प्रजनन क्षमता (आईएसएसआरएफ) के अध्ययन हेतु 29वीं वार्षिक बैठक में भाग लिया तथा व्यावसायिक स्वास्थ्य, पर्यावरण तथा जीवन शैली के तथ्यों पर प्रकाश डालने के साथ, प्रजनन स्वास्थ्य पर वैश्विक सम्मेलन में स्टेम सेल अनुसंधान 'पुनर्योजी चिकित्सा-वर्तमान स्थिति तथा भविष्य की चुनौतियों' पर चौथे सत्र की अध्यक्षता एक विशेषज्ञ के रूप में की।

- 4 फरवरी, 2019 को 12:00 बजे जैव प्रौद्योगिकी विभाग, संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती में 'स्थायी कृषि के लिए हरे संश्लेषित तांबा, तांबा ऑक्साइड और चांदी के नैनोकणों का उपयोग करके नैनो आधारित कवकनाशी का विकास' विषयक पीएचडी के लिए साक्षात्कार परीक्षा में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- 18 और 19 मार्च, 2019 की अवधि में आईसीएमआर से वित्त पोषण के लिए नैनोमेडिसिन पर अस्सी परियोजनाओं की स्वीकृति में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- 29 मार्च, 2019 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में विज्ञान संकाय के अंतर्गत विज्ञान के मास्टर' के पुरस्कार के लिए प्रस्तुत किए गए "जेनेटिक स्टेडी सेनटोली सेल, ओनली सिंड्राग एमसीओएस" शीर्षक की स्वीकृति पर एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- 26 दिसंबर 2018 से 9 जनवरी, 2019 की अवधि में कायाकल्प योजना के तहत चार तृतीयक देखभाल संस्थान अर्थात् वल्लभभाई पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट (वीपीसीआई), दिल्ली अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), जोधपुर; महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (एमजीआईएमएस), वर्धा और क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस), इम्फाल के मूल्यांकन हेतु बाह्य मूल्यांकनकर्ता के रूप में भाग लिया।

डॉ. रजनी बग्गा, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान विभाग

- 11 मई, 2018 को वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल में 'संचार कौशल और तनाव प्रबंधन' विषय पर आयोजित कार्यशाला में पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों को टीम वर्क तथा लीडरशिप पर एक वक्तव्य दिया।
- 28 मई, 2018 को आईआईपीएच हैदराबाद में पीजीडीपीएचएम पाठ्यक्रम के लिए परीक्षक रूप में भाग लिया।
- 29 मई, 2018 को पीएचएफआई में पीजीडीपीएचएम पाठ्यक्रम की बैठक में भाग लिया।
- 25 जुलाई 2018 को नीति आयोग, नई दिल्ली में "भारत में नर्सिंग शिक्षा को बदलने हेतु मंथन सत्र" में भाग लिया।
- 13-15 अगस्त, 2018 की अवधि में लंदन, यूनाइटेड किंगडम में आयोजित 5वीं विश्व कांग्रेस आन नर्सिंग में भाग लिया तथा 'स्थायी स्वास्थ्य प्रणाली में रणनीतिक दृष्टि विकास के लिए नर्सिंग नेतृत्व' पर एक पूर्ण प्रस्तुतीकरण दिया।
- 17 जुलाई, 2018 को भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली में परियोजना समीक्षा ग्रुप (पीआरजी) की बैठक में भाग लिया।
- 23 और 24 जनवरी 2019 की अवधि में आईसीएमआर नई दिल्ली में विशेषज्ञ ग्रुप (ईजी) बैठक में भाग लिया।
- 21-23 फरवरी, 2019 की अवधि में एसआईएचएफडब्ल्यु, वडोदरा में स्वास्थ्य व्यावसायिकों के लिए आयोजित स्वास्थ्य देखभाल संचार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में 'बिल्डिंग सेल्फ अवेयरनेस एंड इमोशनल इंटेलिजेंस" तथा "नेतृत्व एवं प्रेरणा' पर एक सत्र हेतु आमंत्रित किया गया।
- 19 मार्च 2019 को आईसीएमआर, नई दिल्ली में विशेषज्ञ ग्रुप (ईजी) की बैठक में भाग लिया।

- 29 मार्च 2019 को लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज, नई दिल्ली में लेडी हार्डिंग मेडिकल कावेंटस वार्षिक सम्मेलन में प्रातः 9.00 से 1.00 बजे तक संचार एवं परामर्श कौशल पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।
- 8 मार्च 2019 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जेएनयू तथा डीएसटी द्वारा आयोजित महिला कॉन्क्लेव में एक पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।

डॉ. नीरा धर, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग

- 1 सितंबर, 2018 को जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, एएमयू, अलीगढ़ में चिकित्सा शिक्षा यूनिट में आयोजित वर्ष 2018 के बैच के नए एमबीबीएस तथा बीडीएस छात्रों हेतु स्ट्रेस एंड टाइम मैनेजमेंट आन वाइटकोट समारोह और ओरिएंटेशन प्रोग्राम विषय पर एक व्यास्यान दिया।
- 17-18 जनवरी, 2019 की अवधि में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC), नई दिल्ली में 'तनाव प्रबंधन' और 'परामर्श' पर एक विशेषज्ञ के रूप में व्यास्यान दिया।

डॉ. पुष्पांजलि स्वैन, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, सांख्यिकी एवं जनसांख्यिकी विभाग

- 10 अप्रैल, 2018 को एनआईएमएस, आईसीएमआर में वर्बल ऑटोप्सी द्वारा हुई मृत्यु के कारणों में तुलनात्मक तरीके से तुलना हेतु टीएसी की बैठक में भाग लिया।
- 8 मई, 2018 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ रीजनल डेवलपमेंट स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, नई दिल्ली में एम.फिल मौखिक (वाइवा-वॉयस) परीक्षा में परीक्षक रूप में भाग लिया।
- 6 जून, 2018 को नई दिल्ली को निर्माण भवन, नई दिल्ली में कवरेज मूल्यांकन सर्वेक्षण (सीईएस) हेतु टीएसी की बैठक में भाग लिया।
- 25 सितंबर, 2018 को यूनिसेफ, नई दिल्ली में कवरेज मूल्यांकन सर्वेक्षण (सीईएस) के लिए बैठक में भाग लिया।
- 3 से 4 दिसंबर, 2018 के दौरान मैड्रिड, स्पेन में 'विश्वव्यापी संक्रामक रोगों पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' में भाग लिया और 'भारत में एचआईवी प्रसार की गिरावट के निर्धारकों' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
- 28 जनवरी से 1 फरवरी, 2019 के दौरान नागालैंड में पारिवारिक निगरानी सर्वेक्षण (एचएसएस) 2019 में सर्वेक्षण एवं निगरानी दौर हेतु एएनसी में एचएसएस के 16वें दौर में एक सदस्य के रूप में भाग लिया।
- 23 जनवरी, 2019 को केंद्रीय सतर्कता आयोग के सभागार भवन नई दिल्ली में सीवीसी के त्रैमासिक/वार्षिक रिपोर्ट के ऑनलाइन उद्घाटन में एक प्रतिभागी के रूप मे भाग लिया।
- 19 फरवरी, 2019 को निर्माण भवन, नई दिल्ली में कवरेज मूल्यांकन सर्वेक्षण (सीईएस) 2019 के लिए तकनीकी सलाहकार समिति (टीएसी) की बैठक में एक सदस्य के रूप में भाग लिया।

- 20 फरवरी, 2019 को स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर आईटीओ, नई दिल्ली में 'भारत में जनसांख्यिकी संक्रमणः भविष्यवादी आउटलुक' में विशेषज्ञ के रूप में एक विशेष व्याख्यान दिया।
- 22 फरवरी, 2019 को निर्माण भवन, नई दिल्ली में जनगणना सहित गुणवत्ता जांच तथा सत्यापन हेतु 'राष्ट्रीय स्वास्थ्य संसाधन कोष (एनएचआरआर) की प्रगति' पर हुई बैठक में एक सदस्य के रूप में भाग लिया।

डॉ. पूनम खट्टर, प्रोफेसर एवं कार्यवाहक विभागाध्यक्ष, संचार विभाग

- 3 मई, 2018 को राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, दिल्ली में गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के व्यावहारिक परीक्षा के लिए बाह्य विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- 4-5 जून, 2018 को एनसीईआरटी, नई दिल्ली में 'आयुष्मान भारत के स्वास्थ्य स्कूल हेतु संसाधन सामग्री का विकास' पर आयोजित कार्यशाला में एक स्रोत व्यक्ति के रूप में भाग लिया।
- 6 जून, 2018 को लीला पैलेस, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्वास्थ्य योजना, 2017 के अंतर्गत लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु तंबाकू नियंत्रण उपायों के त्वरित कार्यान्वयन पर 'राष्ट्रीय परामर्श' कार्यक्रम में भाग लिया।
- 7 जून, 2018 को लीला पैलेस, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में तंबाकू, शराब और नशीले पदार्थों पर संबोधन हेतु नशा मुक्ति अभियान टास्क फोर्स में भाग लिया।
- 27 जुलाई, 2018 को मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज संस्थान में टी.बी. तथा फेफड़े संबंधी रोग (द यूनियन) के विरूद्ध अंतर्राष्ट्रीय यूनियन के सहयोग से स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ तथा मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज संस्थान, द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "तंबाकू नियंत्रण केन्द्र पर संसाधन केंद्र के लिए रूपरेखा को अंतिम रूप देने के लिए गोल-मेज परामर्श' में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।
- 14 अगस्त, 2018 को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली में कोष (सीओपी)-8 के एजेंडे पर चर्चा करने तथा भारत के हस्तक्षेप की रूपरेखा पर चर्चा हेतु एक बैठक में भाग लिया।
- 17-19 सितंबर, 2018 की अवधि में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली में आयोजित स्वास्थ्य एवं शारीरिक शिक्षा पर कक्षा XI की पाठ्यपुस्तक हेतु सामग्री का मसौदा तैयार करने के लिए समीक्षा बैठक में एक स्रोत व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

डॉ. मिहिर कुमार मलिक, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, प्रबंधन विज्ञान विभाग

- 4-12 सितंबर, 2018 की अवधि में तमिलनाडु राज्य में 12वें कॉमन रिव्यू मिशन में एक टीम के सदस्य के रूप में भाग लिया।

डॉ. मनीष चतुर्वेदी, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, एमसीएचए विभाग

- 14-15 मई 2018 की अवधि में डब्ल्युएचओ-एनसीडीसी द्वारा शिमला, हिमाचल प्रदेश में आयोजित जन स्वास्थ्य आपातकाल के दौरान संचार जोखिम पर एक कार्यशाला में भाग लिया।
- 15 जून, 2018 को इंस्टीट्यूट ऑफ सेक्रेटेरियल ट्रेनिंग एंड मैनेजमेंट (आईएसटीएम) के केंद्रीय सचिवालय सेवा (सीएसएस) के सचिवों हेतु ई-स्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम के 50 बैच के प्रतिभागियों को 'कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन प्रक्रिया सहित हैंडलिंग मेडिकल इमर्जेंसी' पर व्याख्यान दिया।
- 13 जून, 2018 को एनवीबीडीसीपी-डब्लूएचओ द्वारा ले मेरिडियन, नई दिल्ली में आयोजित ग्लोबल एलायंस टू एलीमेनेट लिम्फैटिक फाइलेरियासिस (जीएईएलएफ) की 10 वीं बैठक के उदघाटन कार्यक्रम में भाग लिया, जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री भारत सरकार द्वारा की गई।

डॉ. मीराम्बिका महापात्रो, एसोसिएट-प्रोफेसर, सामाजिक विज्ञान विभाग

- 5 अप्रैल, 2018 की अवधि में एनटीए, ईएसआईसी, द्वारका, नई दिल्ली में चिकित्सा व्यावसायिकों को वैज्ञानिक लेखन पर एक अतिथि व्याख्यान दिया।
- 21 दिसंबर, 2018 को वैज्ञानिक-बी पद की चयन समिति की अध्यक्षता हेतु आईसीएमआर द्वारा आमंत्रित किया गया।
- 18 जनवरी, 2019 की अवधि में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी), नई दिल्ली में 'केस मैनेजमेंट एवं हिंसा' पर एक विशेषज्ञ के रूप भाग लिया तथा 'मानव एवं स्वास्थ्य अधिकारों के शिकार के परामर्श' पर अतिथि व्याख्यान दिया।
- 13 मार्च, 2019 को अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली में 11-22 मार्च, 2019 को आयोजित 'नृवंशविज्ञान कार्यशाला' के प्रशिक्षण कार्यक्रम में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया, तथा 'एथनोग्राफी इन हेल्थ रिसर्च'पर एक अतिथि व्याख्यान दिया।
- 11 मार्च, 2019 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मलेरिया रिसर्च, नई दिल्ली में वैज्ञानिक बी पदों की चयन समिति में एक सदस्य के रूप में, भाग लिया।

डॉ. रेणु सहरावत, सहायक प्रोफेसर, प्रजनन जैव-चिकित्सा विभाग

- 10-14 सितंबर, 2018 की अवधि में हरियाणा राज्य के रोहतक, झज्जर, कुरुक्षेत्र और महेंद्रगढ़ जिले के लिए कवरेज मूल्यांकन सर्वेक्षण, 2018 की मैपिंग एवं लिस्टिंग के लिए फील्ड सर्वेक्षण की निगरानी की।

डॉ. अंकुर यादव, सहायक प्रोफेसर, संचार विभाग

- 17 दिसम्बर, 2018 को राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, वडोदरा, गुजरात में स्वास्थ्य परिचर्या संचार विषय पर प्रशिक्षकों को स्वास्थ्य देखभाल संचार एवं बाधा प्रशिक्षण के परिचय पर दो व्याख्यान दिए।

सलेक चंद, वरिष्ठ प्रलेखन अधिकारी, राष्ट्रीय प्रलेखन केंद्र

- 14 फरवरी, 2019 को आर्थिक विकास संस्थान, (दिल्ली विश्व-विद्यालय उत्तरी परिसर एन्क्लेव) दिल्ली द्वारा आयोजित एशियाई विशेष पुस्तकालयों 2019 के छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक तकनीकी सत्र में अध्यक्षता की तथा एक विशेषज्ञ के रूप में भी भाग लिया।
- 13 फरवरी, 2019 को अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा आयोजित 'ई-संसाधनों के उपयोग एवं उन तक पहुँच' पर एक कार्यशाला में एक सदस्य के रूप में भाग लिया।
- 1-2 मार्च, 2019 की अवधि में तुमकुर विश्वविद्यालय, तुमकुरु द्वारा आयोजित 'प्रयोक्ताओं के जीवन में पुस्तकालय पर 9वें केएमसीएलए राष्ट्रीय सम्मेलन' में एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की तथा एक विशेषज्ञ के रूप में भी भाग लिया।
- 16-17 फरवरी, 2019 की अवधि में दियू कालेज (यूटी) में दियू पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित डिजिटल इंडिया के अंतर्गत एक पहलः आईसीटीः सतत पर्यटन के विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान एक विशेषज्ञ के रूप में वक्तव्य प्रसतुत किया।
- 27-29 मार्च, 2019 की अवधि में बहुउद्देशीय हॉल, संस्कृत भवन, कला और संस्कृति निदेशालय, पणजी, गोवा में 'बौद्धिक संपदा अधिकारः डिजिटल ट्रांसफ़ॉर्मेशन' पर एक विशेषज्ञ के रूप में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

प्रशासनिक समाचार

प्रतिवेदित अवधि के दौरान संस्थान में सेवानिवृत्ति, पेंशन, पदोन्नति, नियुक्ति आदि से संबंधित विषयों को अंतिम रूप देने के लिए अनेक कार्यविधियों को सुप्रवाही किया गया है।-

(1) प्रबंध निकाय (जी.बी.)

संस्थान के कार्यों के प्रबंधन का मुख्य उत्तरदायित्व स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री की अध्यक्षता के अधीन गठित की गई शासकीय निकाय का है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के माननीय केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री की अध्यक्षता में 16 अप्रैल, 2018 को संस्थान की शासी निकाय की 39वीं बैठक आयोजित की गई थी।

(2) स्थायी वित्त समिति (एस.एफ.सी.)

स्थायी वित्त समिति एक अन्य महत्वपूर्ण समिति है, जो संस्थान के वित्तीय प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन करती है। रास्वापक संस्थान की स्थायी वित्तीय समिति की 60वीं बैठक 29 जून,2018 को श्रीमती प्रीति सूदन, सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अध्यक्षता में हुई थी।

(3) कार्यक्रम सलाहकार समिति (पीएसी)

समिति में विभिन्न विषयों/अनुशासनों के प्रतिनिधि शामिल हैं, जो केंद्रीय एवं राज्य स्तर तथा केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थानों से संबन्धित हैं तथा देश में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रमों के संवर्धन में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हैं।शिक्षण गतिविधियों के मार्गदर्शन करने हेतु तथा संस्थान की गतिविधियों की समीक्षा के लिए समिति की सामान्यतः एक वर्ष में दो बार बैठक आयोजित की जाती है।

कार्यक्रम सलाहकार समिति ने संपूर्ण प्रशिक्षण एवं अनुसंधान गतिविधियों के साथ-साथ चल रहे अध्ययन की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की। सभी संकाय सदस्यों, चिकित्सा अधिकारियों तथा अनुसंधान अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया।

सरकारी कामकाज में हिन्दी का प्रयोग

संस्थान में राजभाषा नीति के कारगर क्रियान्वयन संबंधी प्रगति की समीक्षा करने के लिए संस्थान के निदेशक की अध्यक्षता में एक राजभाषा कार्यान्वयन समिति कार्यरत है। राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्तमान संरचना अनुलग्नक - 1 में दी गई है रिपोर्ट के अनुसार प्रतिवेदित अवधि में (1 अप्रैल, 2018 से 31 मार्च, 2019), इस समिति की सभी त्रैमासिक बैठकें नियमित रूप से आयोजित की गईं।

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति का वर्तमान गठन निम्न प्रकार से हैः

1	प्रोफेसर जयंत दास, निदेशक	अध्यक्ष
2	प्रोफेसर संजय गुप्ता, डीन एव प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष, एपीडेमियोलॉजी विभाग	उपाध्यक्ष
3	श्री अनिल कुमार, उप-निदेशक (प्रशा.)	सदस्य
4	प्रोफेसर एस. वी अधीश, विभागाध्यक्ष, सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन विभाग	सदस्य
5	प्रोफेसर वी.के. तिवारी, योजना एवं मूल्यांकन विभाग	सदस्य
6	प्रोफेसर (श्रीमती) नीरा धर, प्रोफेसर, शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग	सदस्य
7	डॉ. (श्रीमती) मीराम्बिका महापात्रो, सह-प्रोफेसर, समाज विज्ञान विभाग	सदस्य
8	डॉ. अंकुर यादव, सहायक प्रोफेसर, संचार विभाग	सदस्य
9	डॉ. राजेश कुमार, सहायक प्रोफेसर, प्रजनन जैव चिकित्सा विभाग	सदस्य
10	श्री सलेक चन्द, वरिष्ठ प्रलेखन अधिकारी, राष्ट्रीय प्रलेखन केन्द्र	सदस्य
11	डॉ. जे.पी. शिवदासानी, अनुसंधान अधिकारी	सदस्य
12	श्री जगदीश शर्मा, आंकड़ा प्रविष्टि प्रचालक ग्रेड-ई, कंप्यूटर केन्द्र	सदस्य
13	अनुभाग अधिकारी (प्रशा.1)	सदस्य
14	अनुभाग अधिकारी (प्रशा.2)	सदस्य
15	अनुभाग अधिकारी (अकादमिक)	सदस्य
16	कार्यशाला एवं अनुरक्षण अधिकारी	सदस्य
17	लेखा अधिकारी	सदस्य
18	प्रभारी अधिकारी (भण्डार)	सदस्य
19	डॉ. गणेश शंकर श्रीवास्तव, उप-संपादक (हिन्दी)	सदस्य
20	सहायक निदेशक (रा.भा.)	सदस्य-सचिव

प्रतिवेदित अवधि (1 अप्रैल, 2018 से 31 मार्च, 2019) में, संस्थान में राजभाषा नीति के क्रियान्वयन संबंधी प्रगति रिपोर्ट का संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार से हैः

1. पत्र व्यवहार में हिन्दी का प्रयोग

इस अवधि के दौरान, 95.90% पत्र (ई-मेल और फैक्स संदेश सहित) हिन्दी में जारी हुए अर्थात् 'क' क्षेत्र के 97.00% पत्र , 'ख' क्षेत्र के 92.72% पत्र तथा 'ग' क्षेत्र के लिए क्रमशः 88.80% पत्र हिन्दी में जारी किए गए जबकि 'क' और 'ख' क्षेत्रों के लिए निर्धारित लक्ष्य 100% है तथा 'ग' क्षेत्र के लिए यह लक्ष्य 65% है। उक्त अवधि के दौरान शत प्रतिशत सामान्य आदेश हिन्दी में जारी किए गए थे। इसी प्रकार हिंदी में प्राप्त सभी पत्रों के उत्तर हिंदी में दिए गए ।

प्रतिवेदित अवधि में, दिन-प्रतिदिन के अनुवाद कार्य के अतिरिक्त निम्नलिखित विशिष्ट अनुवाद कार्य भी संपन्न किए गएः

2. विशिष्ट अनुवाद कार्य

प्रतिवेदित अवधि में, दिन-प्रतिदिन के अनुवाद कार्य के अतिरिक्त निम्नलिखित विशिष्ट अनुवाद कार्य भी संपन्न किए गएः

1. वार्षिक प्रतिवेदन, 2017-18
2. वार्षिक लेखा रिपोर्ट, 2017-18
3. प्रमाण पत्र, बैनर और विभिन्न विभागों के विज्ञापनों से संबंधित प्रोफार्मा/सामग्री का अनुवाद।
4. नव-नियुक्त सीएचएस चिकित्सा अधिकारियों के लिए प्रथम फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन से संबंधित निमंत्रण कार्ड, विज्ञापन, बैनर इत्यादि के ड्राफ्ट का अनुवाद।
5. संसदीय समिति के लिए एक प्रश्नावली का अनुवाद
6. निविदा सूचना प्रपत्र
7. संस्थान में परियोजना हेतु विभिन्न पदों जैसे आशुलिपिक ग्रेड-III, अवर श्रेणी लिपिक, अनुसंधान सहायक और बहुकार्यकारी कर्मचारियों हेतु कौशल एवं लिखित परीक्षा हेतु सामग्री का अनुवाद।
8. अनुशासनात्मक कार्यवाही से संबंधित दस्तावेजों का अनुवाद - 2 सेट
9. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की वर्ष वार्षिक रिपोर्ट 2018-19 में शामिल करने के लिए संकलित सामग्री का अनुवाद।
10. वर्ष 2017-18 के लिए लेखा परीक्षा रिपोर्ट प्रमाणपत्र, एसएआर पैरा और संबंधित सामग्री का अनुवाद।
11. संस्थान में 2018-19 की प्रतिवेदित अवधि के दौरान त्रैमासिक न्यूजलैटर तथा सभी चार तिमाहियों के लिए सामग्री का आंशिक अनुवाद।
12. वर्ष 2017-18 हेतु विलंब विवरण सामग्री का अनुवाद।
13. संस्थान के दिन-प्रतिदिन के काम से संबंधित विभिन्न प्रपत्रों का अनुवाद।

14. 29 अक्टूबर से 3 नवंबर, 2018 की अवधि में आयोजित सतर्कता जागरूकता सप्ताह से संबंधित सामग्री का अनुवाद।
15. संस्थान के वार्षिक दिवस 2019 प्रदर्शनी के पैनलों से संबंधित सूचना सामग्री का अनुवाद।
16. वर्ष 2017-18 के लिए समीक्षा विवरण का अनुवाद।
17. संस्थान की वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु हिन्दी अनुवाद कार्य।
18. संस्थान वार्षिक दिवस समारोह, 2019 से संबंधित आमंत्रण पत्र, प्रमाण पत्र और पता सामग्री के ड्राफ्ट और प्रेस विज्ञप्ति का अनुवाद।

3. हिन्दी शिक्षण योजना

क. हिन्दी शिक्षण योजना के अंतर्गत स्टाफ सदस्यों को हिन्दी आशुलिपि तथा हिन्दी टंकण में प्रशिक्षण

संस्थान के 9 नियमित अंग्रेजी आशुलिपिकों में से 8 आशुलिपिकों को हिन्दी आशुलिपि में प्रशिक्षित किया जा चुका है तथा इनमें से शेष 01 आशुलिपिक को हिन्दी आशुलिपि प्रशिक्षण के लिए अगले प्रशिक्षण सत्र में नामित किया जाएगा। इसी प्रकार, 15 टंककों/अवर श्रेणी लिपिकों में से 13 को हिन्दी टंकण में पहले ही प्रशिक्षित किया जा चुका है।

ख. स्टाफ का हिन्दी-प्रशिक्षण

संस्थान के सभी 178 स्टाफ सदस्यों को हिन्दी भाषा का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है, जिनमें से 94 को हिन्दी में प्रवीणता प्राप्त है तथा शेष 84 को हिन्दी भाषा का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है।

4. सरकारी कामकाज में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग संबंधी प्रोत्साहन योजना

प्रतिवेदित अवधि में संस्थान के 10 कर्मचारियों ने उपरोक्त प्रोत्साहन योजना में भाग लिया था। वित्तीय वर्ष 2018-19 हेतु , उनके कार्य का मूल्यांकन निदेशक के अनुमोदन से गठित एक उप-समिति द्वारा किया जाएगा।

5. हिन्दी पखवाड़ा

1-15 सितंबर, 2018 की अवधि के दौरान, संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा आयोजित किया गया था, जिसके अंतर्गत निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गई थीं:

1. 31 अगस्त, 2018 को संस्थान के निदेशक प्रोफेसर जयंत दास की ओर से एक अपील जारी की गई थी, जिसमें संस्थान के सभी स्टाफ सदस्यों से उनके दैनिक कामकाज में हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग करने का आग्रह किया गया था।

2. इस अवसर पर 4 सितम्बर, 2018 को संस्थान के हिन्दी तथा अहिन्दी भाषी कर्मचारियों के लिए एक निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इस निबंध प्रतियोगिता का विषय 'बढ़ता प्लास्टिक प्रदूषण और चुनौतियां' तथा 'बच्चों में कुपोषण की समस्या' निर्धारित किया गया था।
3. 5 सितम्बर, 2018 को हिन्दी टिप्पण एवं प्रारूपण प्रतियोगिता आयोजित की गई।
4. 8 सितंबर 2018 को 'सोशल मीडिया से लाभ या हानि?' विषय पर हिंदी वाक प्रतियोगिता आयोजित की गई।
5. 10 सितम्बर, 2018 को संस्थान के बहुकार्यकारी कर्मचारियों के लिए हिन्दी श्रुतलेख प्रतियोगिता आयोजित की गई।
6. 11 एवं 12 सितम्बर, 2018 को हिन्दी लिखित एवं मौखिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई।
7. 14 सितंबर, 2018 को संस्थान में 'हिंदी दिवस' का आयोजन किया गया। राजभाषा अधिनियम के प्रावधानों के साथ कर्मचारियों को अवगत कराने के लिए, मुख्य अतिथि प्रतिष्ठित पत्रकार श्री अरविन्द कुमार सिंह, संपादक (संसदीय मामले) राज्य सभा टी. वी. द्वारा '' वर्तमान परिप्रेक्ष्य में हिंदी का प्रयोग" विषय पर एक व्याख्यान दिया गया।

6. अन्य गतिविधियाँ

अ. बैठक/सम्मेलन प्रतिभागिता

- 30 मई, 2018 को श्री अरविन्द कुमार, सहायक निदेशक (राजभाषा) और 29 अक्टूबर, 2018 को डॉ. गणेश शंकर श्रीवास्तव, उप संपादक (हिंदी) तथा श्रीमती कल्पना मिश्रा, कनिष्ठ हिंदी अनुवादक ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, दक्षिण दिल्ली-2 की बैठक में केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, सम्मेलन हॉल, एनआरपी भवन, कटवारिया सराय, नई दिल्ली में भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के अध्यक्ष ने की।

- संस्थान के निदेशक प्रोफेसर जयंत दास, श्री अनिल कुमार, उप निदेशक (प्रशा.) तथा श्री अरविंद कुमार, सहायक निदेशक(राजभाषा) ने 22 जून, 2018 को श्री अश्विनी कुमार चौबे, माननीय राज्य मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अध्यक्षता में हिंदी सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया।

- 13 सितंबर, 2018 को, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली में श्री अरविंद कुमार, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने एमटीएस कर्मचारियों के लिए आयोजित हिंदी श्रुतलेखन प्रतियोगिता में बाह्य परीक्षक के रूप में कार्य किया।

- 28 दिसंबर, 2018 को श्री अरविंद कुमार, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने एम्स, रायपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला में एम्स, रायपुर के कर्मचारियों को त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट एवं राजभाषा नियम कार्यान्वयन में प्रशिक्षित करने के लिए अतिथि वक्ता के रूप में भाग लिया।

ब. संस्थान का राजभाषाई निरीक्षण

- 5 अक्टूबर, 2018 को, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की संयुक्त निदेशक (राजभाषा) सुश्री निहारिका सिंह एवं उनके वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक श्री प्रीतम सिंह सहित एक निरीक्षण दल ने संस्थान का दौरा किया।

स. संस्थान में हिंदी कार्यशाला

- 4 से 5 दिसंबर, 2018 के दौरान संस्थान में सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग पर दो दिवसीय उन्नीसवीं हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई।

द. 'जन स्वास्थ धारणा' का विमोचन

इस अवधि के दौरान 9 मार्च, 2018 को संस्थान के वार्षिक दिवस समारोह के अवसर पर, हिंदी पत्रिका जन स्वास्थ धारणा के 24वें अंक को विमोचन कार्यक्रम के माननीय मुख्य अतिथि तथा अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा किया गया।

प्रतिवेदित अवधि के दौरान हिंदी पत्रिका जन स्वास्थ्य धारणा के 24वें अंक में प्रकाशित लेख निम्नानुसार हैं:-

- कुमार अनिल, हेल्दी है हल्दी
- कुमार अरविन्द, 'रोगों का वैकल्पिक उपचारः प्राकृतिक चिकत्सा' तथा 'नासमझ है मन' (कविता)
- यादव डॉ. अंकुर, रावत वीरेंद्र, शीतकालीन मौसम और स्वास्थ्य
- श्रीवास्तव डॉ. गणेश शंकर, हिन्दी में विज्ञान पत्रकारिता।

घटनाक्रम

डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 127वीं जयंती

भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 127वीं जयंती 16 अप्रैल 2018 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान में मनाई गई। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रोफेसर जयंत दास ने संस्थान के सभागार में भारतीय संविधान के मुख्य वास्तुकार को पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर, निदेशक, प्रोफेसर जयंत दास, उप निदेशक(प्रशा.) श्री अनिल कुमार, डीन प्रोफेसर संजय गुप्ता, प्रोफेसर पूनम खट्टर, डॉ. किरण रंगारी, श्री वी.पी. उप्रेती तथा श्री श्यामवीर ने भारतीय संविधान के निर्माण करने में बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के महत्वपूर्ण योगदान के बारे में अपने विचार साझा किए।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस

रास्वापक. संस्थान में 31 मई 2018 को 'वर्ल्ड नो टोबैको डे' (डब्ल्यूएनटीडी) मनाया गया। इस समारोह की अध्यक्षता रास्वापक. संस्थान के निदेशक प्रोफेसर जयंत दास द्वारा की गई। डीन, उप निदेशक (प्रशा.) तथा अन्य सभी स्टाफ सदस्यों ने इस आयोजन में भाग लिया। तंबाकू के उपयोग का बोझ, सामाजिक-आर्थिक पहलुओं, मनुष्यों पर पड़ने वाले बुरे प्रभाव तथा तंबाकू की खेती के विकल्प के रूप में फसलों के नियमित आवर्तन (रोटेशन) के प्रयोग के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। सरकार द्वारा तंबाकू के उपयोग को रोकने के लिए किए गए प्रयासों पर भी प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर, द्वितीय वर्ष के एमडी (सीएचए) छात्रों और पीजीडीपीएचएम अंतर्राष्ट्रीय छात्रों ने मुंह के कैंसर तथा गले के कैंसर में प्रमुख कारण के रूप में चबाए जाने वाले तंबाकू के दुष्प्रभावों पर जोर देते हुए एक नाटक प्रस्तुत किया। कार्यक्रम उपरोक्त विषय पर एक पैनल चर्चा के साथ आगे बढ़ा, जिसमें दोनों चबाने योग्य और धूम्रपान के रूप में सेवन होने वाले तंबाकू के हानिकारक प्रभावों को बड़े पैमाने पर दर्शाया गया। तंबाकू की खेती पर प्रतिबंध लगाने में कठिनाइयों तथा नए उपचार एवं पुनर्वास विकल्पों पर चर्चा की गई। इस आयोजन ने दर्शकों को धूम्रपान छोड़ने के प्रति सचेत किया, एक स्वस्थ जीवन शैली को अपनाने जैसे 30 मिनट के दैनिक व्यायाम करने तथा उन्हें संस्थान परिसर के अंदर धूम्रपान प्रयोग पर रोक लगाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। अंत में, पैनलिस्टों द्वारा अनेक नारे प्रदर्शित किए गए। यह आयोजन निदेशक के संबोधन के साथ संपन्न हुआ, जिसमें संस्थान को तंबाकू मुक्त करने के लिए नीतिगत निर्णयों पर जोर दिया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस

रास्वापक. संस्थान में 5 जून, 2018 को 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाया गया। विश्व पर्यावरण दिवस, 2018 की थीम "प्लास्टिक प्रदूषण को हराओ" था; जिससे हम एक साथ मिलकर इस वैश्विक पर्यावरणीय चुनौती का सामना कर सकें। कार्यक्रम का प्रारंभ उप-निदेशक श्री अनिल कुमार के भाषण के साथ शुरू हुआ, जिसमें उन्होंने प्लास्टिक के प्रयोग ना करने पर जोर दिया, उन्होंने कहा कि प्लास्टिक के अधिक उपयोग से एक खतरनाक वैश्विक पर्यावरण आपदा का सामना करना पड़ सकता है।

एमडी (सीएचए) प्रथम वर्ष के छात्रों ने उपरोक्त विषय पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया। उन्होंने प्लास्टिक प्रदूषण से उत्पन्न हानिकारक रसायनों और विषाक्त पदार्थों तथा स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों से अवगत कराया। चर्चा में 'एकल उपयोग किए प्लास्टिक को अस्वीकार करें, जिसे आप पुनः उपयोग नहीं कर सकते हैं उसे अस्वीकार करें' के संदेश पर जोर दिया।

विभिन्न संदेशों को प्रदर्शित किया गया और दर्शकों को प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कर्मचारियों द्वारा इस कार्यक्रम के अंत में शपथ ली गई थी कि, "हम एक साथ मिलकर यह सुनिश्चित करते हैं कि हमारी भावी पीढ़ी को स्वच्छ एवं हरा-भरा वातावरण प्रदान करेगें तथा प्रकृति के साथ समन्वय स्थापित करेगें"। निदेशक और अन्य संकाय सदस्यों द्वारा परिसर में पेड़ लगाकर समारोह का समापन किया गया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

संस्थान में 15 अगस्त, 2018 को, स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर जयंत दास ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा राष्ट्रगान गाया गया। इस अवसर पर निदेशक प्रोफेसर जयंत दास तथा उपस्थित विभाग के सदस्यों ने सभा को संबोधित किया। श्रीमती अनिमा सिन्हा के निर्देशन में संस्थान के स्टाफ सदस्यों के बच्चों द्वारा एक संगीत कार्यक्रम आयोजित किया गया।

हिंदी पखवाड़ा

1 से 15 सितंबर 2018 की अवधि में हिंदी पखवाड़े के दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान में विभिन्न प्रतिस्पर्धी और रोचक कार्यक्रम आयोजित किए गए। 31 अगस्त,2018 को निदेशक महोदय ने सभी विभागों/अनुभागों से हिन्दी में अधिकाधिक कामकाज करने की अपील की। पखवाड़े के दौरान निबंध, टिप्पण एवं प्रारूपण, श्रुतलेख, लिखित प्रश्नोतरी आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। लिखित प्रश्नोत्तरी और श्रुतलेख को छोड़कर, अन्य सभी प्रतियोगिताओं का आयोजन गैर-हिंदी भाषा श्रेणी के लिए किया गया था। 14 सितंबर, 2018 को, सभागार में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता श्री अरविंद कुमार सिंह (राज्यसभा टीवी-संसदीय मामलों के संपादक) ने मुख्य अतिथि के रूप में की तथा निदेशक प्रोफेसर जयंत दास ने हिन्दी दिवस के समापन सत्र की अध्यक्षता की। माननीय मुख्य अतिथि ने कामकाज में हिन्दी के उपयोग को बढ़ाने के संबंध में सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर हिंदी पखवाड़े के दौरान संस्थान में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. गणेश शंकर श्रीवास्तव ने किया और श्री अरविंद कुमार (सहायक-निदेशक-राजभाषा) ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

29 अक्टूबर 2018 से 3 नवंबर 2018 तक संस्थान में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। 29 अक्टूबर, 2018 को सुबह 11 बजे निदेशक, प्रोफेसर जयंत दास ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध संस्थान के कर्मचारियों को शपथ दिलाई। निदेशक एवं संस्थान के सभी कर्मचारियों ने अखंडता और पारदर्शिता के साथ काम करने, संस्थान की समृद्धि और गरिमा के साथ

किसी भी भय और पक्षपात के बिना काम करने की शपथ ली। 31 अक्टूबर को संस्थान में एक वाद-विवाद प्रतियोगिता भी आयोजित की गई थी। इस दौरान, संस्थान में स्लोगन, सतर्कता प्रश्नोत्तरी, निबंध और प्रारूपण और वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। प्रोफेसर टी.जी. श्रीवास्तव, प्रोफेसर वी.के. तिवारी, प्रोफेसर पूनम खट्टर, डॉ. राजेश कुमार और श्री अरविंद कुमार निर्णायक समिति में थे। 2 नवंबर, 2018 को संस्थान के निदेशक प्रो. जयंत दास ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया।

नव वर्ष दिवस

1 जनवरी 2019 को नए साल के अवसर पर प्रशासनिक खंड के सामने एकत्र हुए सभी कर्मचारियों ने एक दूसरे को बधाई दी। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर जयंत दास ने सभी कर्मचारियों को बधाई दी और उनकी प्रसन्नता, स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति शुभकामनाएं व्यक्त कीं ।

गणतंत्र दिवस समारोह

26 जनवरी 2019 को, गणतंत्र दिवस मनाया गया। संस्थान के निदेशक, प्रोफेसर जयंत दास ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा सभी कर्मचारियों को बधाई दी। इस अवसर पर संस्थान के सभी सदस्यों ने राष्ट्रीय गान गाया। निदेशक, प्रोफेसर जयंत दास ने सभा को संबोधित करते हुए जोर दिया कि हम सभी को राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारियों को निष्ठापूर्वक निभाना चाहिए।

वार्षिक खेल दिवस

संस्थान में 7 मार्च 2019 को वार्षिक खेल दिवस मनाया गया। विभिन्न आउटडोर और इनडोर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपना खेल कौशल दिखाया। कुछ खेलों को वार्षिक दिवस के पूर्व आयोजित किया गया था और कुछ खेल उसी दिन आयोजित किए गए थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक प्रोफेसर जयंत दास ने की। श्रीमती रूपा दास मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

42वां वार्षिक दिवस समारोह

संस्थान में 09 मार्च 2019 को 42वां वार्षिक दिवस समारोह मनाया गया। इस अवसर पर, डॉ. आलोक मुखोपाध्याय, अध्यक्ष, भारतीय स्वैच्छिक स्वास्थ्य संघ (वीएचएआई) मुख्य अतिथि के रूप में तथा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के प्रमुख सलाहकार (जन स्वास्थ्य), डॉ.एन. एस. धर्मशक्तु विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर, पुलवामा के महान शहीदों के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से की गई। माननीय मुख्य अतिथि डॉ. आलोक मुखोपाध्याय, डॉ. एन.एस. धर्मशक्तु, संस्थान के निदेशक प्रोफेसर जयंत दास और प्रोफेसर टी.जी. श्रीवास्तव ने दीप प्रज्जवलित किया। इस अवसर पर रास्वापक. संस्थान के निदेशक प्रोफेसर जयंत दास ने संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की और कुछ प्रमुख गतिविधियों और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

प्रोफेसर दास ने संस्थान को जन स्वास्थ्य विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित करने के अपने दृष्टिकोण (विजन) को साझा किया, ताकि देश की जन-स्वास्थ्य आवश्यकताओं व चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया जा सके। डॉ. एन.एस. धर्मशक्तु ने कहा कि जैसे हमारे शरीर में हार्मोन बहुत महत्वपूर्ण हैं, उसी प्रकार रास्वापक. संस्थान स्वास्थ्य क्षेत्र में एक हार्मोन के रूप में काम कर रहा है।

मुख्य अतिथि, डॉ. आलोक मुखोपाध्याय ने महाभारत की एक घटना का उल्लेख करते हुए स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला, जहां युधिष्ठिर ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी अच्छा स्वास्थ्य है। डॉ. मुखोपाध्याय ने यह भी उल्लेख किया कि रास्वापक. संस्थान विभिन्न राज्यों के सभी राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थानों को एक उच्च तकनीकी मार्ग दिखा सकता है। उन्होंने कहा कि रास्वापक. संस्थान स्वास्थ्य के क्षेत्र में शिक्षण, प्रशिक्षण और प्रकाशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इस अवसर पर संस्थान में विभिन्न पाठयक्रमों के उत्कृष्ट छात्रों को सम्मानित किया गया। संस्थान के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों तथा कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। गणमान्यों द्वारा संस्थान के हिन्दी जर्नल 'जन स्वास्थ्य धारणा' के 24वें अंक का विमोचन भी किया गया। प्रोफेसर टी.जी.श्रीवास्तव ने सभी का धन्यवाद व्यक्त किया। प्रोफेसर नीरा धर और श्री वी. पी. उप्रेती ने कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया।

संस्थान में आगंतुक

वर्ष 2018-2019 में निम्नलिखित शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों और संकाय सदस्यों ने संस्थान में शिक्षण प्राप्त किया:

- 10 अप्रैल, 2018 को जीआरटी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, जीआरटी महालक्ष्मी नगर, तिरुतनी, तमिलनाडु
- 27 अप्रैल 2018 को "नेशनल अल्कोहल एंड टोबैको अथॉरिटी (मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ) छात्रों के अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि।
- 1 से 4 मई, 2018 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), जोधपुर, राजस्थान।
- 18 से 22 जून, 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के तीन कॉलेज (1) यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज (यूसीएमसी), (2) लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज (एलएचएमसी), (3) मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज (एमएएमसी) ।
- 3 से 4 जुलाई, 2018 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ,अंसारी नगर, नई दिल्ली।
- 4 जुलाई, 2018 को अकाल कॉलेज ऑफ नर्सिंग इंटरनल यूनिवर्सिटी बारू साहिब सिरमौर जिला, हिमाचल प्रदेश।
- 31 अगस्त, 2018 को चौथे वर्ष बी.एस.सी. नर्सिंग छात्र, स्कूल ऑफ नर्सिंग गलगोटियास यूनिवर्सिटी प्लॉट नंबर-1, सेक्टर -17 ए यमुना एक्सप्रेसवे ग्रेटर नोएडा, जीबी नगर, यूपी।
- 7 सितंबर, 2018 को पोस्ट-ग्रेजुएट ट्रेनी मेडिकल ऑफिसर, सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज (एएफएमसी), पुणे, महाराष्ट्र।
- 26 सितंबर, 2018 को परिवार कल्याण प्रशिक्षण और अनुसंधान केंद्र, 332, एस.वी.पी. रोड, स्वेतवाड़ी, मुंबई।
- 27 सितंबर, 2018 को चौथे वर्ष बी.एससी नर्सिंग छात्र एवं महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय तथा 02 संकाय सदस्य ।
- 28 सितंबर, 2018 को केएसपीएच, भुवनेश्वर के अस्पताल प्रशासन (एमएचए) के तीसरे सेमेस्टर के छात्र।
- 11 जनवरी, 2019 को सिस्टर निवेदिता गवर्नमेंट नर्सिंग कॉलेज, आईजीएमसी, शिमला।
- 18 जनवरी, 2019 को लक्ष्मी मेमोरियल कॉलेज ऑफ नर्सिंग, ए.जे. टावर्स, बालमट्टा, मंगलुरू।
- 23 जनवरी, 2019 को मानसिक स्वास्थ्य संस्थान, मानसिक स्वास्थ्य के लिए सरकारी अस्पताल अहमदाबाद, गुजरात।
- 29 जनवरी, 2019 को हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज स्वामी राम हिमालयन यूनिवर्सिटी, देहरादून।
- 4 फरवरी, 2019 को फादर मुलर कॉलेज ऑफ नर्सिंग फादर मुलर रोड कैनकेनडी, मंगलुरु।
- 5 फरवरी, 2019 को जीवनदीप स्कूल ऑफ नर्सिंग, बरालपुर, चंदमारी, वाराणसी।
- 13 फरवरी, 2019 को इंदिरानी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एसवीएमसीएच और आरसी कैंपस, अरियुर पुडुचेरी।
- 14 फरवरी, 2019 को एथेना कॉलेज ऑफ नर्सिंग, फल्नीर रोड, बैंगलोर।
- 18 फरवरी, 2019 को विनायका मिशन कॉलेज ऑफ नर्सिंग, किरुमपक्कम, पुदुचेरी।

- 21 फरवरी, 2019 को कॉलेज ऑफ नर्सिंग, सेंट फिलोमेना अस्पताल, नंबर-1, मदर थेरेसा रोड, बैंगलोर।
- 21 फरवरी, 2019 को सेंट जोसेफ कॉलेज ऑफ नर्सिंग, दरगामिट्टा, नेल्लोर, आंध्र प्रदेश।
- 25 फरवरी, 2019 को नर्सिंग प्रथम वर्ष के छात्र रूफिएदा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय।
- 26 फरवरी, 2019 को श्री देवी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, मैना टावर्स, बल्लालबाग, बैंगलोर।
- 28 फरवरी, 2019 को तेजस्विनी नर्सिंग संस्थान, अनंतपद्मनाभ मंदिर, कुदुपु, मंगलुरु।
- 1 मार्च, 2019 को के. पंड्याराज बल्लाल नर्सिंग संस्थान, कॉलेज ऑफ नर्सिंग, उल्लाल मंगलौर, कर्नाटक।
- 5 मार्च, 2019 को मदर थेरेसा पोस्ट ग्रेजुएट और रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज, जिमेर, इंदिरा नगर, गोरिमेडु, पुदुचेरी।
- 5 मार्च, 2019 को सीएनसी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, कोइरेंगी, इम्फाल ईस्ट, मणिपुर।
- 8 मार्च, 2019 को राजकुमारी अमृत कौर कॉलेज ऑफ नर्सिंग, दिल्ली यूनीवर्सिटी।
- 26 मार्च 2019 को कालेज आफ नर्सिंग कालेज, कुर्जी होली फैमिली अस्पताल, पटना, बिहार।
- 26 मार्च 2019 को विवेकानंद कालेज आफ नर्सिंग, लखनऊ।

प्रकाशन

- महापात्रो एम. 2017. सार्वजनिक स्वास्थ्य में गुणात्मक अनुसंधानः भारत में एक क्रॉस-सांस्कृतिक घरेलू हिंसा से संबंधित पद्धति, एशियन जर्नल ऑफ सोशल साइंस 45:73-92
- महापात्रो एम. 2017. क्वालीटेटिव रिसर्च इन पब्लिक हैल्थः क्रास कल्चरल।
- महापात्रो एम. तथा एस. केलकर, 2017, भारतीय महिला परिप्रेक्ष्य में ग्रामीण उडीशा की महिलाओं के लिए प्रसव की जगह तय करने में एएनसी का निर्धारण, आधुनिक नैदानिक चिकित्सा अनुसंधान 1(1): 20-27
- नारायण राज तथा ए. के. नितेश (2018) भारत में उच्च तथा निम्न प्रचलन वाले राज्यों में एचआईवी/ एड्स के बारे में जागरूकता, ज्ञान तथा धारणा में ग्रामीण-शहरी अंतर, सांख्यिकी अनुप्रयोगों और संभाव्यता पत्र का जर्नल, एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 5 (2), 1-15
- सिंह एस. के. तथा नारायण राज (2018) पूर्वी उत्तर प्रदेश, भारत से प्रवासन प्रक्रिया की व्याख्या करने के लिए संभावना मॉडल, इंटर डिसिप्लिनरी साइंसेज का गणितीय जर्नल, 6 (2), 137-166
- सिंह एस.पी. तथा एम. महापात्रो 2018: घरेलू हिंसा के शिकार संस्थान और पीड़ितः भारत में न्याय तक पहुँचने के लिए एक अंतः क्रियात्मक मॉडल, अभ्यास में विकास, 28 (4): 1-10
- कुमार ए. तथा एम. महापात्रो 2018: सामुदायिक-आधारित गुणात्मक स्वास्थ्य अनुसंधानः भारत में वार्ता नैतिकता, गुणवत्ता और मात्रा- इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मेथोडोलॉजी, 52 (3): 1437-1446
- गौतम, एस. 2018: भारत में स्वास्थ्य और मरीजों के अधिकार, द्विवेदी, पी. (सं.), वैश्वीकरण के युग में मानवाधिकार, कानपुर, विकास प्रकाशन, पृष्ठ 68-72
- करोल जी.एस. और जयंत दास 2018: राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल में आशा (ASHAs) और ग्राम पंचायतों (पीआरआई) की भूमिकाः ग्रामीण राजस्थान में एक प्रभाव अध्ययन, भारत की राजनीतिक अर्थव्यवस्था जर्नल, 27 (1): 67-75
- महापात्रो एम. 2018. भारत में घरेलू हिंसा और स्वास्थ्य देखभालः नीति और व्यवहार, सिंगापुरः स्प्रिंगर प्रकृति, आईएसबीएन 978-981-10-6158-5
- वाई.एस. कुरनियावन, एस. रामचंद्र राव, के. ओतो, डब्ल्यू. इवासाकी, एच. कावाकिता, एस. मोरिसदा, एम. मियाज़ाकी, जुमिना, 2019 ट्रोपोइल-मोनोऑसिटिक एसिड कैलिक्स [4] से व्युत्पन्न समुद्री जल से तीव्र और कुशल लिथियम आयन रिकवरी छोटी बूंद आधारित माइक्रोकैक्टर प्रणाली, पृथक्करण और शोधन तकनीक, 211, 925-934,
- कुरनियावन वाई.एस., रामचंद्र राव एस., डब्ल्यू. इवासाकी, मोरिसदा एस., कावाकिता एच., के. ओहो, मियाज़ाकी एम., जुमिना, 2018 माइक्रोफ्लुइडिक रिएक्टर फॉर पब (II) आयन सेपरेशन और रिमाइंड एमीड ऑफ़ कैलिक्स (4) से युक्त। स्पेक्ट्रोस्कोपिक अध्ययन द्वारा समर्थित, माइक्रोकैमिकल जर्नल, 142, 377-384,

नियुक्तियां, पदोन्नति और सेवानिवृत्तियां

नियुक्ति

1. डॉ. विकास शर्मा, चिकित्सा अधिकारी (16-04-2018)
2. डॉ. रविन्द्र कुमार, चिकित्सा अधिकारी (06-12-2018)

पदोन्नति

1. सुश्री पुष्पा रानी, स्टाफ नर्स से नर्सिंग सिस्टर (16-01-2018)
2. श्रीमती हंस कुमारी, पुस्तकाल्याध्यक्ष से तकनीकी अधिकारी, प्रलेखन (01-09-2018)
3. श्रीमती मंजू गाबा, अवर श्रेणी लिपिक से उच्च श्रेणी लिपिक (31-12-2018)
4. श्री विनोद कुमार, अवर श्रेणी लिपिक से उच्च श्रेणी लिपिक (31-12-2018)
5. श्री सुनील कुमार, तकनीकी सहायक. प्रोडक्शन (प्रोसेसिंग) (31-12-2018)
6. श्री लखन लाल मीणा, ग्रैनिंग मशीन-प्लेट मेकर (31-12-2018)
7. श्रीमती सुनीता खन्ना, अवर श्रेणी लिपिक से उच्च श्रेणी लिपिक (02-01-2019)
8. श्री एलिज़र टर्की, बहु कार्यकारी कर्मचारी से अवर श्रेणी लिपिक (14-01-2019)
9. श्री एस.पी.सिंह, अवर श्रेणी लिपिक से उच्च श्रेणी लिपिक (01-02-2019)

एमएसीपी/वित्तीय उन्नयन

1. श्री परिमल पार्या, (अनुसंधान अधिकारी)
2. डॉ. गिरिराज हल्कर, (वरिष्ठ तकनीकी सहायक)
3. श्री जगदीश सिंह रावत, सहायक (प्रतिनियुक्ति पर लेखाकार)
4. श्री जवाहर सिंह रावत, तकनीकी सहायक (प्रयोगशाला)
5. श्रीमती कुसुम लता साहू, सीनियर तकनीकी सहायक (प्रयोगशाला)
6. डॉ. गणेश शंकर श्रीवास्तव, उप-संपादक (हिन्दी)
7. श्रीमती शिखा सैनी, तकनीकी सहायक (प्रयोगशाला)

सेवानिवृत्ति/इस्तीफा

1. डॉ. टी. बीर, प्रोफेसर, सामाजिक विज्ञान, 31.03.2018
2. श्री जग मेहर सिंह (वरिष्ठ तकनीकी सहायक), 31.7.2018
3. श्री सुरेश पाल, बहु कार्यकारी कर्मचारी, 30.6.2018
4. श्रीमती सविता बाला, बहु कार्यकारी कर्मचारी, 30.6.2018
5. श्री दिनेश कुमार मीणा, प्रतिलिपि धारक, 31.7.2018

6. श्रीमती अनिमा सिन्हा, अवर श्रेणी लिपिक 31.7.2018
7. श्रीमती सुशील भल्ला, उच्च श्रेणी लिपिक, 31.7.2018
8. डॉ. विकास शर्मा, चिकित्सा अधिकारी (14.09.2018 को त्यागपत्र दिया)
9. श्री डी.के. ढींगरा, उच्च श्रेणी लिपिक 31.01.2019
10. डॉ. उत्सुक दत्ता का पुनः नियुक्ति का कार्यकाल 28.2.2019 को समाप्त हुआ।
11. श्री डी.एस.रावत, उच्च श्रेणी लिपिक, 31.03.2019

परिशिष्ट

I. शासी निकाय सदस्यों की सूची

II. स्थायी वित्त समिति के सदस्यों की सूची

III. कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्यों की सूची

IV. संकाय सदस्यों की सूची

V. स्वीकृत और वर्तमान मानवशक्ति

परिशिष्ट-I

शासी निकाय सदस्यों की सूची

(31 मार्च 2019 के अनुसार)

क्र.सं.	नाम	पद
1.	श्री जगत प्रकाश नड्डा माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली।	अध्यक्ष (पदेन)
2.	सुश्री प्रीति सूदन सचिव (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली।	उपाध्यक्ष (पदेन)
3.	डॉ. एस. वेंकटेश महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली।	सदस्य (पदेन)
4.	डॉ. बलराम भार्गव सचिव, स्वास्थ्य, अनुसंधान विभाग (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय) महानिदेशक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद अंसारी नगर, नई दिल्ली।	सदस्य (पदेन)
5.	डॉ. रणदीप गुलेरिया निदेशक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान अंसारी नगर, नई दिल्ली।	सदस्य (पदेन)
6.	श्री अरुण सिंघल अपर सचिव (स्वास्थ्य)	सदस्य (पदेन)

	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली।	
7.	डॉ. आर.के. वत्स अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली।	सदस्य (पदेन)
8.	श्री सुधांश पंत संयुक्त सचिव (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली।	सदस्य (पदेन)
9.	डॉ. के. एस. जेम्स निदेशक अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान गोवंडी स्टेशन रोड, देवनार, मुंबई	सदस्य (पदेन)
10.	श्री आलोक कुमार कमरा नंबर 263, सलाहकार (स्वास्थ्य) एनआईटीआई भवन, संसद मार्ग नई दिल्ली।	सदस्य (पदेन)
11.	प्रोफेसर सौदान सिंह डीन उत्तर डी.एम.सी. चिकित्सा महाविद्यालय हिंदू राव अस्पताल, मलका गंज दिल्ली -110007	सदस्य (पीएसी के अध्यक्ष, रास्वापकसं) (पदेन) 30-01-2019 से
12.	डॉ. आलोक मुस्योपाध्याय, कार्यकारी निदेशक, स्वैच्छिक स्वास्थ्य एसोसिएशन ऑफ इंडिया बी-40, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया आईआईटी, नई दिल्ली -110016	सदस्य 14-05-2018 से

13.	डॉ. राजेश कुमार डीन चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान स्नातकोत्तर संस्थान (पीजीआईएमआर) चंडीगढ़- 160012	सदस्य 14-05-2018 से
14.	डॉ. संजीव कुमार कार्यकारी निदेशक अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रबंधन अनुसंधान संस्थान (IIHMR) प्लॉट नंबर 3, एचएएफ पॉकेट, सेक्टर 18 ए, चरण- II, द्वारिका,नई दिल्ली -110075	सदस्य 14-05-2018 से
15.	डॉ. दिलीप मावलंकर निदेशक इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ गांधीनगर, गुजरात - 382042.	सदस्य 14-05-2018 से
16.	डॉ. बी.एस. गर्ग पूर्व डीन महात्मा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान वर्धा, महाराष्ट्र - 442102	सदस्य 14-05-2018 से
17.	डॉ. निखिल टंडन प्रोफेसर और प्रमुख एंडोक्रिनोलॉजी विभाग एम्स, नई दिल्ली-110029	सदस्य 14-05-2018
18.	डॉ. शैली अवस्थी प्रोफ़ेसर बाल रोग विभाग केजीएमयू, लखनऊ- 226003	सदस्य 14-05-2018 से
19.	प्रोफेसर जयंत दास निदेशक रास्वापकसं. नई दिल्ली।	सदस्य सचिव (पदेन)

(1-11 और 19 पदैन सदस्य हैं और 12-18 गैर-आधिकारिक सदस्य अध्यक्ष द्वारा नामित किए गए हैं)

परिशिष्ट – II

स्थायी वित्त समिति के सदस्यों की सूची

(31 मार्च 2019 के अनुसार)

क्र. सं.	नाम	पद
1.	सुश्री प्रीति सूदन सचिव (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली-110108	अध्यक्ष
2.	डॉ. एस. वेंकटेश महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं निर्माण भवन, नई दिल्ली-110108	सदस्य (पदेन)
3.	डॉ. आर.के. वत्स अतिरिक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली-110108	सदस्य (पदेन)
4.	श्री आलोक कुमार, आईएएस सलाहकार (स्वास्थ्य) नीति आयोग, योजना भवन, नई दिल्ली -110001	सदस्य (पदेन)
5.	श्री सुधांश पंत संयुक्त सचिव (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली-110108	विशेष आमंत्रित व्यक्ति
6.	प्रोफेसर जयंत दास निदेशक, रास्वापक. संस्थान नई दिल्ली-110108	सदस्य सचिव (पदेन)

परिशिष्ट – III

कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्यों की सूची

(31 मार्च 2019 के अनुसार)

क्र.सं	नाम	पद
1.	प्रोफेसर सौदान सिंह डीन उत्तर डी.एम.सी. चिकित्सा महाविद्यालय हिंदू राव अस्पताल, मलका गैंग दिल्ली -110007	अध्यक्ष
2.	डॉ. बलराम भार्गव सचिव स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय) महानिदेशक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद अंसारी नगर, नई दिल्ली।	सदस्य (पदेन)
3.	डॉ. एस. वेंकटेश स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक, निर्माण भवन, नई दिल्ली - 110108.	सदस्य (पदेन)
4.	श्री सुधांश पंत संयुक्त सचिव (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली - 110108.	सदस्य (पदेन)
5.	श्री आलोक कुमार, आईएएस सलाहकार (स्वास्थ्य) नीति आयोग, योजना भवन, नई दिल्ली -110001.	सदस्य (पदेन)
6.	डॉ. के.एस. जेम्स निदेशक अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान	सदस्य (पदेन)

	गोवंडी स्टेशन रोड देवनार, मुंबई 400 088	
7.	डॉ. जयंती एस. रवि आयुक्त और प्रमुख सचिव (जन-स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग गुजरात सरकार, ब्लॉक नंबर 5, पहली मंजिल, पुराना सचिवालय डॉ. जीवराज मेहता भवन, सेक्टर नंबर 10 गांधीनगर, गुजरात -382010	सदस्य (30.01.2019 से)
8.	डॉ. संजीव दलवी निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, कैम्पल, पणजी, गोवा - 403001	सदस्य (30.01.2019 से)
9.	डॉ. एम.एम. वसीम निदेशक, राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान शेखपुरा, पटना -80014, बिहार।	सदस्य (30.01.2019 से)
10.	डॉ. राजो सिंह निदेशक, मणिपुर स्वास्थ्य निदेशालय, लम्फेल्पट, रिम्स रोड, इंफाल।	सदस्य (30.01.2019 से)
11.	प्रोफ़ेसर भारत भास्कर निदेशक भारतीय प्रबंधन संस्थान, अटल नगर, पी.ओ. कुरन (अभनपुर), रायपुर छत्तीसगढ़-493661	सदस्य (30.01.2019 से)
12.	डॉ. संजय गुप्ता प्रोफ़ेसर एवं विभागाध्यक्ष (सीएचए) रास्वापक.संस्थान, नई दिल्ली।	सदस्य (30.01.2019 से)
13.	डॉ. रजनी बग्गा प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान विभाग रास्वापक.संस्थान, नई दिल्ली।	सदस्य (30.01.2019 से)

14.	प्रोफेसर जयंत दास निदेशक रास्वापक.संस्थान, नई दिल्ली	सदस्य सचिव (पदेन)
15.	डॉ. आशुतोष हलदर प्रोफ़ेसर एवं विभागाध्यक्ष, प्रजनन जीवविज्ञान विभाग, अखिल भारतीय चिकित्सा संस्थान अंसारी नगर, नई दिल्ली 110029.	सहकारिता सदस्य (04.12.17 से)

परिशिष्ट – IV

संकाय सदस्यों की सूची

(31 मार्च, 2019 तक)

प्रोफेसर जयन्त दास	निदेशक
संचार विभाग	
प्रोफेसर पूनम खट्टर	प्रोफसर एवं कार्यकारी विभागाध्यक्ष
डॉ. अंकुर यादव	सहायक प्रोफेसर
सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन विभाग	
प्रोफेसर एस.वी. अधीश	प्रोफसर एवं विभागाध्यक्ष
डॉ. नंदिनी सुब्बैया	एसोसिएट प्रोफेसर
चिकित्सा देखभाल एवं अस्पताल प्रशासन विभाग	
प्रोफेसर मनीष चतुर्वेदी	प्रोफेसर एवं कार्यकारी विभागाध्यक्ष
शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग	
प्रोफेसर नीरा धर	प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
महामारी विज्ञान विभाग	
प्रोफेसर संजय गुप्ता	प्रोफेसर एवं कार्यकारी विभागाध्यक्ष
प्रबंधन विज्ञान विभाग	
प्रोफेसर मिहिर कुमार मलिक	प्रोफेसर एवं कार्यकारी विभागाध्यक्ष
योजना एवं मूल्यांकन विभाग	
प्रोफेसर वी.के. तिवारी	प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
डॉ. रमेश चंद	सहायक प्रोफेसर
प्रजनन जैव-चिकित्सा विभाग	
प्रोफेसर टी. जी. श्रीवास्तव	प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
डॉ. एस.आर. राव	रीडर
डॉ. रेणु शेहरावत	सहायक प्रोफेसर
डॉ. राजेश कुमार	सहायक प्रोफेसर
सामाजिक विज्ञान विभाग	
प्रोफेसर रजनी बग्गा	प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
डॉ. मीराम्बिका महापात्रो	एसोसिएट प्रोफेसर
डॉ. सरिता गौतम	सहायक प्रोफेसर

सांख्यिकी एवं जनसांख्यिकी विभाग

डॉ. पुष्पांजलि स्वैन — प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष

कुल संकाय सदस्यः 19 (निदेशक सहित)

परिशिष्ट – V

31 मार्च 2019 के अनुसार रास्वापक. संस्थान में पद संख्या की स्थिति

श्रेणी	मंजूर पद संख्या (%)	पद संख्या की स्थिति (%)	रिक्त पद (%)
ग्रुप-ए	66	35 (53.0%)	31 (47.0%)
ग्रुप-बी	125	68 (54.4%)	57 (45.6%)
ग्रुप-सी (गैर-तकनीकी/ तकनीकी)	120	74 (61.7%)	46 (38.3%)
ग्रुप-सी (एमटीएस)+अन्य ग्रुप-सी हेल्पर (ऑफसेट प्रेस) ग्रुप-सी प्रयोगशाला परिचर सहित पूर्ववर्ती समूह 'डी' पद	103 (75 + 28)	59 (57.3%)	44 (42.7%)
Total	**414**	**236 (57.0%)**	**178 (43.0%)**

CONTENTS

Sl. No.	Subject	Page No.
1.	From the Director's Desk	i
2.	Overview	iii-vii
3.	Education and Training	1-7
4.	Research and Evaluation	8-22
5.	Specialised Services	23-28
6.	Specialised Projects and Consortium Activities	29-37
7.	Consultancy and Advisory Services	38-47
8.	Administrative Measures	48
9.	Use of Hindi in Official Work	49-53
10.	Events	54-56
11.	Visitors to the Institute	57-58
12.	Publications	59
13.	Appointments, Promotions and Superannuations	60
14.	Annexures	61
I.	List of Governing Body Members	62-64
II.	List of Standing Finance Committee Members	65
III.	List of Programme Advisory Committee Members	66-68
IV.	List of Faculty Members	69
V.	Manpower Position	70

FROM THE DIRECTOR'S DESK

It gives me great pleasure to present the Annual Report of the National Institute of Health & Family Welfare.

The National Institute of Health and Family Welfare is the apex technical Institute in the field of health and family welfare since 9 March, 1977. The Institute has demonstrated exceptional expertise related to diverse areas in the field of health and family welfare over a period of time. The Institute has catered to the emerging needs of the nation by conducting various activities such as post-graduate education, in-service training courses, research and evaluation, consultancy, advisory and specialized services.

As a multi-disciplinary Institute, the NIHFW has striven to provide support to the MoHFW for a wide range of activities which include implementation and evaluation of health programmes.

One of the mandates of the Institute is capacity building of human resources in the health sector. The NIHFW's efforts in training various categories of human resources in different areas such as National Cold Chain Vaccine Management Resource Centre, National Skill Lab-*Daksh*, Centre for Health Informatics, Public Health Systems Capacity Building in India Project in collaboration with CDC, Atlanta, etc. have contributed to a great extent in the health sector. The faculty of the Institute have proven their acumen in the respective areas of expertise. They provided consultancy and advisory services to many organizations. As an apex technical Institute, we stand committed to enhancing the quality of trainings and other technical activities in the field of health and family welfare.

We are grateful to Smt. Preeti Sudan, Secretary, Health and Family Welfare for her continuous encouragement. The MoHFW has continued to provide all support to the Institute and it is my privilege to thank all the officers of MoHFW. I am thankful to the respected members of the Governing Body, Standing Finance Committee and Programme Advisory Committee for their support and keen interest in the activities of the Institute.

I would like to extend my sincere thanks to Prof. Jayanta K. Das, former Director, NIHFW for his guidance and leadership during the period under review. On this occasion, I acknowledge with gratitude the cooperation & support extended by all the faculty and staff of the Institute throughout the year. I am sure as an Institute we will reach new heights of excellence with dedicated efforts of faculty and staff.

We look forward to having feedback from you towards strengthening of the Institute so as to address the emerging needs of our nation.

Jai Hind!

(Harshad Thakur)
(Director)

The National Institute of Health and Family Welfare

AN OVERVIEW

Since its inception, The National Institute and Health and Family Welfare has enriched the field of health and family welfare and public health by conducting diverse activities such as capacity building through educational courses, trainings, research and evaluation activities. The thrust areas of NIHFW include Health and related Policies, Public Health Management, Health Sector Reforms, Health Economics and Financing, Population Optimization, Reproductive Health, Hospital Management, Communication for Health and Training Technology in Health. The Institute addresses a wide range of issues on Public Health through its eleven departments, which are multi-disciplinary in nature.

Vision

NIHFW is to be seen as an Institute of global repute in public health and family welfare management.

Mission

The Institute acts as a catalyst and an innovator for management of public health and family welfare programmes through in-depth Education and Training, Research and Evaluation, Consultancy and Advisory Services as well as Specialised Services through inter-disciplinary expertise.

Major Committees

The major committees of the Institute include the Governing Body (GB), the Standing Finance Committee (SFC) and the Programme Advisory Committee (PAC). The GB under the Chairmanship of the Union Minister of Health and Family Welfare, looks into the overall governance of the Institute. The SFC is headed by the Union Secretary, MoHFW and takes care of the financial aspects. The PAC takes care of the academic activities of the Institute. Director, NIHFW, acts as the Member-Secretary in all these committees.

Educational Activities

Post-Graduate Education

The following educational activities of the Institute are organized to meet the basic public health education requirements and promote academic excellence in the fields of health and family welfare programmes in the country.

(i) **M.D. (Community Health Administration):** Three-year Post Graduate Degree in Community Health Administration M.D. (CHA) is affiliated to University of Delhi and recognized by the Medical Council of India (MCI). This course has been continuing since 1969. There are ten seats each year.

(ii) Diploma in Health Administration: The two-year Post-Graduate Diploma in Health Administration (DHA), is affiliated to University of Delhi and is recognized by the Medical Council of India (MCI). This course has an in-take capacity of six students every year.

(iii) Post-Graduate Diploma in Public Health Management (PGDPHM): This course was started by the Institute in 2008 in collaboration with the Public Health Foundation of India, and supported by the MoHFW. The course has 30 seats for national candidates and 10 for international candidates. The objective of the course is to enhance the capacity of middle level in-service health professionals.

Total twelve national students have enrolled in the course whereby nine students are self-sponsored and three candidates have been nominated by the State Governments. Four students from foreign countries have enrolled in this course during 2018-19. The international students in this academic year are from Gambia (3) & Zimbabwe (1).

Six Diploma Courses of one year duration through Distance Learning Mode

Given below are the courses and the number of students appeared in the examination:

(i) Health and Family Welfare Management: 73 students
(ii) Hospital Management: 222 students
(iii) Health Promotion: 56 students
(iv) Public Health Nutrition: 34 students; and
(v) Applied Epidemiology: 29 students
(vi) Health Communication

E-Learning Courses

The Certificate Course for Professional Development in Management, Public Health and Health Sector Reforms addresses the needs of Senior Medical Officers in different States of India who are at the brink of being promoted to occupy district level positions in their respective States. The State of Kerala has sponsored 42 candidates for this course during the year 2018-19.

Ph.D. Programme: Six students were awarded their Ph.D. with registrations in various universities during the year under review.

Summer Training: Thirteen students completed their short-term summer training courses in various departments of the NIHFW.

Faculty and students from different educational institutions visited the NIHFW during the year under review.

Training and Workshops

A number of trainings were organized ranging from Curriculum Design and Evaluation, Health Promotion, Nursing Administration, Social and Behaviour Change Communication, Occupational and Environmental Health, Hospital Administration, Leadership and Counseling. In all, fifty two (52) training courses and workshops (intra-mural and extra-mural) were organized by the Institute.

Research and Evaluation

The Institute gives priority to research work in different aspects of health and family welfare. During the year under review, the Institute was involved in seventeen research studies. Out of these, eight research studies have been completed. This includes five studies undertaken by the M.D. (CHA) students. The remaining nine studies are under progress.

Specialized Services

Specialized services of the Institute include clinical, documentation, printing and publications. Brief of each is given below:

Clinical Services

The Institute is recognized as one of the centres of excellence in reproductive health care. The services on ante-natal and post-natal care, immunization, supply of iron and folic acid, vitamin 'A' supplementation, etc. were provided to the patients visiting the clinic.

Lab Facilities

The laboratory of the Institute provide an in-depth investigation of the causes of reproductive disorders such as endocrinological, anatomical/surgical, genetic and others. The scientific approaches adopted in the management of endocrinological and reproductive disorders; and infertility management have paid rich dividends.

Publications

The NIHFW has been publishing the following:

- HPPI quarterly Journal since 1978
- A Quarterly Newsletter since 1999; and
- A Hindi publication *Jan Swasthya Dhaarna* since 1995.

Use of Hindi in Official Work

The official language implementation in the Institute is regularly monitored by a committee duly constituted for this purpose. During the period under report, 95.90% correspondence (including letters, e-mails and fax messages) done in Hindi in which 97% correspondence for region 'A', 92.72% for region 'B' and 88% correspondence for region 'C' against the fixed target of 100% for 'A' & 'B' regions & 65% for 'C' region. Cent percent General Orders were issued bilingually during the said period. Similarly, all the letters received in Hindi were replied to in Hindi.

National Documentation Centre

National Documentation Centre is an active member of Developing Library Network (DELNET) and shares its resources with more than 5000 member libraries including Library of Congress, Washington. DELNET has a total collection of 2,45,45,450 books and 37,847 periodicals. NDC is also member of NML-ERMED India Consortium to provide free access to 258 journals. In addition to the above, through Online Public Access Catalogue (OPAC), bibliographical details of all publications/documentations are accessible at the link-htttp://14.1393.63.242/. Important publications like committee/commission reports, technical reports, HPPI journals, important NIHFW publications, etc. have been digitized and made accessible through the link – http://www.nihfw.org/WNDC.aspx.

Advisory and Consultancy Services

The Director and faculty members of the Institute provide advisory and consultancy services to various national, international and voluntary organizations in various capacities. The Director and faculty participated in various academic activities at national and international levels.

Mother and Child Tracking Facilitation Centre (MCTFC)

Mother and Child Tracking Facilitation Centre was set-up at The National Institute of Health and Family Welfare to support in improving the data quality related to Mother and Child. Total 19,28,930 beneficiaries; 25,101 ANMs and 1,53,569 ASHAs were contacted in the financial year 2018-19 through MCTFC for validation of records; promotion of Government schemes and assessment of services delivered at field level; and effectiveness of implementation of Government schemes. Voice messages related to maternal health, child care, immunization and family planning are being delivered to pregnant women and parents of child through MCTFC IVRS system. Total 18 different types messages were sent to pregnant women and parents of children.

Centre for Health Informatics

The Ministry of Health and Family Welfare (MoHFW) has set-up a National Health Portal (NHP) in pursuance with the decisions of the National Knowledge Commission (NKC), to provide health information and health care related information to the citizens of India. The NHP would serve as a single point of access to multilingual health information, application and resources. A wide-spectrum of users such as academicians, citizens, students, health care professionals, researchers, etc. are benefitted from the National Health Portal. NIHFW has established a Centre for Health Informatics (CHI) to work as the secretariat for managing the activities of the National Health Portal.

National Cold-Chain and Vaccine Management Resource Centre (NCCVMRC)

The NCCVMRC has been set-up at NIHFW with the objective of capacity building of all the district-level cold chain technicians involved in Universal Immunization Programme to undertake repair and maintenance of about 70000 cold-chain equipment in about 27000 cold-chain points in the country. In addition, around 300 cold-chain officers and vaccine and logistics managers have been trained in vaccine logistics management at this Centre. A National Cold-Chain Management

Information System (NCCMIS) is operational across all States and UTs of India to provide real time information on all cold-chain equipment along with real time temperature monitoring of selected bulk vaccine stores. In addition, it has completed the review and update of NCCMIS in 29 states across the country.

Foundation Training Programmes

Third residential Foundation Training Programme (FTP) of 8 weeks duration for the newly recruited CHS Medical Officers was organized. Total 79 Medical Officers were trained in the reported year.

National Skills Lab (*DAKSH*)

Provision of providing quality health care services in public health facilities is one of the important mandates under the National Health Mission. To achieve this, it is important that the health care providers such as Medical Officers, Nurses and ANMs working at the health facilities, are required to be skilled in the areas of reproductive, maternal, newborn and child health care. Keeping this in mind, the Government of India has introduced a system of competency-based training and certification programme to be implemented through Skills Labs.

Skills Lab serves as a prototype demonstration and learning facility for healthcare providers; and focuses on competency-based training. Total 706 health care professionals have been trained since its inception till 31st March 2019. 96 participants got trained in 11 batches during the year under review.

Public Health Systems Capacity Building in India Project

Public Health Systems Capacity Building in India Project (PHSCBI) was established in NIHFW for a period of five years, to strengthen surveillance activities, outbreak investigation and improve managerial skills of health work force working at state and district-level in the country.

Facilities

The NIHFW has a state of the art video conferencing facility in addition to a 280-seater auditorium equipped with high-tech public-address systems. An exclusive Teaching Block with multiple halls fitted with ultra-modern teaching-aids is dedicated for the training courses that can hold many training courses simultaneously. The Hostel of the Institute has plenty of rooms to accommodate around 100 guests at a time. The Hostel also has a gymnasium for its visitors. The NIHFW has a badminton court and cricket-cum-football ground for out-door games as well as chess, carrom and table tennis indoor-games facility where the employees de-stress themselves.

It also has staff quarters in its premises for the greater benefit of the employees.

EDUCATION AND TRAINING

The National Institute of Health and Family Welfare (NIHFW) undertakes various types of education and training programmes targeting the public health practitioners in public health and family welfare. The Institute undertook the following teaching and training programmes during the reported financial year 2018-19.

(i) Three-year Post-Graduate Degree Course M.D. in Community Health Administration
(ii) Two-year Post-Graduate Diploma in Health Administration
(iii) One-year Post-Graduate Diploma in Public Health Management
(iv) Diploma in Health and Family Welfare Management through Distance Learning
(v) Diploma in Hospital Management through Distance Learning
(vi) Diploma in Health Promotion through Distance Learning
(vii) Diploma in Health Communication through Distance Learning
(viii) Diploma in Applied Epidemiology through Distance Learning
(ix) Diploma in Public Health Nutrition through Distance Learning
(x) Certificate Course for Professional Development in Management, Public Health and Health Sectors Reforms through e-learning, and
(xi) Various short-term training courses, ranging from one to ten-week duration.

Teaching Courses

Three-year M.D. in Community Health Administration

As per the mandate of the Institute to provide appropriate trained manpower to meet the health needs of the country, the Institute has been offering a three-year post-graduate degree course, M.D. in Community Health Administration, since 1969. This course is affiliated to the University of Delhi, and recognised by the Medical Council of India (MCI). Over the years, this course has become very popular among the health professionals in the country. Hitherto, a total of 298 students have passed out this course.

During 2018-2019, 18 students attended the course including five in the third year, five in the second year and eight in the first year.

Two-year Post-Graduate Diploma in Health Administration

Started in 1993, this two-year Post-Graduate Diploma in Health Administration offered by the Institute is also affiliated to the University of Delhi and is recognised by the Medical Council of India (MCI).

One-year Post-Graduate Diploma in Public Health Management

NIHFW in collaboration with Ministry of Health and Family Welfare, Government of India (GoI) and Public Health Foundation of India offer a Post-Graduate Diploma in Public Health Management. The GoI gives fellowships for ten international students facilitated by Partners in Population and Development (PPD). Twelve students (national) enrolled for the year 2018-19. Four international students nominated by PPD (three from Gambia and one from Zimbabwe) joined the course. Since the introduction of this course, 176 students have passed out hitherto.

Diploma in Health and Family Welfare Management through Distance Learning

This course has been specially designed to impart knowledge to the participants about the existing structure and functioning of the health care system, including its managerial problems. In addition, various management concepts, techniques, tools and resource management are discussed in this course which is opened to medical, nursing, dental and AYUSH graduates. 73 candidates appeared in the examination, out of which 68 have successfully completed the course. Since the introduction of this course in 1991-92, 1635 students have been awarded this Diploma.

Diploma in Hospital Management through Distance Learning

The Diploma in Hospital Management has been specially designed to impart knowledge to the participants about the existing structure and functioning of the health care system including managerial problems in hospitals. In addition, various management concepts, techniques, tools and resource management are discussed in this course which is opened to medical, nursing, dental and AYUSH graduates. This course was started in August 1995 with the enrolment of 100 students.

222 candidates appeared in the examination in 2017-18, 187 students have successfully completed the course during this year. Hitherto, 2794 students have successfully completed this Diploma Course.

Diploma in Health Promotion through Distance Learning

Started in the academic year 2010-11, this course has been designed to impart knowledge to the participants to focus on lifestyle related problems and is also meant for medical, paramedical and other stakeholders. 56 candidates appeared in the examination in 2017-18, 42 have successfully passed this course. Till now, 366 students have been awarded this Diploma.

Diploma in Health Communication through Distance Learning

This course started in the academic year 2015-2016 for imparting knowledge to the participants about Heath Communication, communication theories and the basic concepts of health and diseases in various socio-cultural contexts.

Diploma in Applied Epidemiology through Distance Learning

The course is specially designed to impart knowledge of various epidemiological techniques and uses of epidemiology to the participants. 29 candidates appeared in the examination and all of them passed.

Diploma in Public Health Nutrition through Distance Learning

The course is specially designed to generate greater awareness and understanding of the nutritional sciences pertaining to Public Health Nutrition (PHN) among the participants. 34 candidates appeared in the examination and all of them passed.

Certificate Course for Professional Development in Management, Public Health and Health Sectors Reforms through e-learning

The Certificate Course for Professional Development in Management, Public Health and Health Sector Reforms was developed under the Health Sector Reforms activities supported by the European Commission. It addresses the needs of Senior Medical Officers in different State Health systems of India, who are either working at District Level or are at the brink of being promoted to occupy district level positions in their respective States. The State Government of Kerala sponsored 42 candidates for this course during the year 2018-19. For convenience of the candidates, an Orientation training programme was conducted at SIHFW, Kerala.

In-service Training Courses/Workshops/Meetings

The training courses and workshops (intra-mural and extra-mural) are organized by the Institute every year with an aim to (i) familiarize the participants with the goals and objectives of health and family welfare programmes; (ii) update their knowledge and understanding of operational difficulties in implementation; and (iii) suggest remedial measures to overcome such constraints.

During the year under review, 52 training courses, workshops and meetings were organized for various categories of health personnel.

These training courses focus on issues like NHM/RCH, HIV/AIDS, National Health Programmes, Reproductive Bio-medicine, Health Care of Elderly, Immunization, Information Technology in Health, Nutrition and Life Disorders, Geographic Information System, Logistics and Supply Management System, Health Management, Hospital Management, Human Resource Management, Health Communication, Training Technology, Health Promotion, Health Economics/Health Financing, Statistics and Demography, Social Sciences, Adolescent, Research Methodology and so on.

Relevant work sheets, case studies and role plays were used matching with the content areas. For the trainings which require skill development, 'Hands on Training' was given for practice using dummies, models and other training aids. Field visits were organized whenever required to support

the learning experiences. In most of the trainings, considerable time was planned for developing 'Action Plans' as per the needs and the objectives of the training. Participants developed 'Action plans' with inputs from faculty, which were discussed thoroughly and modifications included.

A List of Training Courses, Workshops, Conferences and Meetings Organized during the Financial Year 2018–19 is given below:

Sl. No.	Title of Course	Name of Coordinator/ Nodal Officer	Duration	No. of Partici-pants
1.	Training for Cold Chain Technicians in repair and maintenance of Walk-In-Coolers (WICS)	Prof. Sanjay Gupta	23rd to 27th April, 2018	23
2.	Skill Lab Training in Maternal and Child Health for ANMs Nurses and Medical Officers from Jammu & Kashmir	Dr. Nanthini Subbiah	7th to 12th to May, 2018	4
3.	Skill Lab Training in Maternal and Child Health for ANMs Nurses and Medical Officers from Jammu & Kashmir	Dr. Nanthini Subbiah	18th to 23rd June, 2018	7
4.	Training of Cold Chain Technicians for Repair and Maintenance of ILR-DF & Voltage Stabilizer.	Prof. Sanjay Gupta	11th to 19th July, 2018	23
5.	Training on Curriculum Design and Evaluation	Prof. Neera Dhar	23rd to 27th July, 2018	25
6.	Seventh National Batch of Training on Vaccine and Cold Chain Management T-VaCC	Prof. Sanjay Gupta	30th July to 3rd August, 2018	14
7.	Training of Cold Chain Technicians for Repair and Maintenance of ILR-DF & Voltage Stabilizer.	Prof. Sanjay Gupta	1st to 9th August, 2018	21
8.	Foundation Training Programme for the Newly Recruited CHS Medical Officers	Prof. Mihir Mallick	26th August, 2018 to 6th October, 2018	82
9.	Training course on Hospital Preparedness for Health Emergency for Senior Hospital Administrators under Capacity Building in Public Health Emergency Management	Dr. Manish Chaturvedi	27th August to 1st Sept. 2018	26
10.	Training of Cold Chain Technicians for Repair and Maintenance of ILR-DF & Voltage Stabilizer.	Prof. Sanjay Gupta	23rd to 31st August, 2018	18
11.	Training of Data Analysis using Statistical Software for Health and Demographic Research	Dr. Pushpanjali Swain	10th to 14th September, 2018	23
12.	Rapid Response Team (RRT) Training of Trainers (TOT)	Dr. N.K. Yadav	10th to 14th September, 2018	14
13.	Training of Cold Chain Technicians for Repair and Maintenance of ILR-DF & Voltage Stabilizer.	Prof Sanjay Gupta	12th to 20th September, 2018	22
14.	Training Course on Health Care Communication	Prof. Mihir Kumar Mallick	24th to 28th September, 2018	18

15.	Sensitizing Master-trainers on a Guide to Palliative Care for Community Health Workers	Dr. Sanjay Gupta	23rd to 24th September, 2018	18
16.	Skill Lab Training in Maternal and Child Health for ANMs Nurses and Medical Officers from Bihar	Dr. Nanthini Subbiah	8th to 13th October, 2018	8
17.	Training Programme regarding Cold Chain Technicians for Repair and Maintenance of ILR/DF and Voltage Stabilizer	Prof. Sanjay Gupta	10th to 18th October, 2018	18
18.	Training Course on IT application for Information Management in Health Science Libraries	Mr. Salak Chand	22nd to 26th October, 2018	20
19.	Training Course in Management for Senior Nursing Administrators	Dr. Nanthini Subbiah	29th October to 2nd November, 2018	24
20.	Training Course on Gender-Based Violence and Human Rights for Promoting Women Health under NHM	Prof. Rajni Bagga	29th October to 2nd November, 2018	22
21.	Orientation Training on Health Policy, Planning and Financing in context of PIP under NHM	Prof. V.K. Tiwari	12th to 16th November, 2018	41
22.	Skill Lab Training in Maternal and Child Health for ANMs Nurses and Medical Officers from Bihar	Dr. Nanthini Subbiah	26th Nov. to 1st December, 2018	14
23.	Training Course of Health Care Management of Elderly	Prof. Rajni Bagga	26th to 30th November, 2018	15
24.	Training of Trainers for Medical Officers on Occupational and Environmental Health	Prof. Sanjay Gupta	3rd to 8th December, 2018	24
25.	Training Course on Leadership Development in the Health Sector under NHM	Prof. Rajni Bagga	10th to 14th December, 2018	14
26.	Skill Lab Training in Maternal and Child Health for ANMs Nurses and Medical Officers from Kerala	Dr. Nanthini Subbiah	10th to 15th December, 2018	12
27.	Training Programme regarding Cold Chain Technicians for Repair and Maintenance of ILR/DF& Voltage Stabilizer	Prof. Sanjay Gupta	12th to 20th December, 2018	18
28.	Eighth National Batch of Training on Vaccine and Cold Chain Management (T-VaCC)	Prof. Sanjay Gupta	17th to 21st December, 2018	20
29.	Training Course on Logistics and Supply Management System in Health and Family Welfare	Prof. Manish Chaturvedi	17th to 21st December, 2018	12
30.	Training Course on Strengthening Midwifery Practices for Safe Motherhood in India	Dr. Nanthini Subbiah	3rd to 11th January, 2019	32
31.	Training Course on Management on Public Health Emergency for District Health Officer	Prof. Jayanta K. Das	7th to 19th January, 2019	21
32.	Training Course on Health Promotion	Prof. Poonam Khattar	7th to 11th January, 2019	29

33.	Skill Lab Training in Maternal and Child Health for ANMs Nurses and Medical Officers from Bihar	Dr. Nanthini Subbiah	28th Jan. to 2nd February, 2019	17
34.	Training Course on Health System Management for Strengthening District Health Care Delivery Services in India	Prof. Mihir Kumar Mallick	4th to 8th February, 2019	18
35.	Skill Lab Training in Maternal and Child Health for ANMs Nurses and Medical Officers from Bihar	Dr. Nanthini Subbiah	4th to 9th February, 2019	12
36.	Training Course on Hospital Administration for Senior Hospital Administrators	Prof. Manish Chaturvedi	4th to 22nd February, 2019	20
37.	Training Course on Demographic Data Analysis for Health Personnel	Dr. Pushpanjali Swain	11th to 15th February, 2019	27
38.	Training of Cold Chain Technicians on Repair and Maintenance of WIC & WIF	Prof. Sanjay Gupta	11th to 16th February, 2019	21
39.	Training Course on Occupational and Environmental Health	Prof. Sanjay Gupta	18th to 22nd February, 2019	8
40.	Training on National Vaccine Wastage Assessment and National Open Vial Policy Assessment	Prof. Sanjay Gupta	22nd February, 2019	54
41.	Training of Cold Chain Technicians on Repair and Maintenance of ILR, DF & Voltage Stabilizer	Prof. Sanjay Gupta	20th to 28th February, 2019	22
42.	"Training of Trainers" on Occupational and Environmental Health for Medical Officers	Prof. Sanjay Gupta	25th Feb. to 2nd March, 2019	4
43.	Training of Trainers (TOT) on Rapid Response Team (RRT)	Dr. N. K. Yadav	11th to 15th March, 2019	20
44.	Training Course on Social and Behaviour Change Communication (SBCC) for IEC officials under National Health Mission	Prof. Mihir Kumar Mallick	11th to 15th March, 2019	20
45.	Training Course on Research Methodology	Dr. Nanthini Subbiah	11th to 19th March, 2019	19

List of Workshops from April to March, 2018-2019

S. No.	Title of Workshop	Name of Coordinator/Nodal Officer	Duration	No. of Participants.
1.	Workshop on Orientation of National Assessors for National Effective Vaccine Management Assessment 2018.	Prof. Sanjay Gupta	1st to 5th May-2018	74
2.	National Consultation on Palliative Care Initiatives under National Health Mission: Review-cum-capacity Building Workshop.	Prof. Sanjay Gupta Prof. U. Datta Prof. Manish Chaturvedi Dr. J. P. Shivdasani	17th to 18th May, 2018	20

3.	Two days Workshop of Experts Group Meeting for the Standardization of Training Material on Hospital Preparedness for Health Emergencies for Senior Hospital Administrators"	Prof. Manish Chaturvedi Dr. B. S. Dewan	16th to 17th July, 2018	16
4.	Two days Workshop for Expert Group Meeting for the Standardization of training Material on Management of Public Health Emergencies	Prof. Manish Chaturvedi	8th to 9th October, 2018	20
5.	Three days Orientation workshop for Partner Institution to orient Partner Institutions for Conducting Training of Senior Hospital Administrators	Prof. Manish Chaturvedi	22th to 24th October, 2018	12
6.	Training-Cum-Workshop on Designing and Developing Evaluation Research Proposal for Health Programmes/Schemes Under NHM	Prof. V.K. Tiwari	3rd to 7th December, 2018	12
7.	Orientation Workshop of Partner Institutions for District Health Officer	Prof. Jayanta K. Das	6th to 8th February, 2019	17

- **Frontline Epidemiology Training:** Two advocacy meetings held in the States of Karnataka and Madhya Pradesh for conducting the Frontline Epidemiology training programmes.

  Two batches of Frontline Epidemiology Training courses (5 and 6 batch) have been started and are in progress.
  Bengaluru, Karnataka (5th batch from 28 Jan-27 April, 2019): 34 participated

  Bhopal, Madhya Pradesh (6th batch from 5 March-4 June, 2019): 41 participated

Ph.D. and Summer Training Programmes

In addition to the various teaching courses and in-service training programmes, the students from universities are encouraged to pursue their Ph.D. courses and summer trainings in diverse areas such as bio-technology, bio-chemistry, public health, etc. at the Institute. The faculty members of the Institute act as supervisors and co-supervisors for these scholars. 2 students were awarded their Ph.D and 06 Students are currently pursuing Ph.D with registrations in various universities.

13 students completed their short-term summer training courses in various departments of the NIHFW.

RESEARCH AND EVALUATION

The Institute gives priority attention to research work in different aspects of health and family welfare. The Institute has an Academic Committee and a high level Programme Advisory Committee consisting of eminent experts from all over India. All the educational and research activities of the Institute are scrutinized and deliberated upon thoroughly by these committees for ensuring the quality in academic endeavours. Further, each research proposal is placed before the Ethical Review Board of the Institute which comprises of academicians from health, research and relevant technical background to look into ethical and other relevant issues.

The Ministry of Health and Family Welfare (MoHFW) has chosen this Institute as a 'National Nodal Agency' to organize, coordinate and monitor the training programmes of National Health Mission (NHM)/Reproductive and Child Health (RCH) programmes in the country. The Institute conducts evaluation studies of various activities and National Health Programmes initiated by the Government of India.

During the year under review, the Institute was involved in 17 research studies. Out of these research studies, 8 have been completed. This includes 5 studies by the M.D. (CHA) students. The remaining 9 are under progress.

Completed Research Studies

1. Effect of Deployment of Second ANM on improving the Performance of Service Delivery in Selected Health Facilities of Odisha
(Prof. Jayanta K. Das, Dr. Nanthini Subbiah and Prof. Pushpanjali Swain)

General Objective

- To assess the effect of deployment of Second ANM on improving the performance of sub-centres in selected districts of Odisha.

Specific Objectives

- To understand the infrastructure and manpower facilities available at selected sub-centres.
- To analyse the job responsibilities and division of work among ANMs deployed in selected sub-centres.
- To assess the day to day tasks and the time spent for each task by both ANMs at sub-centres, outreach, home visits, weekly and monthly meetings, recording and reporting etc.
- To compare the performance of sub-centres having one ANM & two ANMs.
- To study the perception of MO and beneficiaries regarding the deployment and services rendered by 2nd ANM

Study Findings

The present study was conducted in 4 districts (Dhenkanal, Cuttack, Khurda and Ganjam) of Odisha. The total number of sub-centres (SC) selected for the study was 50 (14 SCs in Ganjam district and 12 SCs each in other 3 districts). Out of total 50 SCs, only 21 (42%) SCs were located in government building; about 59% of SCs are functioning in schools and AWC. Piped water supply was present in only 38% of SCs. Electricity supply was not available in 14% of the SCs and in 46% of SCs has no toilet facilities.

Among the total SCs in the study districts, 25 two ANMs SCs and 25 one ANM SCs were selected. In second ANM SC the second ANM is appointed on contractual basis. With regard to male health worker, only in 20 SCs (40%), they were available. Among the total ANMs, 68 percent have undergone SBA and 64 percent have received IMNCI training. Similarly 59 percent of the ANMs have attended IUCD and 72 percent have attended Immunization training. Their monthly income varies with the lowest amount of Rs 5200/- for the entry level contractual ANM to the highest amount of Rs 52,000/- for the senior ANM who is in regular post. Regarding the residential quarters available for ANM to stay, out of 50 SCs only 15 are suitable to live and occupied by the 1st ANMs. Out of all SC selected, only 4 SCs have labour rooms. It was informed that no delivery is being conducted in the SC. Average number of population covered by SC having one ANM was 6781. In case of SC with two ANMs it was 8064. On an average, each SC was covering about 8 villages/8000 population.

Regarding the activities performed by the ANM, it was informed that the ANMs provide ANC to the pregnant women and encourage them to have institutional delivery in the nearby government health facilities. For high risk cases, the ANM accompanies pregnant women to the health facilities. It was found that the ANMs are mostly involved in maternal and child health, immunization and family planning services and NCDs. They are also actively involved in VHND.

When the ANMs working in sub-centre having second ANMs were asked about their job responsibilities and work allocation, responses received from the ANMs revealed that as they do not have clear guidelines about the roles and responsibilities of second ANM, in most sub- centres, both the ANM in second ANM SC are involved in all activities including maintenance of various registers except the maintenance of untied fund, which is mainly done by the single ANM. In case of field activities of ANMs, except Dhenkanal, in other study districts, both the ANMs work together. The performance indicators revealed that the ANMs in Dhenkanal have shown better performance in the field as the population is divided between both the ANMs.

In the present study, it was found that the ANM on an average maintains 30 registers. Time taken to maintain these registers vary between second ANMs based on their experience, competence, work load and the population coverage. Hence the average time taken to perform a particular task is only indicative. The average time spent on maintaining these registers by ANMs of single ANM SC was 638 minutes per week where as in second ANM SC, ANMs had spent 493 minutes per week for the same activity. The average time spent by ANM in maintaining various registers in single ANM sub- centres is higher especially for maintaining certain registers such as

maintenance of registers for water quality, minor ailment and maintenance of drugs and monthly reports while the second ANMs in two ANM sub-centres take less time for the said activity as the work is shared between them.

ANM being the key link between the community and health services, play an active role in various community activities which have positive impact on the outcomes of health programs in rural areas. The average time spent by ANMs of single ANM SC was 548 minutes per week for carrying out community activities where as in second ANM SC, ANMs had spent 516 minutes per week for the same activity. For organizing VHND, ANMs in second ANM SC takes less time (160 minutes) as compared to ANM in single ANM SC (220 minutes).

For carrying out various clinical activities, ANM in single ANM SC spent 143 minutes per week on an average where as in second ANM SC, ANMs had spent 177 minutes per week on an average for the same activities. Time taken for carrying out the activities in one ANM SC and in second ANM SC is more or less same.

The secondary data of last six months (April- October 2018) on the performance of the ANM working in single ANM SC & second ANM SC were collected from sub-centres visited as well as from HMIS reports. The analysis was done in the areas of RCH activities separately for single ANM SC & second ANM SC. The findings revealed that the total number of IUCD services provided to the eligible couple in one ANM sub-centre was per 1000 population where as in case of two ANM sub centre it was only one per 1000 population. Number of pregnant women received first dose of T.T in one ANM sub-centre was 8 per1000 population and in two ANM sub-centre it was 9 per 1000 population. The above findings indicate that despite deploying second ANM, there is no change in the performance of activities of SC.

When the ANM supervisors were asked about their perception on the performance of ANMs, majority of the ANM supervisors expressed that in one ANM SC, ANMs are unable to provide sufficient time to the patients/community due to more workload which ultimately affects the quality of services. To improve the performance in the SC, all of them opined that the Health Worker (M) post in all SC should be filled and the second ANM should be appointed in all the SCs where the population coverage is more than 5000. All respondents expressed that there should be recognition for the services provided by ANM in the form of incentive and reward. Majority of respondents said that the work among two ANMs should be divided on area / territory basis.

During the FGD with the beneficiaries on the performance of ANM in the community, they were of the view that the ANM visits the village and makes home visits to the needy people and who requires follow up. Since there is no SC building in many blocks ANM provides ANC for pregnant women at the anganwadi centre. For PNC, ANM is consulted by the beneficiaries when she goes for home visit.

Analysis of study findings revealed that there is no change both in quantity and quality in the performance of ANMs in both single and second ANM sub-centres. The disparity in salary structure between the first and second ANM was found to be the de- motivating factor among the

two ANM. However it is to be noted that the number of villages covered by sub-centre in the study districts on an average is eight and the population covered is about 8000. Hence it is essential to deploy one more ANM in each sub-centre and the arrangement should be made in such a way that one ANM is available in the SC while the other ANM makes field visit so that the services are available to the community all the time.

Recommendations

- There should be clarity in job descriptions and work load of the ANMs.
- All ANM should be equipped with adequate knowledge and skills to handle the obstetric emergencies. There should be periodic refresher courses to enhance their capacity to function well.
- ANMs trained in SBA and IMNCI should be preferably posted in the delivery points so as to enable them to utilise the acquired skills.
- Sub-Centre services should be preferably available at all time. If not, one ANM should be available in the SC at least for half a day and rest of the day, available at the SC village so that she can be accessed on emergencies without wasting time.
- In case of ANM arrangements to be made in such a manner so that out of two ANMs, one should be available in the SC while the other ANM is assigned field responsibilities.

2. Third-Party Independent Monitoring of Coverage Evaluation Survey of Immunization (2018)

(Prof. Jayanta K. Das, Prof. Pushpanjali Swain, Dr. Nanthini Subbiah and Dr. Renu Shahrawat)

Objective

To monitor the Coverage evaluation Survey 2018

Parameters monitored

- Quality of State level training of Mapping & Listing and Main Survey;
- Quality of supervisors/investigators recruited;
- Adherence to the stated survey protocols (such as ethical issues, confidentiality), technical survey issues of segmentation, correctness of coverage of the sample/ HHs/PSU), House listing process, completeness of the interview, respondent-enumerator relationship at the time canvassing of the questionnaire; timeline, consistency of data within responses; etc.

Methods of Monitoring Protocol

In concordance with UNICEF, NIHFW proposed to monitor five percent of the total PSUs to be covered across all the states and union territories of the country. Thus, of the total 3929 PSUs covered under CES, 197 PSUs were to be covered separately for mapping and listing (M&L) as well

as for main survey operations. To monitoring the training, mapping and listing and main survey, 43 monitors with requisite expertise were identified from Population Research Centres, Medical collages and NIHFW and trained at NIHFW during 6-7 August 2018. The monitors visited to various states for monitoring of trainings, mapping and listing field operations and Main surveys field operations. The total number of state level training of M&L monitored was 17 and main survey training monitoring was 35. Monitoring of Mapping & listing field operation was carried out in 32 states covering 132 PSUs. Similarly, Monitoring of main survey field operation was carried out in 30 states covering 142 PSUs.

Monitoring Reports: In order to establish effective and supportive monitoring and control damages immediately, NIHFW raised red alerts to UNICEF and Kantar (Field Agency) as and when major problems were reported from field by monitors through phone calls/messages and e-mails. Concerned authorities were intimated immediately via the same means of communications for corrective measures. Near about 11 red alerts were raised from various states on both mapping and listing field operations as well as main survey field operations.

Monitoring visits report received from various monitors were compiled and analysed by NIHFW CES staff and prepared reports were sent to both UNICEF and field agency on a weekly basis. Nine weekly reports have been submitted.

UNICEF organized debriefing meeting every week with all stakeholders of the projects. Representatives of NIHFW-CES team have also participated in such meetings.

Observations by the Monitors on Training:

The overall training programme conducted in many states were rated good and quality of training-trainees, resource person, venue and logistics were reported adequate. Trainers were reported to be responsive to the suggestions. Training report of main survey received from Nagaland, Madurai, Bhubaneswar, Indore, Jaipur, Guwahati, Lucknow etc was encouraging. Trainings were thus remarked successful and no major error observed.

Observations by Monitors in Mapping and Listing field operation

Satisfactory reports on mapping and listing field operations were reported from almost all states except the states alerted red alerts. During monitoring visits, field observations were reported to field coordinators and minor errors were corrected by monitors. Field teams were receptive to monitor's suggestions and the corrective measures were taken by them. Mapping and listing field works went smooth and monitors opined that the supervisors of field agency were well-versed with the M&L PSUs field operation.

Observations by Monitors of Main Survey field operation: Overall quality of field work by investigators by the field agency rated good in almost all states visited by Monitors because of their experience and presence of mind during interview and conducted according to sets of protocols and supervisors were quite trained and experienced. In the North -eastern states, overall field work quality was reported good.

3. National Effective Vaccine Management Assessment

(Prof. Sanjay Gupta, and NCCVMRC Staff)

Objective

To evaluate the existing presentation of the immunization supply chain using the EVM assessment tool in order to identify key strengths, weaknesses and bottlenecks. To utilize the findings and recommendations to translate these into a comprehensive plan of action, identifying interventions and activities to address both current and future challenges.

To implement the comprehensive plan of action and put in place a mechanism for reviewing progress against planned activities on an annual basis, and monitor implementation using defined process indicators.

Output of the activity

A draft report with major recommendations and findings of EVM Assessment has been developed and shared with MoHFW. A pool of 'Master Trainers' has been developed who will be resource persons in sub-national EVM Assessments

Major Findings

The National EVM Assessment 2018 was one of the world's largest EVM assessment carried out so far. The first National EVM Assessment was conducted in 2013 and as a follow up plan second National EVM was framed.

Out of the total 9 global EVM criteria, India has been able to achieve recommended 80% scores in E3 criteria i.e. Storage Capacity. In spite of many newer vaccine introductions i.e. Rota Virus Vaccine (RVV), Pneumo Coccal Conjugate Vaccine (PCV) etc. India has been able to generate sufficient storage capacity to achieve 80% EVM target.

The second highest score is in criteria E4 i.e Building, Cold Chain Equipment and Transport is 76%. In all the three areas Building, Cold Chain Equipment and Transport the practises are found satisfactory with scope of improvement.

The scores of criteria E8 i.e. Vaccine Management Practices is 75%. In most of the states of India, training on revised module of Vaccine and Cold Chain Handler (VCCH) has been completed which has impacted knowledge and practices of Cold Chain Handlers at all levels.

In criteria E2 i.e. Vaccine Storage Temperature score is 72%. eVIN (Electronic Vaccine and Intelligent Network) has contributed significant in the vaccine storage temperature. eVIN roll out throughout the country will lead to improve the indicator further.

E5 criteria i.e. Maintenance and Repair score is 64%. Key strength under this criterion was having PPM checklist for equipment which was available in the field. PPM for building and transport is not available in most of the stores.

E6 criteria score i.e. Stock Management is 65%. Government of India has provided standardized template for vaccine and logistics stock registers, issue & receipt register, temperature log book etc. which are currently in use in most of the states. VCCH training and eVIN have also contributed in strengthening of practices. For bridging the gap frequent supportive supervision/mentoring visits and utilization of online tool is required.

Criteria score of E7 i.e. Distribution is 62%. The major challenges found under this criteria were unavailability of Communicated vaccine distribution plan and Refrigerated vaccine van.

Score of Vaccine Arrival Process i.e. criteria E1 is 60%. Availability of vaccine arrival report was established very finest in the field but challenge of completeness of VAR format was found.

E9 i.e. MIS and Supportive Functions is at bottom with 59% score. The biggest challenges identified in this head are, vaccine and logistics needed for forecasting as per target is not being practised, training of VCCH in last one year was not held and unavailability of contract for outsourced services.

Recommendations

Based on the findings of National EVM Assessment 2018, detailed comprehensive improvement plan has been prepared and share with MoHFW.

The recommendations were categorized in to five broad categories "Management and Policy, Human Resource and Capacity Building, Infrastructure, Planning, Documentation and MIS, Supportive supervision and Improvement in practice.

M.D. THESES

The following 5 research studies have been completed by the students under the three-year duration M.D. (CHA) Course:

1. **Effective Vaccine Management assessment in government health facilities in a district of Delhi**
(Dr. Gaurav Kumar and Prof. Sanjay Gupta)

General Objective

To conduct an Effective Vaccine Management assessment in selected government health facilities in a district of Delhi.

Specific Objectives

- To find out existing status of infrastructure for vaccine and cold chain management in selected government health facilities in a district of Delhi.

- To ascertain knowledge of human health resource on vaccine and cold chain management in these facilities.
- To assess their performance in management of vaccine and cold chain.
- To determine gaps (if any) in infrastructure, knowledge and performance in effective management of vaccine and cold chain in these facilities.

Major Findings

- Out of 56 electrical Cold Chain Equipment's (CCE's), 27 were WHO non-compliant, 5 were non-functional, 3 were CFC equipment and 6 were without stabilizer
- Out of 121 non-electrical CCE's, 17 were WHO non-compliant.
- Out of 29 Health Facilities (HF's), insufficient capacity found in 19 HF's for passive containers, 7 HF's for ice packs preparation and storage, 1HF for Vaccine Storage. DVS has adequate capacity for all.
- No continuous temperature recorder/30 day refrigerator logger in the district.
- Out of 43 functional vaccine storage electrical CCE's, 2 did not have temperature monitoring device.
- No freeze indicator and refrigerated/insulated van for vaccine transport.
- Power backup available in 17 HF's, Air conditioning available in 3 HF's and Fire extinguisher in 5 HF's.
- Adequate number of hub cutters, transparent puncture proof boxes and waste bins in all assessed sites.
- Inadequate knowledge on Shake test and its indications (59.3%); Types of vaccine wastage (10.2%); Vaccine Wastage rate calculation (0%); and Concept of maximum stock, safety stock and reorder level (15.3%).
- None doing complete twice daily recording.
- For Emergency event preparedness, SOP's were not found in District Vaccine Store and in 28 HF's.
- None of the assessed sites have set all the recommended stock levels.
- 17 out of 28 HF's were not storing vaccines correctly.
- 6 out of 29 HF's were not using VVM status for vaccine management.
- Bio medical waste management, diluent management (storage and discarding of reconstituting vaccine) was appropriate at all sites.
- Vaccine Wastage records and calculation is not appropriate at all assessed sites.
- No standard method for forecasting safe injection equipment at any assessed site.
- No standard method for forecasting vaccine requirement at any HF.

Recommendations

- Ensure installation of all CCE's, repair of non-functional equipment and Condemnation of all CFC equipment's.
- Training of VCCH and Supportive supervision.
- Temperature monitoring on Sundays and holidays.
- Documentation of vaccine wastage in standard reporting format.
- Standard maintenance of vaccines, diluents and consumables stock records.
- Regular defrosting and maintenance of CCE's.
- Procurement of important infrastructure by concerned administrative authority. like Continuous temperature recorder; standard CCE's ; Insulated Van and freeze indicators.
- Ensure Planned Preventive Maintenance (PPM) of building at least once in three years.
- Iron racks for dry goods storage.
- Ensure availability of telecommunication and air conditioner facilities.
- Separate area for ice packs conditioning.
- Ensure Fire safety measures.

2. A study of knowledge and practices of injection safety among healthcare professionals in a tertiary care hospital in Delhi

(Dr. Rajneesh Mohan Siwan, Prof. Jayanta K. Das and Prof. Sanjay Gupta)

General Objective

- To ascertain knowledge and practices of injection safety among healthcare professionals in a tertiary care hospital in Delhi.

Specific Objectives

- To assess knowledge of injection safety among healthcare professionals.
- To observe practices of injection safety among healthcare professionals.
- To identify factors affecting injection safety.

Major Findings

- Knowledge of Safe injection definition as per WHO definition was present in 16.8% study participants
- Knowledge on Universal precautions was present in 52.8% of study participants
- Knowledge that HIV & HBV transmitted by unsafe injections was present in 99.6% of study participants
- As per study participants Injection safety guidelines were available at their workplace for 67.6% of study participants.
- As per study participants Bio Medical waste disposal guidelines were available at their workplace for 96.8% of study participants.

- As per study participants, 6.8% were cleaning the needle with cotton/alcohol swab before giving injection
- As per study participants ,14.4% were rubbing the injection site after giving intramuscular injection
- As per study participants, 4% were recapping the needle after injection administration
- On observation of practices it was found that preparation of Injections on a Clean Worktable or Tray took place in 65% of total observations; hand hygiene practiced in 67.1% of observations; rubbing of injection site after intramuscular injections in 12.5% observations and segregation of biomedical waste at source was done in 77.7% observations.
- In this study the factors found to be significantly associated with safe injection practices were knowledge on injection safety; availability of guidelines on injection safety and trainings on injection safety.

Recommendations

- Need to develop separate SOP's for :

i. Injection safety,
ii. Judicious use of injections,
iii. Post exposure prophylaxis, and
iv. Reporting of adverse events/ near miss events and an environment of open culture to report such events be created.

- Conceptual clarity of study participants on safe injection by trainings (both induction and on the job**).**
- IEC on safe injections to be displayed prominently (community participation).
- For 1400 beds it was having 4 Infection Control Nursing officers (ICN), 3 vacant posts to be filled (Surprise ward round and Supportive Supervision).

3. A study of Psychosocial stress and Burnout among Post Graduate Medical Residents in Delhi

(Dr. Kumar Dharmendra Singh and Prof. Rajni Bagga)

General Objective

- To study psychosocial stress and burnout and its coping mechanism among post graduate medical residents in Delhi.

Specific Objectives

- To find out the prevalence of psychosocial stress among post graduate medical residents in Delhi.
- To determine the burnout levels among post graduate medical residents.
- To identify the work related factors associated with stress and burnout among post graduate medical residents.
- To suggests measures to reduce psychosocial stress and burnout among post graduate medical residents.

Major Findings

- The total sample of 200 included more males than female residents. Most of the post graduate medical residents were unmarried, and majority were in the age range of 25-30 years.
- The majority not only felt shortage of senior doctors/consultants in their ward/department but also felt overburdened due to shortage of junior staff such as Nurses, attendants in their ward/department.
- Psychosocial stress was measured using GHQ 12 Tool: 'Social dysfunction' though the residents showed a positive health status and no psychological distress as such but about half the residents showed higher dysfunctional trend for their inability to concentrate on their present work.
- Burnout was measured by using Maslach Burnout Inventory (MBI) The present study clearly indicated that overall the 200 medical residents scored in the category of moderate to high burnout on 'Emotional Exhaustion' and 'Depersonalization' dimensions, and the residents scored low on 'Personal Accomplishment' indicating high burnout.
- Coping management strategies were measured by using Brief COPE Inventory Tool having This study found that the medical residents used 'Problem Solving strategies more than social dysfunction coping strategies thus in indicating that planning and 'Active problem solving approach' are the preferred coping style to some extent in comparison to other responses.

Recommendations

Interventions at the policy level which includes increasing the Human Resource for Health, Increase in Budget, Legal Cells, Common helpline.

Interventions at the Hospital administration and Dean of Studies levels includes appropriate staffing, follow Guideline for working hour, Security and safety Measures, adequate supply of drugs and other consumable, adequate Rest room facilities for residents, Student Support Wellness Centres

Interventions at the Medical Resident's level includes Mentorship role of Senior Residents, Soft Skill Training to build Emotional Intelligence, Recreation Programmes, Share and Learn from Best Practices.

4. A study of the Disaster Preparedness of the District Health Department in Delhi
(Dr. Sanjay Singh, Prof. Utsuk Datta and Prof. Ajay Kumar Sood)

General Objective

- To assess the disaster preparedness of district health department in Delhi and to suggest measures for improvement.

Specific Objectives

- To ascertain the current organizational structure for disaster management in district health department and identified hospitals.

- To find out the preparedness of district health department and designated district hospital in the management of disasters.

Major Findings

- Disaster management groups were not formed at the level of district health department in both districts. In hospitals, disaster management committee was there but some of the departments were not the part of the committee and it was not active in one hospital.
- Physical conditions of 22.7% health facilities of district health department were not good and there was no fire extinguisher in 13.6% health facilities. Fire safety measures were good in both hospitals but both hospitals were not retrofitted.
- Few items like emergency light, scoop stretcher, basic life support mask (P) and spine board with strap were available in less than 50% health facilities. Most of the medicines and Injectables used in emergent conditions were available in more than 80% health facilities. In medicine emergency in one hospital, 87.5% equipment were functional and in second hospital, 68.2% equipment were functional in accident and emergency department.
- Medical surge capacity was 10% in 300-bedded hospital but it was only 5.45% in 1456-bedded hospital. Only one hospital had calculated surgical surge capacity.
- Human resource were not filled as per the sanctioned post in both hospitals.
- No separate disaster plan in district health department in both districts. Both hospital had disaster management plan but it was not updated in one of the hospitals. No incident command system in one of the hospitals.
- Separate triage area in one hospital. Both hospitals had disaster ward. Networking with other organizations has not been done in both hospitals and both district health departments.
- Training status of Quick Response Team incharges, member of QRT and District Programme Officers was found to be low as only 53.1% were trained in Basic Life Support and Triage, 38.8% trained in Integrated Disease Surveillance Programme, 8.2% trained in Chemical Biological Radiological Nuclear and Emergency Medical Response and only 4.1% were trained in psychosocial care. Training status of SR, JR/MO and NS in both hospitals was found to be 54.1% in BLS, 45.9% in Triage, 42.6% in EMR, 14.8% in CBRN and 11.5% in IDSP & Psychosocial care.
- No display of Delhi Disaster Management Authority helpline number in any health facility. Women's helpline number was displayed in13.6%, Police and fire control room number in 59.1%, CATS ambulance number was displayed in 77.3% health facilities.
- Major deficiency identified during mock drill in hospitals was lack of coordination among various stakeholders.
- PMGV was in only one hospital and in other hospital, oxygen supply was through cylinders only. Separate transformer and alternative electric supply in both hospitals.
- Only one district had Tetraset, which was not functional. Both hospitals had Tetraset but it was not functional in one hospital. Only one hospital had PA system for entire hospital but it was only in accident and emergency department in another hospital.

Recommendations

- Disaster management committee should be constituted in both hospitals as prescribed and regular meeting should be held of this committee. Formation of disaster management groups in district health department at district level. Old blocks in both hospitals and health facilities where condition was not good should be retrofitted.
- Surgical surge capacity and surge capacity for burn and head injury patients need to be calculated in one hospital. Availability of identified medicine and equipment in health facilities. There is requirement of ensuring functionality of identified equipment in both hospitals specially in department emergencies.
- There is need to fill the vacant post in hospitals and district health department. Need to make a training plan in hospitals and health facilities. District health department of both districts to make disaster management plan under the guidance of District Disaster Management Authority (DDMA).
- Need to have a SOP on mock drill execution and its evaluation. There is need to strengthen IDSP programme by involving all private hospitals. There is need to make the availability and functionality of Tetraset and integration with Delhi Police and DDMA.
- There is need to display the important emergency helpline numbers and do and don'ts during disasters in hospitals and health facilities of district health department.
- Need to make the incident command system functional in both hospitals. Awareness about the Hospital Disaster Management Plan (HDMP) among all staff working in hospitals and need to display the colour and code of various emergencies at important points in both hospitals.

5. Assessment of Knowledge and Preventive Practices about Occupational Health Hazard among Safai Karmchari of Municipality in Delhi

(Dr. Vijay Shankar Patel, Prof. Utsuk Datta and Prof. S. Vivek Adhish)

General Objective

- To find out the awareness about occupational health hazard and safety measures practiced by Safai Karmchari in municipality of Delhi.

Specific Objectives

- To assess the knowledge regarding occupational health hazard among Safai Karmchari pertaining to their nature of job.
- To find out safety practices adopted by Safai Karmchari for prevention of occupational health hazard during their duties.
- To review the existing mechanism of awareness generation for Safai Karmchari about occupational health hazard adopted by municipality of Delhi.
- To ascertain the existing standard operating procedure for use of preventive mechanism by Safai Karmchari during their duties.
- To suggest preventive measure to be adopted by the Safai Karmchari in municipality of Delhi.

Major Findings

- Knowledge about probability of traffic accident while working on street was present among 79.3% of respondents.
- Knowledge about probability of fall while sweeping slippery surface was present among 78.0% of Safai Karmchari.
- Knowledge about probability of respiratory problems/eye allergy while sweeping was present among 82.9% of respondents.
- Knowledge about probability of skin allergy/injury/infection while collecting garbage by hand was present among 87.2% respondents.
- Knowledge about probability of musculoskeletal problems while rolling out waste in big container and leaning while working was present among 68.3% respondents.
- Knowledge about wearing apron with reflector to prevent Traffic accident while working on street was present among 78% of employees
- Knowledge about wearing mask and cap to prevent respiratory/hair problems was present among 79.9% of Safai Karmchari.
- Knowledge about wearing boot/ shoes to prevent fall on slippery surface/injury to leg was present among 78.7% of employees.
- Knowledge about wearing gloves to prevent skin allergy/injury/infection was present among 82.9%
- Personal Protective Equipment (PPE) were used by Safai Karmchari, among them 86% of responders were using the apron with reflector while working and 80.5% were using the shoes. 56.1% of sweeper were using cap while working and 53.7% were using mask while sweeping however only 19.5% were using gloves while working.

Recommendations

- Medical check should be done to all Safai Karmchari during their recruitment and periodically
- There is a need to develop SOP for different activities and preventive measure for Safai Karmchari.
- The training which was conducted for skill enhancement as well as for occupational hazard prevention should be continued.
- A training program should be introduced for preparing master trainer among sanitary inspector so that they will supervise the sweeper and provide on job training to them.
- The streets having much traffic should be cleaned by mechanical sweepers. SOP to be made for mechanical sweeping.
- Regular meetings between CMO and sanitation supervisor may be undertaken to address the issue of occupation hazard prevention.

On-going Research Studies of the Institute

1. Development of enzyme and colloidal gold-based immunoassays (ELISA and LFIA) using bridge and antigen heterology for the detection of Medroxyprogesterone acetate,

Prednisolone, 17α-Methyltestosterone and Nandrolone in biological fluids and tissues of animals (Prof. Tulsidas G. Shrivastav, Dr. Rajesh Kumar).

2. Impact of behavioural intervention package on the health status of married abused pregnant women attending antenatal clinic of LNJP Hospital, New Delhi-a randomised controlled trial (Dr. Meerambika Mahapatro, Prof. Neera Dhar and Prof. Sudha Prasad).
3. National Vaccine Wastage Assessment-2019 (Prof. Sanjay Gupta and NCCVMRC Staff).
4. National Open Vial Policy Assessment(Prof. Sanjay Gupta and NCCVMRC Staff)

On-going Thesis Work by MD (CHA) Students

1. A study on lifestyle behavior and sociodemographic characteristics of people with diabetes (Dr. Prakash Ranjan, Prof. J.K.Das and Prof. M.K. Mallick).
2. Study on Accessibility and Utilization of selected RCH Services in slums of Delhi (Dr. Anand Kumar Verma and Prof. V. K. Tiwari).
3. Study of knowledge, attitude and practices regarding Human Papillomavirus (HPV) vaccination among college going female students in Delhi (Dr. Mukesh Jain, Prof. Sanjay Gupta and Prof. Manish Chaturvedi).
4. A study of breast feeding practices and their association with infants morbidity in slums of Delhi (Dr. Rabi Bhushan, Dr. Renu Seharawat).
5. A study of psychosocial profile of Infertile couples attending a Government infertility clinic, Delhi (Dr. Anup Kumar Gupta, Prof. Rajani Bagga)

SPECIALISED SERVICES

The Institute offers specialized services which include a clinic, documentation centre, printing and publications divisions.

Details of the specialised services are as described below:

Clinical Services

Management of Infertility

The Institute is recognized as one of the centres of excellence in reproductive health care. The laboratory facilities are utilised for thorough investigation of reproductive disorders such as endocrinological, anatomical/surgical, etc. of patients. The scientific approaches adopted in the management of endocrinological and reproductive disorders and infertility management have been proved to be successful.

The services on ante-natal and post-natal care, immunization, supply of iron and folic acid, vitamin 'A' supplementation, etc. were provided to the patients visiting the clinic.

Clinical Laboratory Services

The laboratory services form the backbone of preventive and curative aspects of health care services. The clinic provides the following laboratory services:

- Routine test (hematology and urine)
- Andrology
- Semenology
- Bio-chemistry
- Serology

Some of the lab tests are provided at a nominal charge.

During the year, the regular laboratory services (bio-chemical, immunological, histological and radioimmunoassay of hormones) were provided to the patients. Further, services for ABO, Rh, MN blood groupings and malaria parasites were also provided. An account of these services is given below:

TESTS	TOTAL
Hb estimation	1158
ESR	664
TLC	33
DLC	33
Urine R/E	1246

Urine M/E	1246
Malaria	0
Stool Test	0
Bilesalt/Pigment	5
Pregnancy Test	648
Cervical Mucus	1018
Post Coital Test	558
EB	21
PAP Smear	2
FNAC	0
Peripheral Smear	0
Semen Test	2782
Antibody Test	29
GCM	75
GPC	72
Fructose	72
Acid Phospahtase	72
Sperm Morphology	17
IUL Sample Preparation	62
VDRL	1398
Blood Group	1169
Blood Sugar	1547
LFT	35
KFT	45
GTT	16
Lipid Profile	25
GCT	17
Prolactin	629
Insulin	632
LH	431
FSH	443
TSH	621
Testosterone	205
T3	28
T4	51
E2	1
Infertility	**Total**
New (Couples)	766
Female Follow-up	4768
Male Follow-up	2325
Reproductive Endocrinology Gynae	
New	652

Follow-up	780
ANC	
New	141
Follow-up	345
Adolescents (Female)	
New	16
Follow-up	11
Adolescents (Male)	
New	1
Follow-up	1
Well Women Clinic	
New	9
Follow-up	1
Staff Female	
New	11
Follow-up	18
Staff Male	
New	26
Follow-up	14
Male General	
New	250
Follow-up	287
Female General	
New	114
Follow-up	60
Child	
New	178
Follow-up	413
Endometrial Biopsy	124
Condom Distribution	4500
Imaging Services	244

Adolescent and Youth Clinic

Adolescents form approximately 22% of the Indian population. The adolescents and youth require special attention, education and guidance for adopting a healthy life-style. They need to be oriented and guided on various health issues. Proper counseling and health education of the adolescents and youth on various health issues can prevent unwanted pregnancies, reproductive tract infections and sexually transmitted infections. Keeping this in view, the adolescent and youth clinic of the Institute provides information/counseling regarding reproductive health needs to the adolescents in a friendly atmosphere. During the year under report, 27 females aged 10-24 years, were provided the services.

Press Unit

The reprography and printing of research, training, consultancy and administrative activities of the Institute are done by the Press Unit. The background documents (modules and blocks) for the Diploma Course in Health and Family Welfare Management, Hospital Management, Health Promotion, Health Communication, Applied Epidemiology and Public Health Nutritioin through Distance Learning were reproduced during the year under review. The background and introductory documents for various training courses, survey schedules, and other forms for administrative purpose were also reproduced.

Printing and Publication Services

The Institute prints and publishes various publications every year as a part of its continuing education programme. Some of the important publications were:

- Multi-colour brouchers for various training programmes
- Modules /Blocks of DLC
- Annual Report of the Institute
- Annual Accounts of the Institute
- Programme Advisory Committee (PAC) Document
- Stock verification reports of all departments, NIHFW
- Jan Swasthya Dhaarna
- A Hand Book for the newly recruited CHS Medical Officers
- NIHFW Newsletters
- The Journal: Health and Population-Perspective and Issues

Health and Population: Perspectives and Issues

The Institute has been publishing its ISSN-numbered multi-disciplinary quarterly Journal, Health and Population: Perspectives and Issues regularly since 1978. With a wide circulation both at the national as well as international-level, it includes articles of scientific and educational interest in the areas of health services, family welfare, population, hospital

administration, health-economics, health-communication, population, social sciences and other allied disciplines. The Journal is indexed in IndMED, NIC, New Delhi and Google Scholar.

The abstracts of papers published in the Journal are also available at the Institute's web-site:www.nihfw.org; while the full papers are available on MedInd, NIC, New Delhi(http://medind.nic.in/index.html).

NIHFW Newsletter

Started in 1999, the newsletter of NIHFW shares the developments taken place in the areas of academic research, education, training, projects and collaborations, visitors, guest-lectures, etc. in a specific quarter. The developments have been disseminated across the country. The Newsletter is also available on the website of NIHFW i.e. www.nihfw.org

Audio-Visual Services

Art, photographic and projection services were provided by the Institute for various activities in the year under report.

National Documentation Centre (NDC)

Library facilities available at National Documentation Centre (NDC) are one of the best in India in the field of public health. Over a period of two decades, NDC has developed a well-balanced and up-to-date collection of over 60.842 documents including 48448 books. 12400 journals, technical reports, annual reports, statistical reports, conference reports, models, Thesis, Research studies, non-book materials, etc. in the field of health, population and family welfare and allied areas carrying worldwide information.

The National Documentation Centre (NDC) is a member of the following online services;

- NDC is an active member of Developing Library Network (DELNET) and shares its resources with more than 5000 member libraries including Library of Congress, Washington. DELNET has a total collection of 2,45,45,450 books and 37,847 periodicals.
- NDC is also member of NML-ERMED India Consortium to provide free access of 258 journals on http://www.nihfw.org/ERMEDConsorsiumJournals.html.

NDC undertook following documentation services

- Selective Dissemination of Information (SDI)
- Current Awareness Services (CAS)
- Health and Family Welfare Abstract (Quarterly)
- Health News Repositories (both English & Hindi)
- Daily Health News Bulletin

- List of Additions.

In addition to the above, through Online Public Access Catalogue (OPAC), bibliographical details of all publications/documentations are accessible at the link-htttp://14.1393.63.242/. Important publications like committee/commission reports, technical reports, HPPI journals, important NIHFW publications, etc. have been digitized and accessible through the link – http://wwww.nihfw.org/WNDC.aspx.

Demographic Data Centre

The Demographic Data Centre in the Department of Statistics and Demography has been functioning since 2003. The purpose of the centre is to develop a data bank of information on socio-demographic, health and family welfare, etc. available from different sources at the national and state-levels; which in turn, provides ready reference materials to the professionals and researchers. The Demographic Data Centre procured NFHS-1, NFHS-2, NFHS-3, DLHS-1, DLHS-2, DLHS-3, various rounds of NSSO Data, Census-1991, 2001 and 2011 Data and Annual Health Survey of nine States. Data are analyzed and published from time to time. The Centre has prepared a population profile using census 2011 data and uploaded on the institute's website and also prepared a census population profile 2001-2011 as well as State-wise Census 2001-2011 Pyramids for demographic data centre.

Computer Services

The institute provides computer and internet access to all its faculty, students, research and administrative staff through Campus Wide Area Network. The whole network is connected with six servers hosted in the Computer Centre, connecting 400 nodes in the Institute through 1 GB fibre optic NKN connection.

The computer centre is actively engaged in teaching and training in Information Technology (IT) besides undertaking analysis of large data sets. The Computer Centre has two well equipped computer labs for teaching/training purpose and for the use of students. The intranet softwares developed in the institute are used for providing information on salary, pensions, and billings. The Biometric Attendance Monitoring System has been installed in the Institute and is accessible to all the staff and students. The Institute has its own dynamic website www.nihfw.org and e-mail facilities for the officials.

The Computer Centre has a state of the art video-conferencing facility that is used for e-learning and meetings. It has got a specially designed sound proof room, enterprise class Polycom Video Conferencing equipment and high bandwidth internet line. The Conferencing room can accommodate upto 20 participants. The twin screen projectors provide best options to hold one to one or multi-points conference with teams/partners/any enterprise across the country or globe.

SPECIALISED PROJECTS AND CONSORTIUM ACTIVITIES

National Health Mission/Reproductive and Child Health–II

The National Institute of Health and Family Welfare (NIHFW) as the Nodal Institute for training under NHM/RCH–II is involved in coordination and monitoring of all the trainings under NHM with the support of 22 Collaborating Training Institutions (CTIs) in various parts of the country.

Human Resource

RCH-II unit at NIHFW has been functioning with two Consultants and one Technical Assistant for coordinating and monitoring of training activities under NHM in the country under the leadership of Director, NIHFW and a faculty member.

Key Activities undertaken as per ROP 2018-19

The following Activities have been taken up as per mandate (TOR) given by the MoHFW, Government of India for the NHM/RCH-II project:

Review of State PIPs

The RCH unit reviewed and prepared comments on training component of the PIPs of States/UTs for FY 2018-19 for all the states/UTs and submitted to MoHFW.

National Programme Coordination Committee (NPCC) meeting for finalizing the State PIPs for FY 2018-19

On behalf of the NIHFW, consultants from RCH Unit attended NPCC meetings conducted at MoHFW- Nirman Bhawan for finalizing the approval of States/UTs PIPs and budget for the year 2018-19.

Monitoring and Follow-up with the States/UTs

22 monitoring visits were conducted by the consultant at NIHFW for assessing the quality of ongoing trainings in different parts of the country.

- A variety of ongoing trainings named Skill Lab, NSSK, RTI/STI, IUCD, RBSK, TOT for First Responder, MAA, IMEP, SBA, PPIUCD and Contraceptive Update for various categories of health personnel were observed in various states to assess the quality of training. The structured checklists were used for monitoring/observing the ongoing trainings in the State/UTs.

- Consultants also assessed the training infrastructure, status of training data base, availability of trainers, post training performance, proper selection of trainees and deployment of trained manpowers.
- A total of 22 monitoring visits were conducted by RCH consultant during the FY 2018-19 to monitor the quality of ongoing trainings in the states of Maharashtra, Karnataka, Kerala, Uttar Pradesh, Delhi, Punjab, Haryana, Jharkhand, West Bengal and Odisha. During the monitoring visits of ongoing trainings; 46 health facilities (DH/SDH, CHC, Block PHC and Sub-Centre) were also visited to assess the infrastructure and gap analysis.
- Two visits were also conducted in the states of Maharashtra and Rajasthan during April- June 2018 for the settlement of financial matter of RCH-I project.

Monitoring visit reports

- As desired by Training Division MoHFW, monitoring visit reports were prepared and submitted to MoHFW. Monitoring visit reports included the specific points such as general observations, salient points, good/promotive practices, weaknesses/drawbacks, possible suggestions/recommendations at all levels along with observational points of assessment at various facilities and gap analysis of training sites.
- Feedback and comments along with recommendations on the 55 visit reports of the monitoring conducted by the SIHFW/CTIs consultants for the States/UTs of Arunachal Pradesh, Madhya Pradesh, Uttar Pradesh, Himachal Pradesh, West Bengal, Gujarat, Rajasthan, Meghalaya, Manipur, Maharashtra, CINI Kolkata, IHFW Kolkata and Odisha were also sent to the training division to improve the quality of trainings.

Progress Report of the Training

- Training achievement from each state have been submitted to MoHFW through Monthly/quarterly progress reports after compilation and analysis at NIHFW on quarterly and annual basis. Analysis includes State-wise achievement in all planned training, category wise achievement for different health personnel, and thematic wise achievement in every state and for the entire country against the planned annual target as per ROP 2018-19.

Mother and Child Tracking Facilitation Centre (MCTFC)

Mother and Child tracking Facilitation centre has been set up at National Institute of Health and Family Welfare (NIHFW) and it went live on 29th April' 2014. It is a major step taken by Government of India under the National Health Mission in improving the maternal and child health care services.

Mother and Child Tracking Facilitation Centre was envisaged to support MCTS in improving its data quality. MCTFC was expected to call beneficiaries (Pregnant women and children) registered in MCTS and validate their records. MCTFC is presently operational with following mandate:

1. To provide a supporting framework to MCTS and help in validating the data entered in MCTS by making phone calls to pregnant women and parents of children and health workers;
2. Be a powerful tool in providing relevant information and guidance directly to the pregnant women, parents of children and to community health workers, thus creating awareness among them about health services and promoting right health practices and behavior;
3. Contact the service providers and recipients of mother and child care services to get their feedback on various mother and child care services, programmes and initiatives like JSSK, JSY, RBSK, National Iron plus Initiative (NIPI), contraceptive distribution by ASHAs etc. This feedback would help the Government of India / State Governments to easily and quickly evaluate the programme interventions, and plan appropriate corrective measures to improve the health service delivery;
4. Check with ASHAs and ANMs regarding availability of essential drugs and supplies like ORS packets and contraceptives.
5. Promotion of government schemes and programmes
6. Assessment of health care services being delivered
7. Assessment of training needs of health workers
8. Assist MoHFW in evaluating health care services being delivered and government schemes and programmes being implemented at field level.

Infrastructure at MCTFC

State-of-art call centre has been established at NIHFW campus with seating capacity of 86 Helpdesk Agents and other managerial staff. MCTFC has a central server room for hosting servers, network and telecom equipments and application. Helpdesk Agents are provided with computers and softphone for making calls to the beneficiaries and health workers.

MCTFC Application

The MCTFC application has various modules for pregnant women 3 - 6 months or 2nd ANC and 8 - 9 months or 4th ANC, for children after delivery till 1.5 months and 6 - 9 months after delivery, for ASHAs and for ANMs. Based on the interaction with beneficiaries and health workers, reporting system of MCTFC provides performance reports that are feed back to MoHFW. Some Key Performance Indicators (KPIs) are identified from these reports and the performance of States is assessed based on these KPIs. Accordingly, States take necessary corrective action to improve their performance indicators.

Operationalization of MCTFC

MCTFC is currently operational with 86 Helpdesk Agents. The agents are responsible for making outbound calls and answering calls of beneficiaries and health workers every day except on national holidays. In addition, there are 2 doctors who respond to the specific queries of beneficiaries and health workers and provide non-clinical advice to them.

MCTFC is currently catering to 20 States / UTs which are Andhra Pradesh, Assam, Bihar, Chandigarh, Chhattisgarh, Delhi, Gujarat, Haryana, Himachal Pradesh, Jammu & Kashmir, Jharkhand, Madhya Pradesh, Orissa, Punjab, Rajasthan, Uttar Pradesh, Uttarakhand, West Bengal, Telangana and Nagaland. MCTFC is presently support calling in Hindi, English, Telugu, Bengali, Gujarati, Odia and Assamese. Campaigns were also initiated to assess the effective implementation of Out of Pocket Expenditures (OOPE), and many more initiatives across the country.

Centre for Health Informatics (CHI) for National Health Portal (NHP)

The Centre for Health Informatics (CHI) has undertaken various activities relating to e-Governance/e-Health for improving the efficiency and effectiveness of healthcare system.

Development of Monitoring Dashboards/Portals/Websites:

- National Health Portal (NHP): NHP is continuously adopting new initiatives for dissemination of authentic health information to citizens across the country.
- Health and Wellness Centres (HWC): The CHI, MoHFW has implemented the project for monitoring Health and Wellness Centres (HWCs) under Ayushman Bharat Scheme. HWCs deliver comprehensive primary healthcare by upgrading existing health facilities or constructing infrastructure Development.
- CPHC-NCD Program-Application for population based prevention, control and screening for Non-Communicable Disease Programme. In this project, all the necessary infrastructure, software, call centre setup and other assistance will be provided by the MoHFW through CHI.
- Laqshya: Developed Portal/Dashboard for Laqshya, which is an initiative intends to improve the quality of care in Labour Room and maternity operation theaters. The Dashboard and data being filled by states.
- Natinal Programme for Health Care of Elderly (NPHCE): Developed NPHCE Portal/Dashboard for monitoring the programme.
- International Health Division Portal (IH/IC): e-Monitoring system for managing foreign country tours of delegations for various events, workshops, conferences, invites, JWGs, bilateral meetings, etc.
- Budget Dashboard: Developed Budget Dashboard of MoHFW for tracking the budget provisions, allocation and expenditure on MoHFW budget.
- Digital Transaction - Developed an online reporting mechanism (MIS) for monitoring total Number of transaction.
- Swachhta Portal: To monitor the activities under Swachhta programme.
- PMSMA: To provide assured, comprehensive and quality antenatal care, free of cost, universally to all pregnant women.
- National Identification Number to Health Facilities of India (NIN-To-HFI): 2,23,191 Public Health Facilities have been registered with NIN and more than 99% of health facilities have been verified by states.
- Mera Aspataal- CHI has implemented Mera Aspaatal project, in which CHI is managing the application and providing IT support to Mera Aspaatal project since August, 2018.

Mobile Applications

- Directory Services
- Swastha Bharat
- NHP Indradhanush
- No More Tension
- PMSMA
- Mera Aspataal
- India Fights Dengue
- NACO
- Jansankhya Sthirtha Kosh
- Ayushman Bharat

New Initiatives:

- Rashtriya Bal Swasthya Karyakram (RBSK)-CHI is assisting RBSK programme by making outbound calls to the beneficiaries and informing about safe motherhood and new born health.
- Mental Health-Mental Health website and Dashboard is under development briefing about the programme.
- Emergency Medical Response (EMR)-EMR website and Dashboard is under development.
- VAEIMS (Vaccine Adverse Event Information Management System)-To facilitate the collection, collation, transmission, analysis and feedback of India's vaccine safe data (AEFI data) from the periphery of the health care system. The application is hosted through CHI.
- Cyber Security-CHI is also involved for providing effective Cyber Security in health, incidence response, resolution and cyber crisis management.

Health Information Kiosk

Kiosks installed at various Central and State Government Hospital premises for providing quality health related information to all the citizens.

Social Media

Twitter/Facebook: NHP is connected with people through social media providing information about health, diseases, healthcare, health services and activities of MoHFW. NHP Social Media has received tremendous response globally.

Participation in GDHP Summit and Symposium

CHI actively participated in organizing a global event- Global Digital Health Partnership (GDHP) summit and symposium held during 25-27 February, 2019 at Hotel Ashok, Delhi. GDHP was hosted by MoHFW along with WHO.

National Cold-Chain and Vaccine Management Resource Centre (NCCVMRC)

The NCCVMRC has been setup at NIHFW with the objective of building capacity of the district level cold chain technicians involved in Universal Immunization Programme (UIP) to undertake repair and maintenance approximately 90,000 cold chain equipment and 28,000 cold chain points in the country. In addition, MoHFW has set-up the secretariat for technical specification for cold chain equipment and effective vaccine management at NCCVMRC.

In addition, the National Batches of Training on Vaccine and Cold Chain (T-VaCC) had been conducted for state level managers of immunization supply chain management at NCCVMRC in which 57 participants were trained. National Cold Chain Management Information System (NCCMIS) is operational across all the states and UTs of India to provide real time information on all cold chain equipment along with real time temperature monitoring of selected bulk vaccine stores. NCCVMRC has trained more than 158 cold chain technicians on repair and maintenance of ILR, DF and Voltage Stabilizer and 21 cold chain technicians on repair and maintenance of WIC & WIF.

NCCVMRC has facilitated one International training course of vaccine and cold chain management at Nepal in the month of September, 2018 in which participants from eight countries participated.

NCCVMRC conducted the First Capacity Building Workshop for Government Medical Store Depot (GMSD) Officials from Kolkata, Karnal, Mumbai and Chennai at Kolkata, West Bengal in the month of July, 2018.

NCCVMRC has technically facilitated the National Level meeting of State Cold Chain Officers in the month of January, 2019.

NCCVMRC had developed an online Spare Parts Module in the month of July, 2018 for the smooth distribution of cold chain equipment spare parts to the states and UTs across the country.

Foundation Training Programme for Newly Recruited Central Health Services (CHS) Medical Officers

The National Institute of Health and Family Welfare in collaboration with Ministry of Health and Family Welfare organized the 3rd Foundation Training Programme for the General Duty Medical Officers under central health Services from 27 August, 2018 to 6 October, 2018. The foundation training program aimed to enhance the professional efficacy and administrative acumen of the newly recruited General Duty Medical Officers (GDMOs) with focused exposure to health care delivery system and holistic approach to wellness including AYUSH system. The training was attended by 79 participants. Out of which 52 (65.8%) were males and 27(34.2%) were females. Besides, 67 (84.8%) participants were from CGHS and the others were from Airport Health Organization, Deptt. of Labour, Department of Post and All India Institute of Public Health and Hygiene.

Central Health Service (CHS) is a centralized cadre which is governed by MoHFW. The doctors under CHS work all over India and are placed across various Ministries, Departments, Delhi Government and CGHS. During training, the Medical Officers were trained in the areas of admiration and management, supervision, leadership and governance, team building, stress management, communication approaches, procedures relating to conduction of office, code of conduct, GOI rules, planning and strategies for implementation of various National Level Health Programmes.

As a part of the training programme the participants visited various health institutions of national repute across the country in groups to have holistic experience about health care delivery services of our country. The Medical Officers also got an opportunity to visit the President's House on 19 September, 2018. In his welcome address the Honorable President deeply appreciated the role being played by the doctors and health practitioners in keeping us healthy and fit.

A Batch of CHS Officers with Hon'ble President of India

The Honorable President in his address to the participants, congratulated the NIHFW for successfully conducting the programme and asked the doctors to serve the country with a deep sense of commitment and wished them all success in their career ahead.

National Skills Lab -DAKSH

National Skills Lab - DAKSH at NIHFW was established on 9 March, 2015 by Government of India in collaboration with LSTM, UK and the Maternal Health Division of MoHFW to upgrade the skills of health care providers such as ANMs/LHVs/SNs/MOs/nursing supervisors and faculty/obstetricians and paediatricians working at delivery points for providing quality RMNCH+A services.

It is a Lab comprises of 4 skill stations and 1 model Labour room where the trainees learn 35 Basic skills through practicing skills on mannequins, simulation exercises, demonstrations, role plays, videos and presentations. To achieve the sustainable development goals, we need to strengthen our health Workers especially in developing and undeveloped states.

This programme aims to reduce maternal and newborn mortality and morbidity by increasing availability and improving the quality of Skilled Birth Attendance (SBA) and Emergency Obstetric and New-born Care (EmONC). Skills Lab serves as prototype demonstration and learning facility for healthcare providers and focuses on competency based training. Skills Lab provides the opportunity for repetitive skills practice, simulation of clinical scenarios and training under the supervision of qualified trainers.

The six days training is divided into Pre and Post training assessment of skills and knowledge of participants by administering an objective structured clinical examination (OSCE) and Questionnaire and Demonstration and Theory sessions. Theory sessions are conducted by using videos and Power Point presentations. Skills sessions are demonstrated in Skill Stations by trainers on mannequins/equipments as per the standardized checklists. It is followed by practicing of skills by the trainees on mannequins under supervision of the trainers. By the end of each day, there is time for Supervised Skills Practice to learn any skill. On 6^{th} day of training, the post training assessment and certification are done.

Total number of health care professionals trained since inception (March 2015) till 7 March 2019, 706 out of which 96 participants got trained in 11 batches in the current financial year (April 2018 to 07 March 2019)

Public Health Systems Capacity Building in India Project in Collaboration with CDC, Atlanta

Public Health System Capacity Building in India Project (PHSCBI) was established at NIHFW on 20 November, 2014 for a period of five years to strengthen surveillance activities, outbreak investigation and improved managerial skills of health workforce working at State and District levels in the country.

The project was started with an objective to strengthen technical and managerial skills of the public health workforce.

Major activities of the project included conducting the following trainings:

- Frontline Epidemiology training of 3-month duration for the District Epidemiologists and District Surveillance Officers.
- One Rapid Response Team (RRT) Training of State and District level RRT members.
- Public Health Management (PHM) training for State and District level programme managers.

CONSULTANCY AND ADVISORY SERVICES

The Director and faculty members of the Institute provide advisory and consultancy services to various national, international and voluntary organizations in various capacities.

Activities of the Director

Prof. Jayanta K. Das, Director, besides directing all the activities of NIHFW; being an expert in the areas of Public Health, Health Management and Hospital Administration, was actively engaged in the following meetings, deliberations, discussions and workshops in different capacities:

International

- Participated in the 'Performance, Quality and Safety (PQS) Working Group (WG) Meeting on Cold Chain' at Copenhagen, Denmark (Nominated by the MoHFW), during 7-9 November 2018.

National

- Made a presentation on 'Right to Information, Clinical Establishment Act and Good Governance in Health Sector' in the Seminar on Health and Right to Information Act 2005, organized by the Central Information Commission in New Delhi on 7 April, 2018.
- As a Member, attended the Meeting of Committee for Empanelment of Independent National Monitors, in MoHFW, on 13 April, 2018.
- Co-chaired a session on 'Patient Safety' at Second National Quality Convention in Public Health, organized by National Health Systems Resource Centre (NHSRC), in New Delhi, on 20 April, 2018.
- Chaired a Technical Session on 'Dengue Vector Behaviour and Control' in the Symposium on National Dengue Day, organized by AIIMS in New Delhi on 16 May, 2018.
- As a Member, attended the 16th Meeting of the Executive Committee of National Health Systems Resource Centre, held in MoHFW on 25 May, 2018.
- Attended the 'Dissemination Meeting on Progress of Family Planning', organized by the Family Planning Division, MoHFW in collaboration with Avenir Health (Track 20 Project) in New Delhi on 25 May, 2018.
- As an Expert, attended the Expert Review Committee Meeting for Case Classification of AFP cases with 'Inadequate and Vaccine Virus Positive Stool Samples', at the WHO-Country Office (National Polio Surveillance Project), New Delhi on 28 May and 20 June, 2018.
- Chaired the Meeting of the 'Pradhan Mantri Surakshit Matritva Abhiyan' (PMSMA) Awards Committee, constituted by the Ministry of Health and Family Welfare, held in NIHFW, New Delhi on 6 June, 2018.
- Attended the Dissemination Workshop for sharing the 11th CRM Reports with all stakeholders, organized by MoHFW in New Delhi on 18 June, 2018.

- As a Member of the IPHS Review Committee for revision of norms under Indian Public Health Standards, attended the first meeting of the Committee, organized by MoHFW in New Delhi on 19 June, 2018.
- Attended the release of National Health Profile 2018 and launch of National Health Resource Repository Project, organized by Central Bureau of Health Intelligence, DGHS, MoHFW, in New Delhi on 19 June, 2018.
- Attended the Hindi Advisory Committee Meeting at Ministry of Health and Family Welfare chaired by the Minister of Health and Family Welfare, Government of India on 22 June, 2018.
- Attended the Programme for signing of MoU between Ministry of Health and Family Welfare and Indira Gandhi National Open University in MoHFW on 25 June, 2018.
- Nominated as the Chairperson of the Study Group, constituted by the National Capital Region Planning Board (NCRPB), Ministry of Housing and Urban Affairs, Government of India to study and review the status of implementation of the policies and proposals of Regional Planning-2021 with regard to the assigned sectors/chapters.
- Attended the 20th National Conference of Association of Prevention and Control of Rabies in India (APCRICON 2018) with the theme 'Rabies Free India by 2030: Action begins now', organized by the Department of Community Medicine, Vardhman Mahavir Medical College and Safdarjung Hospital, New Delhi, Ministry of Health and Family Welfare, Government of India, New Delhi on 7 July, 2018.
- As an Expert, participated in a Panel Discussion on the occasion of World Population Day on Lok Sabha Television on 6 July, 2018.
- As Chief Guest inaugurated the Mid-Year CUTICON 2018 organized by the Indian Association of Dermatologists, Venereologists and Leprologists in New Delhi on 8 July, 2018.
- Participated in a Live Discussion on 'Population Control: Key to Development' organized by All India Radio for its Indraprastha Channel on 11 July, 2018.
- As an Expert, delivered a talk on 'Initiatives to reach out to underserved populations' in the workshop organized by MoHFW on the occasion of World Population Day in New Delhi on 11 July, 2018.
- Attended the Expert Review Committee Meeting for Case Classification of AFP cases with 'Inadequate and Vaccine Virus Positive Stool Samples', at the WHO-Country Office (National Polio Surveillance Project), New Delhi on 13 July, 2018, 9 August, 2018 and 28 September, 2018.
- Took a session on 'Equipment Planning, Procurement, Audit Maintenance, Repairs, Disposal', BEA at Research and Referral (RR) Hospital for the participants of Second Contact Programme of Post-graduate Diploma in Hospital and Health Management, organized by Army Hospital (Research and Referral), New Delhi on 16 July, 2018.

- As a Member, attended the Governing Body Meeting of National Health Systems Resource Centre (NHSRC) in New Delhi on 17 July, 2018.

- Visited Kolkata to inaugurate and oversee the Training Course on Capacity Building for GMSD Officials on Vaccine and Cold Chain Management (UNICEF funded), organized by NCCVMRC from 18-19 July, 2018.

- Attended the launch Ceremony of National Viral Hepatitis Control Programme, organized by the MoHFW, in New Delhi on 27 July, 2018.

- Attended the Annual Day Celebration of National Centre for Disease Control in New Delhi on 30 July, 2018.

- As a Member, attended the Board of Studies (BOS) Meeting of University School of Medicine and Para Medical Health Sciences, Guru Govind Singh Indraprastha University, Delhi on 31 July, 2018.

- Attended the Consultation on Public Health Care, organized by NITI Aayog, Government of India, in New Delhi, on 14 August, 2018.

- Attended the Action Seminar on National Health Mission-Programme Implementation Plan (PIP 2018-19), organized by Mission Director, NHM, Gujarat at Ahmadabad, on 31 August, 2018.

- Attended a meeting with the Principal Secretary, Government of Gujarat to discuss NIHFW collaboration with SIHFW, Gujarat at Ahmadabad from 30-31 August, 2018.

- Chaired the first meeting of the Study Group for the Review of Chapter on Social Infrastructure (Education and Health) of the Regional Plan-2021 for NCR, constituted by the National Capital Region Planning Board (NCRPB), Ministry of Housing and Urban Affairs, Government of India, in New Delhi, on 4 October, 2018.

- Chaired a Session on 'HSS 2019-Review of Actions taken by SACS on Important Instructions and Review of Proposal of New Sites' in the HIV Sentinel Surveillance 2019-National Pre-Surveillance Meeting of RI and SACS, held in Gurugram, Haryana, on 8-9 October, 2018.

- Attended the Policy Seminar on Health Care Financing for India, organized by the MoHFW, Government of India, in New Delhi, on 12 October, 2018.

- Made a presentation on 'Health Care Delivery System in India' to a German delegation, comprising of representatives from Medical/Healthcare System of Germany, at Directorate General of Health Services, MoHFW, New Delhi, on 29 October, 2018.

- Chaired a session on 'Trends and Innovations in Community Health Nursing, Obstetrics and Gynaecological Nursing, Paediatric Nursing' during the International Nursing Conclave 2018, organized by the School of Nursing Sciences and Allied Health, Jamia Hamdard, New Delhi, on 30 October, 2018.

- As an Expert, attended the Selection Committee Meeting for the post of Assistant Professor (Hospital Administration) for AIIMS Campus for Cancer Hospital, Jhajjar, Haryana, at All India Institute of Medical Sciences, New Delhi on 14 November, 2018.

- Attended the 4th International Congress on Gerontology and Geriatric Medicine along with the Asia Pacific Geriatric Medicine Network Conference New Delhi at All India Institute of Medical Sciences, New Delhi on 15-16 November, 2018.

- Advocacy meeting with the Principal Secretary (H&FW), Government of Madhya Pradesh, for conducting 3 months Frontline Epidemiology Training Course for the state of Madhya Pradesh under the project 'Public Health Systems Capacity Building in India', on 16 November, 2018.

- As an Expert, attended the Selection Committee Meeting for the post of Senior Consultant (MoHFW), held in National Health Systems Resource Centre, New Delhi on 19 November, 2018.

- Attended the National Consultation on Accelerating the Quality Agenda in India, organized by MoHFW in New Delhi, on 20 November, 2018.

- Attended the 9th Indian Organ Donation Day, organized by the National Organ Tissue Transplant Organization (NOTTO), in New Delhi on 27 November, 2018.

- Attended the Convocation for Distance Learning Courses 2017-18 batches at SIHFW, Bengaluru; Advocacy meeting for 3 Months Frontline Epidemiology Training Course for the State of Karnataka under the project 'Public Health Systems Capacity Building in India', on 27 November, 2018.

- Attended 'A Dialogue on Building Blocks for a New Age Health System' organized by the NITI Aayog in New Delhi on 30 November, 2018.

- As an Expert, attended the Expert Review Committee Meeting for Case Classification of AFP cases with 'Inadequate and Vaccine Virus Positive Stool Samples', at the WHO-Country Office (National Polio Surveillance Project), New Delhi on 30 November, 2018 and 28 December, 2018.

- As Chief Guest and Motivational Speaker attended the Induction Programme of 1st Year Post Graduate Students of All India Institute of Ayurveda, in New Delhi on 4 December, 2018.

- Attended the 'India Day'- to share achievements, learnings and innovations from the Government of India's Reproductive Maternal Neonatal Child Health + Adolescent (RMNCH+A) Programme, jointly organized by the MoHFW and UNFPA in New Delhi, on 10 December, 2018.

- As Examiner, attended the Examination for M.D. (Hospital Administration) at All Indian Institute of Medical Sciences, New Delhi, on 11 December, 2018.

- Attended the 2018 Partners Forum for Maternal Newborn and Child Health (PMNCH) inaugurated by Hon'ble Prime Minister of India, hosted by the Government of India, in New Delhi on 12-13 December, 2018.

- As a Member, attended the Governing Body Meeting of Centre for Social Development in New Delhi on 14 December, 2018.

- As an Expert, attended the Meeting regarding establishment of School of Public Health in University of Delhi on 26 December, 2018.

- As a Member attended the 5th General Body Meeting of Jansankhya Sthirta Kosh (Population Stabilization Fund), in New Delhi on 25 January, 2019.

- As an Expert, attended the Expert Review Committee Meeting for Case Classification of AFP cases with 'Inadequate and Vaccine Virus Positive Stool Samples', at the WHO-Country Office (National Polio Surveillance Project), New Delhi on 31 January, 2019 and 19 March, 2019.

- Attended the 6th Meeting of Mission Steering Group of National Health Mission (NHM), under the Chairmanship of Union Minister for Health and Family Welfare, organized by MoHFW in New Delhi on 2 February, 2019.

- Chaired a scientific session on 'Universal Health Coverage- Scope of Expansion to Workplace' during the 4th International Conference on Occupational and Environment Health (ICOEH 2019) in New Delhi on 15 February, 2019.

- As a Special Invitee attended the 3rd meeting of the India Expert Advisory Group on Measles and Rubella (IEAG-MR), organized by the MoHFW in New Delhi on 19-20 February, 2019.

- Chaired the meeting of Indian Public Health Association held in NIHFW on 20 February, 2019.

- As an Expert, attended the Mini India Expert Advisory Group (IEAG) on Polio Meeting organized by the Immunization Division, MoHFW, in New Delhi on 21 February, 2019.

- As a Panelist, participated in a session on "Integrated Platforms for e-learning aimed at capacity building for the global health workforce" during the 4th Global Digital Health Partnership Summit, organized by the MoHFW in New Delhi, on 25 February, 2019.

- As an Expert, attended the Round Table National Consultation to bring out a Policy on Health Promoting Universities for addressing issues of mental and physical health and the ways to promote healthy living practices for all the students, organized by University Grants Commission, Ministry of Human Resource Development, in New Delhi on 28 February, 2019.

- As an Expert, attended the Pharmaco-economics Workshop and participated in a Panel Discussion on 'Procurement: Pharmaco-economics Principles and Best practices' in New Delhi on 12 March, 1019. The workshop was organized by Translational Health Science and Technology Institute (THSTI), an autonomous institute under Department of Biotechnology, Ministry of Science and Technology, Government of India.

- As a Member, attended the 41st General Council Meeting of International Institute for Population Sciences (IIPS) held in MoHFW, New Delhi, on 27 March, 2019.

Activities of the Faculty and Staff

Dr. Tulsidas G. Shrivastav, Professor and Head, Department of Reproductive and Bio-Medicine

- As an Expert, chaired fourth session on "Stem Cell Research in Regenerative Medicine-Current Status and Future Challenges" in the Global Conference on Reproductive Health with focus on Occupational, Environmental and Lifestyle Factors and attended 29th Annual Meeting of the Indian Society for the Study of Reproduction and Fertility (ISSRF) held from 22-24 February, 2019 at JNU Convention Centre, Jawahar Lal Nehru University, New Delhi-110067.

- As an Expert, conducted Viva-Voce Examinations for Ph.D. thesis entitled "Development of nano-based fungicide using green synthesized copper, copper oxide and silver nanoparticles for sustainable agriculture" on 4 February, 2019 at 12.00 noon at the Department of Biotechnology, Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati.

- As an Expert, Adjudicated eighty projects on Nanomedicine for funding from ICMR, 18 and 19 March, 2019.

- As an Expert, Adjudicated the Master thesis entitled "Genetic study on Sertoli Cell Only Syndrome SCOS" submitted for the award of Master of Science under faculty of science to All India Institute of Medical Sciences, New Delhi on 29 March, 2019.

- Participated as external assessor in assessment of four tertiary care institution namely Vallabhbhai Patel Chest Institute (VPCI), Delhi; All India Institute of Medical Sciences

(AIIMS), Jodhpur; Mahatma Gandhi Institute of Medical Sciences (MGIMS), Wardha and Regional Institute of Medical Sciences (RIMS), Imphal, under Kayakalp Scheme were under taken from 26 December 2018 to 9 January, 2019.

Dr. Rajni Bagga, Professor and Head, Department of Social Sciences

- Delivered a Lecture on Team Work and Leadership at the Vardhman Mahavir Medical College and Safdarjung Hospital workshop on "Communication Skills and Stress Management" for Post Graduate students on 11 May, 2018.
- Participated as Examiner in the PGDPHM Course at IIPH Hyderabad on May 28, 2018.
- Attended PGDPHM Course Partners Meeting at PHFI on 29 May, 2018.
- Attended the "Brainstorming Session for transforming Nursing education in India" at NITI Aayog, New Delhi on 25 July 2018.
- Attended the 5th World Congress on Nursing held at London, United Kingdom during 13-15 August, 2018 and made a Plenary Presentation on the "Nursing Leadership for Strategic Vision Development towards a sustainable health system".
- Attended the Project Review Group (PRG) meeting at Indian Council of Medical Research, New Delhi on 17 July, 2018.
- Attended the Expert Group (EG) meeting on 23 and 24 January 2019 at ICMR New Delhi.
- Invited at SIHFW, Vadodara to conduct sessions on "Building Self awareness and Emotional Intelligence"; and "Leadership and Motivation", from 21-23 February, 2019 in the Training course on Healthcare communication for the health professionals.
- Attended the Expert Group (EG), meeting on 19 March 2019 at ICMR New Delhi.
- Conducted a workshop on Communication and counselling Skills (9:00-13:00) on 29 March 2019 in the Annual Hardinge Conference Medicus Conventus 2019 at Lady Hardinge Medical College, New Delhi.
- Attended Women Conclave as panelist being organized by the JNU and DST together on International Women's day on 8 March 2019.

Dr. Neera Dhar, Professor and Head, Department of Education and Training

- Delivered a lecture on Stress and Time Management on White Coat Ceremony and Orientation Programme (for newly admitted MBBS & BDS students batch 2018) at Medical Education Unit, Faculty of Medicine, Jawaharlal Nehru Medical College, AMU, Aligarh on 1September, 2018
- As an Expert, delivered a Lecture on "Stress Management" and "Counseling" at Employees' State Insurance Corporation (ESIC), New Delhi 17-18 January, 2019.

Dr. Pushpanjali Swain, Professor and Head, Department of Statistics and Demography

- Attended TAC meeting for "Comparing Methods for Assigning Causes of Death by Verbal Autopsy" at NIMS, ICMR on 10 April, 2018.
- Conducted M.Phil Viva-voce Examination on 8 May, 2018 at Jawaharlal Nehru University Centre for the Study of Regional Development School of Social Sciences, New Delhi.
- Attended TAC meeting for the Coverage Evaluation Survey (CES) at Nirman Bhawan, New Delhi on 6 June, 2018.
- Attended the meeting for the Coverage Evaluation Survey (CES) at UNICEF, New Delhi on 25 September, 2018.
- Attended the "2nd International Conference on Worldwide Infectious Diseases" during 3rd to 4th December, 2018 at Madrid, Spain and presented the paper on "Determinants of Declining trends of HIV prevalence in India".
- As a Member, conducted 16th round of HSS in ANC for supervisory and monitoring visit during HSS 2019 from 28 January to 1 February, 2019 in Nagaland.
- As a participant, attended the inauguration online of the Quarterly/Annual Report of CVC at Auditorium, Satarkata Bhawan, Central Vigilance Commission on 23 January, 2019 at New Delhi.
- As a Member, attended the meeting of Technical Advisory Committee (TAC) for the Coverage Evaluation Survey (CES) 2019 at Nirman Bhawan, New Delhi on 19 February, 2019.
- As an Expert, delivered a Special Lecture "Demographic Transition in India: Futuristic Outlook" at School of Planning and Architecture, ITO, New Delhi on 20 February, 2019.
- As a Member, attended the meeting on the "Progress of National Health Resource Repository (NHRR)" Census along with Quality checks and Validation at Nirman Bhawan, New Delhi on 22 February, 2019.

Dr. Poonam Khattar, Professor and Acting Head, Department of Communication

- External Expert for practical examination, Guru Govind Singh Indraprastha University on 3 May, 2018 at National Centre for Disease Control, Delhi.
- Resource person for the Workshop on "Development of Resource Materials for School Health Component of Ayushman Bharat" on 4-5 June, 2018 at NCERT, New Delhi.
- Attended the 'National Consultation on Accelerating Implementation of Tobacco Control Measures for Achievement of the Goals under National Health Policy, 2017' at The Leela Palace, Chanakyapuri, New Delhi on 6 June, 2018.
- Attended the Nasha Mukti Abhiyan Task Force for addressing tobacco, alcohol and substance abuse at The Leela Palace, Chanakyapuri, New Delhi on 7 June, 2018.

- As an Expert, attended the "Round-table consultation to finalize the framework for the Resource Centre on Tobacco Control" organized jointly by School of Public Health, PGIMER, Chandigarh and Maulana Azad Institute of Dental Sciences and supported by International Union Against Tuberculosis and Lung Diseases (The Union) at Maulana Azad Institute of Dental Sciences, New Delhi on 27 July, 2018.
- Attended a meeting to discuss agenda of COP-8 and frame India's intervention at Ministry of Health and Family Welfare, New Delhi on 14 August, 2018.
- As a Resource person attended the review meeting to draft material for the textbook for Class XI on Health and Physical Education held at the National Council for Educational Research and Training, New Delhi from 17-19 September, 2018.

Dr. Mihir Kumar Mallick, Professor and Head, Department of Management Sciences

- Attended 12 Common Review Mission as a team member to the state of Tamil Nadu from 4-12 September, 2018.

Dr. Manish Chaturvedi, Professor and Head, Department of MCHA

- Participated in the Workshop on Risk Communication during Public Health Emergencies on 14-15 May 2018, organized by WHO-NCDC at Shimla, Himachal Pradesh.
- Delivered a Lecture on "Handling Medical Emergencies including Cardio Pulmonary Resuscitation Procedure" to the participants of the 50th Batch of Level E Training Programme for under Secretaries of Central Secretariat Service (CSS) at Institute of Secretarial Training and Management (ISTM) on 15 June, 2018.
- Attended Inaugural Programme of the 10th meeting of the Global Alliance to Eliminate Lymphatic Filariasis (GAELF) Chaired by the Union Health Minister, Government of India, organized by NVBDCP-WHO on 13 June, 2018 at Le Meridian, New Delhi.

Dr. Meerambika Mahapatro, Associate Professor, Department of Social Science

- Delivered a guest lecture on Scientific Writing on 5 April, 2018 to the Medical professionals at NTA, ESIC, Dwarika, New Delhi.
- Invited by ICMR to chair the selection committee for the post of Scientist-B on 21 December, 2018.
- As an Expert, delivered guest Lecture on "Case Management and counseling of victim of violence and Human and Health Rights" at Employees' State Insurance Corporation (ESIC), New Delhi on 18 January, 2019.
- As an Expert, delivered a guest lecture on "Ethnography in Health Research" in the training programme on "Ethnography Workshop held from March 11-22, 2019 at Ambedkar University, Delhi on 13 March, 2019.
- As a Member, attended the selection committee of Scientist B posts at National Institute of Malaria Research, New Delhi on 11 March, 2019.

Dr. Renu Shahrawat, Assistant Professor, Department of RBM

- Monitored the field survey for Mapping and Listing for Coverage Evaluation Survey, 2018 for Haryana state at Rohtak, Jhajjar, Kurukshetra and Mahendergarh District from 10-14 September, 2018.

Dr. Ankur Yadav, Assistant Professor, Department of Communication

- Delivered two lectures on Introduction to Health Care Communication and Barriers & Facilities in the Training of Trainers on Health Care Communication at State Institute of Health & Family Welfare, Vadodara, Gujarat on 17 December, 2018.

Mr. Salek Chand, Senior Documentation Officer, National Documentation Centre

- As an Expert, attended and chaired a Technical Session in the Sixth International Conference of Asian Special Libraries (ICoASL) 2019 organized by the Institute of Economic Growth, (DU North Campus Enclave), Delhi on 14 February, 2019.

- As a Member, Attended a workshop on "Use of E-Resources and their Access" organized by Ambedkar University Delhi on 13 February, 2019.

- As a Expert, chaired a Technical Session in "9th KSCLA National Conference on Library in the Life of the Users" organized by Tumkur University, Tumakuru on 1-2 March, 2019.

- As a Expert, delivered an invited talk during International Conference on Application of "ICT in Development of Sustainable Tourism: an Initiative under Digital India" organized by Diu College and Department of Tourism Diu (UT) at Diu (UT) on 16-17 February, 2019.

- As a Expert, chaired a Technical Session in the International Conference on "Intellectual Property Rights: Digital Transformations" at Multipurpose Hall, Sanskruti Bhavan, Directorate of Art and Culture, Patto, Panaji, Goa on 27-29 March, 2019.

ADMINISTRATIVE MEASURES

During the year under review, several administrative procedures for finalizing the matters relating to retirement, pension, promotion/appointment, etc. were streamlined in the Institute.

(i) Governing Body (GB)

The major responsibility for management of the Institute's affairs has been entrusted with the Governing Body, constituted under the Chairmanship of the Hon'ble Union Minister for Health and Family Welfare. Policy decisions are taken in the meeting to improve the functioning of the Institute. The 39th Meeting of the Governing Body of NIHFW was held on 16 April, 2018 under the chairmanship of Hon'ble Union Minister for Health and Family Welfare, MoHFW.

(ii) Standing Finance Committee (SFC)

The SFC is an important committee which provides guidance in the matters of financial management of the Institute. The 60th Meeting of the Standing Finance Committee of NIHFW was held on 29 June, 2018 under the chairmanship of Ms. Preeti Sudan, Secretary, Health and Family Welfare, MoHFW.

(iii) Programme Advisory Committee (PAC)

The committee includes representatives of different disciplines, drawn from the Central and State levels and Central Training Institutes, either directly or indirectly involved in the promotion of health and family welfare programmes in the country. The committee normally meets at least twice a year to review the activities of the Institute to provide guidance in academic activities.

The PAC reviewed all the training and research activities as well as the current status of the on-going studies. All the faculty members, Medical Officers and Research Officers attended the meeting.

USE OF HINDI IN OFFICIAL WORK

An Official Language Implementation Committee is functioning in the Institute under the Chairmanship of Director, NIHFW to monitor the progress of the implementation of Official Language Policy at NIHFW. The present composition of the Official Language Implementation Committee is given at Annexure-I. During the period under report, (i.e. from 01 April, 2018 to 31 March, 2019) the Committee held all its quarterly meetings regularly.

Composition of the Official Language Implementation Committee
(As on 31 March 2019)

1	Director	Chairman
2.	Dr. Sanjay Gupta, Dean and Professor, Deptt. of Epidemiology	Vice-Chairman
3	Shri Anil Kumar, Dy. Directior (Admn.)	Member
4	Prof. S.V. Adhish, Head, Deptt. of C.H.A.	Member
5	Dr.V.K.Tewari, Professor, Deptt. of Planning and Evaluation	Member
6	Dr. (Mrs.) Neera Dhar, Actg. Head and Professor, Deptt. of Education and Training	Member
7	Dr. Mirambika Mahapatro Associate Professor, Deptt. of Social Sciences	Member
8	Dr. Ankur Yadav, Asstt. Professor, Deptt. of Communication	Member
9	Dr. Rajesh Kumar, Asstt. Professor, Deptt. of R.B.M.	Member
10	Shri Salek Chand, Senior. Documentation Officer., N.D.C.	Member
11	Dr. J.P. Shivdasani, Research Officer	Member
12	Shri Jagdish Sharma, D.E.O. Gr. E, Computer Centre	Member
13	Section Officer (Admn.1)	Member
14	Section Officer (Admn.2)	Member
15	Section Officer (Academic)	Member
16	Workshop and Maintenance Officer	Member
17	Accounts Officer	Member
18	Officer Incharge (Stores)	Member
19	Dr. Ganesh Shankar Srivastav, Sub-Editor (Hindi)	Member
20	Assistant Director (O.L.)	Member-Secretary

A brief description of the progress regarding implementation of Official Language Policy during the period under report (i.e. from April, 2018 to March 31, 2019) is given below:

1. Use of Hindi in Correspondence

During the period under report, 95.90% letters (including E-mails and fax messages) 97.00% letters meant for region 'A', 92.72% for region 'B' and 88.80% letters for region 'C' respectively were issued in Hindi against the fixed target of 100% for 'A' & 'B' regions & 65% for 'C' region. Cent

percent General Orders were issued bilingually during the said period. Similarly all the letters received in Hindi were replied to in Hindi.

Apart from day-to-day translation work in Hindi, the following specific translation work was also accomplished during the period under review:

2. Specific Translation Work

Apart from day-to-day translation work in Hindi, the following specific translation work was also accomplished during the period under review:

i. Annual Report, 2017-2018
ii. Annual Accounts, 2017-18
iii. Translation of proformas/material pertaining to certificates, banners and advertisements from various Departments.
iv. Translation of drafts of invitation card, advertisement, banner etc. pertaining to inauguration of 2nd foundation training programme for newly recruited Medical Officers under C.H.S. officers.
v. Translation of a Questionnaire for the Parliamentary Committee Secretariat".
vi. Tender notice forms.
vii. Translation of materials for the skill tests a written test for the various posts i.e. Steno, Gr. III, L.D.C and Research assistant and M.T.S. under a project in the Institute.
viii. Translation of documents pertained to disciplinary proceedings 2 sets.
ix. Translation of material compiled for inclusion in the Annual Report for the year 2018- 2019 of Ministry of Health and Family Welfare.
x. Audit Report Certificate, SAR para, and related comments material for the year 2017-18.
xi. Translation of Material for Institute's quarterly Newsletter regarding Hindi Cell's and other events activities pertained to all four quarters i.e. during 2018-19.
xii. Translation of delay statement material for the year 2017-18.
xiii. Translation of various forms related to day to day work of Institute.
xiv. Translation of material related to Vigilance awareness week during 29 October to 3rd November, 2018.
xv. Translation of information material pertained to panels of Annual Day 2019 exhibition of the Institute.
xvi. Translation of Review statement, for the year 2017-18.
xvii. Translation of material for uploading on Institute's website.
xviii. Translation of drafts of invitation card, certificates and press release pertaining to Annual Day function, 2019 of the Institute.

3. Hindi Teaching Scheme

A. Training of Staff under Hindi Teaching Scheme in Hindi Stenography and Hindi Typewriting

Out of 9 Stenographers, on regular strength of the Institute, 8 stenographers have already been trained in Hindi Stenography. The remaining one stenographer will be nominated in the next session of training. Similarly out of 15 typists/LDCs, 13 have already been trained in Hindi typing.

B. Training of Staff in Hindi

All the 178 eligible staff members of the Institute have attained working knowledge in Hindi. Out of them 94 staff, members have proficiency in Hindi and the remaining 84 have acquired the working knowledge in Hindi.

4. Incentive scheme for progressive use of Hindi in the official work

During the period under report, 10 employees of the Institute have participated in the aforesaid Incentive Scheme. For the financial year 2018-19, their work will be evaluated by a sub-committee constituted with the approval of Director, NIHFW.

5. Hindi Fortnight

Hindi fortnight was celebrated in the Institute during 1-15 September, 2018 under which the following activities were organized:

i. The Director, NIHFW appealed to all the staff members urging them to make progressive use of Hindi in their day-to-day Official work on 31 August, 2018.

ii. An Essay Competition was organized on 4th September, 2018 for the staff of the Institute. The topic for the Essay Competition for Hindi speaking and non-Hindi speaking candidates respectively were "Badhta plastic pradushan aur chunautiyan and "bacchon mein kuposhan ki smasya".

iii. Hindi Noting and Drafting competition on 5 September, 2018.

iv. Hindi Elocution Competition on "Social media se labh ya haani?" 8 September, 2018.

v. Hindi Shrutlekhan (Dictation) competition for M.T.S group staff of the Institute 10 September, 2018.

vi. A Written and verbal Hindi Quiz Competition 11 & 12 September, 2018

vii. Celebration of 'Hindi Day' 14 September, 2018 in the Institute.

In order to acquaint the staff members with the provisions of Official Language Act, a lecture by Chief Guest Shri Arvind Kumar Singh, Eminent Editor (Parliamentary affairs) Rajya Sabha T.V. 'Vartman pariprekshay mein Hindi ka pryog" was also organised.

6. Other Activities

A. Participation in Meetings/Conferences

- Shri Arvind Kumar, Asstt. Director (O.L.) attended the meeting of Nagar Rajbhasha Karyanvayan Sariti South Delhi- 110002 on 30 May, 2018.
- Prof. Jayanta K. Das, Director, NIHFW, Shri Anil Kumar, Deputy Director (Admn.), NIHFW and Shri Arvind Kumar, Asstt. Director (O.L.) NIHFW attended meeting of Hindi Advisory Committee, MoHFW under the Chairmanship of Shri Ashwini Kumar Chaubey, Honb'le Minister of State, MoHFW at Nirman Bhawan on 22 June, 2018.
- Shri Arvind Kumar, Asstt. Director (O.L.) acted as a external examiner in a Hindi Shrutlekhan competition for M.T.S. employees at MoHFW, Nirman Bhwan, New Delhi on 13th September, 2018.
- Dr. Ganesh S. Srivastava, Sub Editor (Hindi) and Smt. Kalpana Mishra, Jr. Hindi Translator also Participated in the meetings of Nagar Rajbhasha Karyanvayan Samiti, South Delhi-2 held under the Chairmanship of Chairman, Central Electricity Authority in the conference hall of N.RP.C Bhawan, Katwaria Sarai, New Delhi on 29 October, 2018.
- Shri Arvind Kumar, Asstt. Director (O.L.) acted as a guest speaker in one day Hindi workshop organised at AIIMS, Raipur, Chhattisgarh, to train the staff of AIIMS, Raipur in Quarterly progress report an Official Language Rules Implementation at Raipur on 28th December, 2018.

B. Official Language Inspection of Institute

On 5 October, 2018, Smt. Niharika Sing, Joint Director (Rajasthan) MoHFW alongwith their senior personal assistant Shri Pritam Das visited the Institute regarding inspection of Hindi use in work.

C. Hindi Workshop in the Institute

Nineteenth two days Hindi Workshop was conducted on Use of Hindi in Official Work 4 - 5 December, 2018.

D. Release of Jan Swasthay Dhaarna

During the period under report, on 9 March, 2018, on the occasion of Annual Day function of the Institute 24th Issue of Jan Swasthay Dhaarna, a Hindi magazine of the institute was released by the Hon'ble Chief and Honb'le Guests.

During the period under report, following articles published 24th issue of Hindi magazine 'Dhaarna' are as under-

- Kumar Anil, Healthy hai Haldi
- Kumar Arvind, Rogon ka vaikalpik upchar
- Yadav Ankur, Rawat Virendra, Sheetkaleen mausam aur swasthya
- Srivastava Ganesh Shanker, Hindi me Vigyan Patrakarita (Journalism Science in Hindi).

EVENTS

127th Birth Anniversary of Dr. Bhimrao Ambedkar

127th birth anniversary of Bharat Ratna Dr. Bhimrao Ambedkar was celebrated in the Institute on 16 April 2018. On the day, the worthy Director Prof. Jayanta K. Das offered floral tributes to the main architect of the Indian constitution in the auditorium of the Institute. On the occasion, along with the Director Prof. Jayanta K. Das, Deputy- Director (Admn.) Shri Anil Kumar, Dean Prof. Sanjay Gupta, Prof. Poonam Khattar, Dr. Kiran Rangari, Shri V.P. Upreti, and Shri Shyamveer also shared their views about the major contributions of Baba Saheb Bhimrao Ambedkar in scripting the Indian Constitution.

World No Tobacco Day

The NIHFW celebrated 'World No Tobacco Day' (WNTD) on May 31, 2018. The event was chaired by Prof. Jayanta K. Das, Director, NIHFW. Dean, Deputy Director (Admn.) and all the other staff members participated in the event. The burden of tobacco use, socio-economic aspects, ill effects on humans and use of crop rotation as an alternative to tobacco cultivation were elaborated. Efforts made by the Government to deter the use of tobacco were also highlighted. On the occasion, the 2nd year MD (CHA) students and PGDPHM International students enacted a role play, emphasizing the ill effects of the chewing tobacco as a leading cause for oral cancer and throat cancers. The event proceeded with a panel discussion on the topic, which extensively dealt and elaborated the harmful effects caused by tobacco consumption, both in chewable and in smoking form. The difficulties in banning the cultivation of tobacco crop and new treatment and rehabilitative alternatives were discussed. The event sensitized the audience towards quitting smoking, adopting a healthy lifestyle like exercising daily for 30 minutes and encouraged them to prohibit using the same within the Institute campus. In the end, the panelists displayed various slogans to the audience. The event concluded with the address of the Director who emphasized the policy decisions taken by the Institute towards a tobacco free NIHFW.

World Environment Day

The NIHFW celebrated "World Environment Day" on June 5, 2018. The theme for World Environment Day, 2018 was 'Beat Plastic Pollution' which allowed us to come together to combat this global environmental challenge of our age. Event started with the Deputy Director's speech, in which he emphasized the over exploitation of plastic use which has lead to a prolonged and tortuous global environment disaster.

The MD (CHA) 1st year students organized a panel discussion on the topic. They made the audience aware of the harmful chemicals and toxins released by plastic pollution and ill health effects. The discussion emphasized the message of "reject single use plastic, refuse what you cannot reuse".

Different messages were displayed and the audience was encouraged to reduce plastic pollution. An oath was taken at the end of the event by the staff pledging that, "together we can ensure that our

future generation lives in a clean and green planet, in harmony with nature". The celebrations concluded by planting trees in the campus by the Director and other faculty members.

Independence Day celebration

On 15 August, 2018, Independence Day was celebrated in NIHFW. Director of the Institute Prof. Jayanta K. Das hoisted the National flag and national anthem was sung. On this occasion, Director Prof. Jayanta K. Das and present department members addressed the gathering. A Musical event was performed by children of staff members of the Institute under the direction of Mrs. Anima Sinha.

Hindi Fortnight 2018

Various competitions and interesting programmes were held in NIHFW during the Hindi Fortnight from 1 to 15 Sept., 2018. On 31 August, 2018, Director appealed for the maximum use of Hindi in official works in all departments/sections. During the fortnight, essay, noting, drafting, dictation, written quiz and debate were conducted. Except written quiz and dictation, all other competitions were organized for non-Hindi language category. On 14 September, 2018, a programme was held in the auditorium, which was graced by Shri Arvind Kumar Singh (Editor of Rajya Sabha TV-Parliamentary affair) as Chief Guest and Director, Prof. Jayanta K. Das, chaired the valedictory session of Hindi day celebration. Honorable Chief Guest addressed the gathering with regard to increase the use of Hindi in their work. On this occasion, the winners of various competitions were awarded certificates. Dr. Ganesh Shankar Srivastava coordinated the programme and vote of thanks was presented by Shri Arvind Kumar, Assistant Director (Rajbhasha) elocution.

Vigilance Awareness Week

Vigilance Awareness Week was observed in the Institute from 29 October, 2018 to 3 November, 2018. On 29 October 2017 at 11 a.m. Director, Prof. Jayanta K. Das administered the anti-corruption pledged to the staff of the Institute. He and the employees took the pledge to work with integrity and transparency, prosperity and dignity of the Institute as well as working without any fear and favoritism. During that period, Slogan, Vigilance quiz, essay and drafting and Debate competition were organized in the Institute. Prof. T.G. Shrivastav, Prof. V.K. Tiwari, Prof. Poonam Khattar, Dr. Rajesh Kumar and Shri Arvind Kumar were in the Decisive committee. On 2 November, 2018, Director of the Institute, Prof. Jayanta K. Das awarded the winners of various competitions.

New Year Celebration

On 1 January, 2019, on the eve of New Year, all the staff of the Institute assembled in front of the administrative block on New Year and exchanged greetings. Director, Prof. J. K. Das greeted the staff and wished them happiness, health and well-being.

Republic Day Celebration

Republic day was celebrated on 26 January, 2019. Prof. Jayanta K. Das hoisted the National Flag and greeted the staff. He addressing the gathering called everybody to carry out the responsibilities towards the nation.

Annual Sports Day

The Institute celebrated its Annual Sports Day on 7 March 2019. Various outdoor and indoor competitions were organized in which staff members actively participated and showed their sports skills. Some of the sports were organized few days before the celebration of the sports day and some events were organized on the same day. Director, Prof. Jayanta K. Das chaired the event while Mrs. Roopa Das graced the event as Chief Guest. Winners of various competitions were given away with prizes.

42nd Annual Day

The Institute celebrated its 42nd Annual Day on 9 March, 2019. On this occasion, Dr. Alok Mukhopadhya, chairman Voluntary Health Association of India (VHAI) graced the occasion as the Chief Guest and Dr. N.S. Dharmshaktu, Principal Advisor (Public Health), MoHFW, Government of India was present as a special guest. On the day, a 2 minute silence was kept in respect of great martyrs armies of Pulwama. Programme was started with Saraswati Vandana. Honarable Chief guest Dr. Alok Mukhopadhya, Dr. N.S. Dharmshaktu, our Director Prof Jayanta K. Das and Prof T.G. Shrivastav lit the lamp. On this occasion, Prof. Jayanta K. Das, Director, NIHFW, presented the Annual Report of the Institute and highlighted some key activities and achievements.

Prof. Das, shared his vision of establishing the Institute as a Public Health University so that the needs and challenges of the nation can be successfully met. Special Guest of the event, Dr. N.S. Dharmsaktu said as hormones are very much important in our body, likewise NIHFW is working as a hormone in health sector.

Chief Guest, Dr. Alok Mukhopadhya highlighted the importance of health, in context of an event in Mahabharata where Yudhisthir while answering a question said that most important gain of world is good health. Dr. Mukhopadhya also mentioned that NIHFW can show a best technical pathway to all the SIHFW of various states. He said NIHFW is playing an important role in teaching, training and publishing in the field of health.

On this occasion, the honourable guests also honoured the meritorious students of various courses. The best sports person and employees of the Institute were also honoured. 24th edition of Hindi Journal Jan Swasthya Dhaarna was released by the dignitaries. Prof. T.G. Shrivastav presented the vote of thanks to all. Prof. Neera Dhar and Shri V.P.Upreti coordinated the programme successfully.

VISITORS TO THE INSTITUTE

The Institute received the students and faculty from the following educational Institutes in the year 2018-2019:

- GRT College of Nursing, GRT Mahalakshmi Nagar, Tiruttani, Tamil Nadu on 10 April, 2018.
- International delegates from" National Alcohol and Tobacco Authority (Master of Public Health) Students on 27 April 2018.
- All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Jodhpur, Rajasthan on 1 to 4 May, 2018.
- Three Colleges of Delhi University (1) University College of Medical Sciences (UCMS), (2) Lady Harding Medical College (LHMC), (3) Maulana Azad Medical College (MAMC) on 18 to 22 June, 2018.
- All India Institute of Medical Sciences (AIIMS). Ansari Nagar, New Delhi on 3 to 4 July, 2018.
- Akal College of Nursing Eternal University Baru, Sahib Sirmour, Himachal Pradesh on 4 July, 2018.
- 4th year B.SC. Nursing Students, School of Nursing Galgotias University Plot No-I, Sector-17A Yammuna Expressway Greater Noida, Gautam Buddha Nagar, UP on 31 August, 2018.
- Post-Graduate Trainee Medical Officers, Armed Forces Medical College (AFMC), Pune, Maharashtra on 7 September, 2018.
- Family Welfare Training and Research Centre, 332, S.V.P. Road, Khetwadi, Mumbai on 26 September, 2018.
- 4th year B.Sc. Nursing Students along with 02 faculty members, Maharashtra University of Health Science on 27 September, 2018.
- 3rd semester Masters of Hospital Administration (MHA) students of KSPH, Bhubaneswar on 28 September, 2018.
- Sister Nivedita Government Nursing College, IGMC Shimla on 11 January, 2019.
- Laxmi Memorial College of Nursing, A.J. Towers, Balmatta, Mangaluru on 18 January, 2019.
- Institute of Mental Health, Government Hospital for mental health Ahmedabad, Gujarat on 23 January, 2019.
- Himalayan Institute of Medical Sciences Swami Ram Himalayan University, Dehradun on 29 January, 2019.
- Father Muller College of Nursing Fr. Muller road Kankanady, Mangaluru on 4 February, 2019.
- Jeevandeep School of Nursing, Baralalpur, Chandmari Varanasi on 5 February, 2019.
- Indirani College of Nursing, SVMCH & RC Campus, Ariyur Puducherry 13 February, 2019.
- Athena College of Nursing, Falnir Road, Bangalore on 14 February, 2019.
- Vinayaka Mission's College of Nursing, Kirumampakkam, Puducherry on 18 February, 2019.
- College of Nursing, St. Philomena's Hospital, No.-1, Mother Theresa Road, Bangalore on 21 February, 2019.

- St. Josephs College of Nursing, Dargamitta, Nellore, Andhra Pradesh on 21 February, 2019.
- B.Sc. Nursing 1st year students from Rufaida College of Nursing, Jamia Humdard University on 25 February, 2019.
- Shree Devi College of Nursing, Maina Towers, Ballalbagh, Bangalore on 26 February, 2019.
- Tejasvini Nursing Institute, Ananthapadmanabha Temple, Kudupu, Mangaluru on 28 February, 2019.
- K. Pandyarajah Ballal Nursing Institute, College of Nursing, Ullal Mangalore, Karnataka on 1 March, 2019.
- Mother Theresa Post Graduate and Research Institute of Helath Sciences, Jipmer, Indira Nagar, Gorimedu, Puducherry on 5 March, 2019.
- CNC College of Nursing, Koirengei, Imphal East, Manipu on 5 March, 2019.
- Rajkuamri Amrit Kaur College of Nursing, Delhi Unviersity on 8 March, 2019.
- College of Nursing, Kurji Holy Family Hospital, Patna, Bihar on 26 March, 2019.
- Vivekanand College of Nursing, Lucknow, UP on 28 March, 2019.

PUBLICATIONS

- Methodological Issue Pertaining to Domestic Violence in India. Asian Journal of Social Science 45: 73–92.
- Mahapatro M. 2017. Qualitative Research in Public Health: A Cross-Cultural
- Mahapatro M. and S. Kelkar, 2017. Determinates of ANC in deciding the place of delivery for marginalized women in rural Odisha, India-Women's Perspective. Modern Clinical Medicine Research 1(1): 20-27.
- Narayan Raj and A. K. Nitesh, 2018. Rural Urban Differentials in Awareness, Knowledge and Perception about HIV/AIDS among Men in High and Low Prevalence States in India. Journal of Statistics Applications and Probability Letters, an International Journal, 5 (2), 1-15.
- Singh S. K. and Narayan Raj, 2018. Probability Models For Explaining Migration Process From Eastern Uttar Pradesh, India. Mathematical Journal of Inter disciplinary Sciences, 6(2), 137-166.
- Singh S.P. & M. Mahapatro, 2018. Institution and victim of domestic violence: An interactional model to access justice in India. *Development in Practice*, 28 (4): 1–10.
- Kumar A. & M. Mahapatro, 2018. Community-Based Qualitative Health Research: Negotiating Ethics in India. *Quality and Quantity- International Journal of Methodology*, 52 (3):1437-1446
- Gautam, S. 2018. Health and Patients' Rights in India, In Dwivedi, P. (Ed.), Human Rights in the Era of Globalization, Kanpur, Vikas Publication, pp. 68-72.
- Karol G. S. and Jayanta K. Das, 2018. National Rural Health Mission (NRHM) and Role of ASHAs and Village Panchayats (PRIs) in Maternal and Child Health Care: An Impact Study in Rural Rajasthan. *Political Economy Journal of India*, 27 (1): 67-75.
- Mahapatro M. 2018. Domestic Violence and Health Care in India: Policy and Practice. Singapore: Springer Nature. ISBN 978-981-10-6158-5.
- Y.S. Kurniawan, S. Ramachandra Rao, K. Ohto, W. Iwasaki, H. Kawakita, S. Morisada, M. Miyazaki, Jumina, A rapid and efficient lithium-ion recovery from seawater with tripropyl-monoacetic acid calix[4]arene derivative employing droplet-based microreactor system, *Separation and Purification Technology*, 211, 925-934, 2019.
- Kurniawan Y.S., Rao S. Ramachandra, Iwasaki W., Morisada S., Kawakita H., Ohto K., Jumina Miyazaki M., 2018. Microfluidic reactor for Pb(II) ion separation and removal with an amide derivative of calix(4) arene supported by spectroscopic studies, *Microchemical Journal*, 142, 377-384.

APPOINTMENTS, PROMOTIONS AND SUPERANNUATIONS

Appointments

1. Dr. Vikas Sharma, Medical Officer on 16-04-2018
2. Dr. Ravinder Kumar, Medical Officer on 6-12-2018

Promotions

1. Ms. Pushpa Rani, Staff Nurse to Nursing Sister on16-01-2018
2. Smt. Hans Kumari, Librarian to Technical Officer (Documentation) on 01-09-2018
3. Smt. Manju Gaba, Lower Division Clerk to UDC on 31-12-2018
4. Shri Vinod Kumar, Lower Division Clerk to Upper Division Clerk on 31-12-2018
5. Shri Sunil Kumar, Technical Assistant Production (Processing) 31-12-2018
6. Shri Lakhan Lal Meena, Graining Machine Operator- cum-Plate maker on 31-12-2018
7. Smt. Sunita Khanna, Lower Division Clerk to Upper Division Clerk on (02-01-2019
8. Shri Elizer Trikey, Multi Tasking Staff to Lower Division Clerk on 14-01-2019
9. Shri S.P. Singh, Lower Division Clerk to Upper Division Clerk on 01-02-2019

MACP/Financial Upgradation

1. Sh. Parimal Parya, Research Officer
2. Dr. Giriraj Halkar, Senior Technical Assistant
3. Sh. Jagdish Singh Rawat, Assistant (Accountant on deputation)
4. Sh. Jawahar Singh Rawat, Technical Assistant (Lab)
5. Smt. Kusum Lata Sahoo, Senior Technical Assistant (Lab)
6. Dr. Ganesh Shankar Srivastava, Sub-Editor (Hindi)
7. Smt. Shikha Saini, Technical Assistant (Lab)

Retirements/Resignation

1. Dr. T. Bir, Professor, Social Science on 31-03-2018
2. Sh. Jag Meher Singh, Senior Technical Assistant on 31-7-2018
3. Sh. Suresh Pal, Multi Tasking Staff on 30-6-2018
4. Smt. Savita Bala, Multi Tasking Staff on 30-6-2018
5. Sh. Dinesh Kumar Meena, Copy Holder on 31-7-2018
6. Smt. Anima Sinha, Lower Division Clerk on 31-7-2018
7. Smt. Shusheel Bhalla, Upper Division Clerk on 31-7-2018
8. Dr. Vikaas Sharma, Medical Officer, resigned on 14-09-2018
9. Sh. D.K.Dhingra, Upper Division Clerk on 31-01-2019
10. Dr. Utsuk Datta's term of re-employment ended on 28-2-2019
11. Sh. D.S.Rawat, Upper Division Clerk on 31-03-2019

ANNEXURES

I. **List of Governing Body Members**

II. **List of Standing Finance Committee Members**

III. **List of Programme Advisory Committee Members**

IV. **List of Faculty Members**

V. **Sanctioned and In-position Manpower**

Annexure-I

List of Governing Body Members
(As on 31st March 2019)

S.No.	Name	Position
1.	Shri Jagat Prakash Nadda Hon'ble Union Minister of Health and Family Welfare, Nirman Bhavan New Delhi	Chairman (Ex. Officio)
2.	Ms. Preeti Sudan Secretary (Health & F.W.) Ministry of Health and Family Welfare Nirman Bhavan, New Delhi	Vice-Chairperson (Ex. Officio)
3.	Dr. S. Venkatesh Director General of Health Services Ministry of Health and Family Welfare Nirman Bhavan New Delhi	Member (Ex. Officio)
4.	Dr. Balram Bhargava Secretary Deptt. of Health, Research (MoHFW) and Director General Indian Council of Medical Research Ansari Nagar, New Delhi	Member (Ex. Officio)
5.	Dr. Randeep Guleria Director All India Institute of Medical Sciences Ansari Nagar, New Delhi	Member (Ex. Officio)
6.	Shri Arun Singhal Additional Secretary (Health) MoHFW Nirman Bhavan New Delhi	Member (Ex. Officio)

7.	Dr. R.K. Vats Addition Secretary & Financial Advisor Ministry of Health and Family Welfare Nirman Bhavan, New Delhi	Member (Ex. Officio)
8.	Shri Sudhansh Pant Joint Secretary (SP) Ministry of Health and Family Welfare Nirman Bhavan, New Delhi	Member (Ex. Officio)
9.	Dr. K.S. James Director International Institute for Population Sciences Govandi Station Road Deonar, Mumbai – 400 088	Member (Ex. Officio)
10.	Shri Alok Kumar Room No. 263, Advisor (Health) NITI Bhavan, Parliament Street New Delhi (Correspondence No.72686/2016/H&FW)	Member (Ex. Officio)
11.	Prof. Saudan Singh Dean North D.M.C. Medical College Hindu Rao Hospital, Malka Gang Delhi-110007	Member (Chairperson of PAC, NIHFW) (Ex. Officio) w.e.f. 30-01-2019
12.	Dr. Alok Mukhopadhyay, Executive Director, Voluntary Health Association of India B-40, Qutab Institutional Area South of IIT Delhi New Delhi-110016	Member w.e.f. 14-05-2018
13.	Dr. Rajesh Kumar Dean Postgraduate Institute of Medical Education and Research (PGIMER) Chandigarh – 160012	Member w.e.f. 14-05-2018

14.	Dr. Sanjiv Kumar Executive Director International Institute of Health Management Research (IIHMR) Plot No.3, HAF Pocket, Sector 18A, Phase-II, Dwarka, New Delhi -110075	Member w.e.f. 14-05-2018
15.	Dr. Dileep Mavalankar Director Indian Institute of Public Health Gandhinagar, Gujarat – 382042	Member w.e.f. 14-05-2018
16.	Dr. B.S. Garg Former Dean Mahatma Gandhi Institute of Medical Sciences Wardha, Maharashtra – 442102	Member w.e.f. 14-05-2018
17.	Dr. Nikhil Tandon Professor & Head Department of Endocrinology AIIMS, New Delhi 110029.	Member w.e.f. 14-05-2018
18.	Dr. Shalley Awasthi Professor Department of Paediatrics KGMU, Lucknow - 226003	Member w.e.f. 14-05-2018
19.	Dr Jayanta K. Das Director NIHFW, New Delhi	Member-Secretary (Ex. Officio)

(1-11 & 19 are ex-officio members and 12-18 are eminent persons nominated as non-official members by the Chairman.)

Annexure-II

List of Standing Finance Committee Members
(As on 31st March 2019)

S.No.	Name	Position
1.	Ms. Preeti Sudan Secretary (H&FW) Ministry of Health and Family Welfare Nirman Bhavan New Delhi – 110 108	Chairperson
2.	Dr. S. Venkatesh Director General of Health Services Nirman Bhavan New Delhi – 110 108	Member (Ex. Officio)
3.	Dr. R.K. Vats Additional Secretary & Financial Advisor Ministry of Health and Family Welfare Nirman Bhavan New Delhi 110 108	Member (Ex. Officio)
4.	Shri Alok Kumar, IAS Advisor (Health) NITI Aayog Yojna Bhavan, New Delhi-110 001	Member (Ex. Officio)
5.	Shri Sudhansh Pant Joint Secretary (SP) Ministry of Health and Family Welfare Nirman Bhavan New Delhi – 110 108	Special Invitee
6.	Prof. Jayanta K. Das Director, NIHFW New Delhi-110 067	Member-Secretary (Ex. Officio)

Annexure-III

List of Programme Advisory Committee Members
(As on 31st March 2019)

S.No.	Name	Position
1.	Prof. Saudan Singh Dean North D.M.C. Medical College Hindu Rao Hospital, Malka Gang Delhi-110007	Chairperson
2.	Dr. Balram Bhargava Secretary Deptt. of Health, Research (MoHFW) and Director General Indian Council of Medical Research Ansari Nagar, New Delhi	Member (Ex-Officio)
3.	Dr. S. Venkatesh Director General of Health Services, Nirman Bhavan New Delhi – 110 108	Member (Ex-Officio)
4.	Shri Sudhansh Pant Joint Secretary (SP) Ministry of Health and Family Welfare Nirman Bhavan New Delhi – 110 108	Member (Ex-Officio)
5.	Shri Alok Kumar,IAS Advisor (Health) NITI Aayog, Yojna Bhavan, New Delhi-110 001	Member (Ex-Officio)
6.	Dr. K.S. James Director International Institute for Population Sciences Govandi Station Road Deonar, Mumbai – 400 088	Member (Ex-Officio)

7.	Dr. Jayanti S. Ravi Commissioner & Principal Secretary (Public H&FW) Department of Health & Family Welfare Government of Gujarat Block No. 5, 1st Floor old Schiwalay Dr. Jivraj Mehta Bhavan Sector No. 10, Gandhinagar-Gujarat-382010	Member (w.e.f.30.01.19)
8.	Dr. Sanjeev Dalvi Director of Health Services Directorate of Health Services Campal – Panaji, Goa-403001	Member (w.e.f.30.01.19)
9.	Dr. M.M. Wasim Director, State Institute of Health & Family Welfare (SIHFW) Sheikhpura, Patna-80014, Bihar	Member (w.e.f.30.01.19)
10.	Dr. K. Rajo Singh Director, Manipur Health Directorate, Lamphelpat, Rims Road, Imphal	Member (w.e.f.30.01.19)
11.	Prof. Bharat Bhasker Director Indian Institute of Management, Atal Nagar, P.O. Kurrn (Abhanpur), Raipur Chhattisgarh-493661	Member (w.e.f.30.01.19)
12.	Dr. Sanjay Gupta Professor Deptt. of CHA NIHFW, New Delhi	Member (w.e.f.30.01.19)
13.	Dr. Rajni Bagga Professor and Head Department of Social Sciences NIHFW, New Delhi	Member (w.e.f.30.01.19)
14.	Prof. J.K.Das Director NIHFW, New Delhi	Member-Secretary (Ex. Officio)

15.	Dr. Ashutosh Halder Prof. & Head Department of Reproductive Biology, All India Institute of Medical Science Ansari Nagar, New Delhi 110029	Co-opted Member (w.e.f.04.12.17)

Annexure-IV

List of Faculty Members
(As on 31st March 2019)

Prof. Jayanta K. Das	Director
Department of Communication	
Dr. Poonam Khattar	Professor and Acting Head
Dr. Ankur Yadav	Assistant Professor
Department of Community Health Administration	
Dr. S. V. Adhish	Professor and Head
Dr. Nanthini Subbiah	Associate Professor
Department of Medical Care and Hospital Administration	
Dr. Manish Chaturvedi	Professor and Acting Head
Department of Education and Training	
Dr. Neera Dhar	Professor and Head
Department of Epidemiology	
Dr. Sanjay Gupta	Professor and Acting Head
Department of Management Sciences	
Dr. Mihir Kumar Mallick	Professor and Acting Head
Department of Planning and Evaluation	
Dr. V. K. Tiwari	Professor and Head
Dr. Ramesh Chand	Assistant Professor
Department of Reproductive Bio-medicine	
Dr. T. G. Shrivastav	Professor and Head
Dr. S. R. Rao	Reader
Dr. Renu Shehrawat	Assistant Professor
Dr. Rajesh Kumar	Assistant Professor
Department of Social Sciences	
Dr. Rajni Bagga	Professor and Head
Dr. Meerambika Mahapatro	Associate Professor
Dr. Sarita Gautam	Assistant Professor
Department of Statistics and Demography	
Dr. Pushpanjali Swain	Professor and Head
Total Faculty members :19 (including Director)	

Annexure-V

Manpower Position NIHFW as on 31st March 2019

Category	Sanctioned No.	No. in Position (%)	Vacant Posts (%)
Group-A	66	35 (53.0%)	31 (47.0%)
Group-B	125	68 (54.4%)	57 (45.6%)
Group-C (Non-technical and technical)	120	74 (61.7%)	46 (38.3%)
Group-C (Multi-Tasking Staff)+Other erstwhile group 'D' posts including Group-C Helper (Offset Press)Group-C Laboratory Attendant	103 (75 + 28)	59 (57.3%)	44 (42.7%)
Total	**414**	**236 (57.0%)**	**178 (43.0%)**

आरोग्यम् सुखसम्पदा

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान

The National Institute of Health and Family Welfare

Munirka, New Delhi - 110067